फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 222 प्रभात जयपुर, रविवार 16 मार्च, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

ARBiT

Mavericks Make The World

In today's world of politics, Donald Trump is a classic maverick in making tall claims of taking over Canada and Greenland

A Passport Unlike Any Other

How To Train Your Cat

Cats have never been selectively bred to enhance their ability to cooperate and communicate with us, or perform working roles such as herding, hunting or guarding

राहुल गाँधी एक सप्ताह की ''मैडिटेशन यात्रा'' पर वियतनाम गये

राहुल को ''मैडिटेशन'' (ध्यान लगाने) की जरूरत इन दिनों कुछ ज्यादा ही नज़र आ रही है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 मार्च। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष 11 मार्च से 18 मार्च तक वियतनाम में हैं और इधर संसद का सत्र चल रहा है।

वे कथित रुप से वियतनाम के आर्थिक मॉडल के अध्ययन के लिये वहाँ गये हैं। वहाँ का आर्थिक मॉडल मूलत: समाजवादी है, क्योंकि वियतनाम प्राथमिक रुप से एक कल्याणकारी देश है। लेकिन अन्दरुनी लोगों का कहना है कि वे वहाँ ध्यान करने के लिये गये हैं, क्योंकि वे ध्यान-प्रक्रिया से जुड़े हुये हैं तथा अपना काफी समय ध्यान में व्यतीत करते हैं।

जहाँ राहुल गांधी की स्वीकार्यता कुछ वर्गों में बढ़ रही है, लेकिन उनकी मुख्य समस्या यह है कि वे विभिन्न राज्यों और उनकी समस्याओं को ''हैंडल'' नहीं कर पाते हैं। और न उनके पास ऐसा कोई राजनैतिक सलाहकार है, जो उन्हें आधारभूत गलतियाँ करने से रोक सके।

राहुल गांधी के साथ लम्बे समय से यह समस्या बनी हुई है कि वे यह मानते हैं कि वे सबसे अच्छा स्वयं जानते हैं तथा उन्हें किसी सलाहकार की जरुरत नहीं है।

- पार्टी के एक वरिष्ठ नेता का कहना है, कि हालांकि, राहुल की व्यक्तिगत लोकप्रियता, ''एक्सैप्टबिलिटी'' (जनता में स्वीकार्यता) बढ़ी है, पर वे अभी राज्यों में फैली अन्तर कलह व खेमेबाजी को सुलझाने में सफल होते नज़र नहीं आ रहे हैं।
- बिहार में, उनकी मुख्य सहयोगी पार्टी उनसे काफी नाराज़ है, क्योंकि राहुल बिहार में कन्हैया कुमार व पप्पू यादव को पार्टी में आगे बढ़ाना चाह रहे हैं। वे इन दोनों को नेतृत्व सौंपने को भी तैयार हैं और आर.जे.डी. उनके इस फैसले को पसन्द नहीं कर रही।
- इसी प्रकार, अभी तक पंजाब के मुतल्लिक यह निर्णय नहीं ले पाये हैं, कि दलित नेता चन्नी को नेता बनवायें या किसी जट सिख को नेतृत्व सौंपें। राहुल व प्रियंका की पसन्द, दलित नेता चन्नी बुरी तरह हारे थे चुनाव में, क्योंकि, जट सिखों ने दलित को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार नहीं किया था।
- अनिर्णय की स्थिति, गुजरात में भी है। पिछली बार राहुल अहमदाबाद में कह आये, कि, कांग्रेस का ही एक बड़ा खेमा, भाजपा का मददगार है, अतः इन गैर-वफादारों को पार्टी से निकाल देना चाहिए, उनकी संख्या चाहे जितनी बड़ी क्यों न हो। पर, उनके इस साहसी भाषण के बाद अभी तक गुजरात की कांग्रेस पार्टी में इस निर्णय की क्रियान्विति के बारे में कोई भी हलचल नहीं दिख रही।

तरह से राहुल गांधी, कन्हैया और पप्पू यादव को बिहार में आगे बढ़ा रहे हैं, उससे बिहार में कांग्रेस का मित्र दल, आरजेडी अप्रसन्न है। राज्य कांग्रेस के नेताओं के गले भी यह बात नहीं उतर रही है। उनका कहना है कि इससे चुनावों में गठबंधन और कांग्रेस -दोनों को ही नुकसान होगा।

इसी कारण बिहार के कांग्रेस नेताओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कम परीक्षा परिणाम देने पर प्रिंसिपल व व्याख्याता के खिलाफ हुई कार्रवाई रद्द

जयपुर, 15 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने विभागीय मापदंड से कम परीक्षा परिणाम देने पर प्रिंसिपल व व्याख्याता के खिलाफ की गई दंडात्मक कार्रवाई को, सही नहीं मानते हुए, रद्द कर दिया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश प्रिंसिपल महेन्द्र तिवाड़ी व व्याख्याता नेमीचंद की याचिकाओं पर दिया।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता 2019-2020 में कोटखावदा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,

- राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रिंसिपल महेन्द्र तिवाड़ी और व्याख्याता नेमीचंद की याचिका पर यह आदेश दिए। दोनों कोटखावदा के सीनियर सैकेण्डरी स्कूल में पदस्थ थे।

राम नगर में प्रिंसिपल था। इस साल का सीनियर टीचर्स का गणित व इंग्लिश विषय का परीक्षा परिणाम विभागीय मापदंड से कम आया, जिस पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने याचिकाकर्ता को चार्जशीट दी और जुलाई 2021 में उसकी दो वार्षिक वेतन वृद्धि भी रोक दीं। इसकी अपील करने पर प्रमुख शिक्षा सचिव ने दंड कम कर उसकी एक वार्षिक वेतन वृद्धि रोकी। इसके खिलाफ याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हम केन्द्र के शिक्षा बजट में हमारा शेयर देगें, पर हिन्दी का ''थोपना'' स्वीकार नहीं करेंगे'

तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में 2 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया, जो तमिलनाडु को केन्द्रीय शिक्षा बजट से मिलना था, पर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने रोक दिया, क्योंकि तमिलनाडु ने नैशनल एजुकेशन पॉलिसी को स्वीकार नहीं किया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 मार्च। तमिलनाडु तथा केन्द्र सरकार के बीच भाषा युद्ध और तेज हो गया है। तमिलनाडु ने अपने बजट लोगो में रुपये का प्रतीक हटाकर, तमिल अक्षर ''रु'' का प्रयोग किया है। तमिलनाडु के भाजपा नेतृत्व ने इस पर विरोध की बौछार शुरु कर दी है।

भाजपा की तमिल इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलाई तथा तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने द्रमुक तथा उसके नेता स्टालिन को फटकार लगाते हुये, कहा है कि वे भाषा विवाद को हास्यास्पद स्तर तक ले जा रहे हैं। इन दोनों भाजपा नेताओं ने तमिलनाडु सरकार के इस कदम को मूर्खतापूर्ण तथा उलटा असर करने वाला बताया है।

तमिलनाडु सरकार भारत के किसी भी राज्य की ऐसी पहली सरकार है, जिसने राष्ट्रीय मुद्रा के प्रतीक को ड्रॉप किया है। प्रसंगवश बता दें कि इस प्रतीक

- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने भी वित्त मंत्री के ''स्टैण्ड'' का पूरा समर्थन किया, और कहा, हम हमारे युवाओं को दो भाषा नीति से ही पढ़ायेंगे। क्योंकि तमिल व अंग्रेजी पढ़ाकर ही हमने उन्हें योग्य बनाया है, कि वे अपनी प्रतिभा व परिश्रम से अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर छाये हुए हैं, तथा तमिल संस्कृति भी पूरी तरह सुरक्षित है।

को एक तमिल व्यक्ति ने ही डिज़ायन किया था। राज्य और केन्द्र सरकार के बीच खराब होते जा रहे सम्बंधों के बीच तमिलनाडु का यह कदम स्तब्ध करने वाला है।

इस मामले में तमिलनाडु का अगला कदम क्या होगा, यह प्रश्न लोगों के दिलो-दिमाग को परेशान कर रहा है, क्योंकि दोनों ही पक्ष अपनी भौंहे टेढ़ी करते जा रहे हैं। केन्द्र इस बात पर अड़ा हुआ है कि राज्य को त्रिभाषा सूत्र की अनुपालना करनी ही होगी, और तमिलनाडु दशकों से इसका विरोध करता आ रहा है तथा द्विभाषा सूत्र को अपनाये हुये है।

इस समय अवरोध का मूल कारण यही है।

कल तमिलनाडु विधानसभा में पेश किये गये बजट में, राज्य के वित्त मंत्री थंगम तेनारासू ने 2000 करोड़ रु. का प्रावधान किया शिक्षा के मद में, किन्तु केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने तमिलनाडु को यह राशि दिये जाने से इसलिए इन्कार कर दिया, क्योंकि राज्य ने नैशनल एजुकेशन पॉलिसी स्वीकार नहीं की है।

बजट के लोगो में, रुपये के स्थान पर ''रु'' अंकित था, जो तमिल शब्द ''रूबई'' का प्रथम अक्षर है। यह अक्षर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुलिसकर्मियों ने नहीं खेली होली, अधिकारियों ने मनाया पर नहीं माने

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने कहा, प्रदेश में होली शांति से सम्पन्न करवाने वाले खुद होली का बहिष्कार करने को मजबूर हैं

जयपुर, 15 मार्च। अपनी लंबित मांगों का समाधान न होने से नाराज पुलिस कर्मियों ने होली नहीं खेली। अधिकारियों ने मनाने का प्रयास भी किया, लेकिन पुलिस कर्मियों ने होली खेलने से साफ इन्कार कर दिया। इसके बाद कर्मचारी संगठनों ने भी सरकार से पुलिसकर्मियों की मांगों पर विचार करने का आग्रह किया। इस मामले में सचिन पायलट, गोविंद सिंह डोटासरा, टीकाराम जूली सहित केबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने भी सरकार से इस मामले में दखल देने की मांग करते हुए लंबित मांगों पर ध्यान देने का अनुरोध किया है।

सचिन पायलट ने इस मामले को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि प्रदेशभर में होली संपन्न कराने में पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही है, लेकिन अब अपनी लंबित मांगों को लेकर वे खुद होली का बहिष्कार करने

- पायलट ने कहा, मेरा सरकार से आग्रह है कि पुलिसकर्मियों की प्रमोशन, वेतन, भत्ते व अवकाश की मांगों पर संवेदनशीलता से विचार किया जाए।
- प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पुलिसकर्मियों की लंबित मांगे पूरी करने की मांग की।
- ज्ञातव्य है कि होली का त्यौहार शांति से सम्पन्न कराने के बाद होली के अगले दिन पुलिसकर्मी होली खेलते हैं पर इस बार पुलिसकर्मियों ने होली नहीं खेली, कर्मचारी संगठनों ने भी पुलिसकर्मियों का समर्थन किया।

को मजबूर हैं। प्रमोशन, भत्ता बढ़ाने, अवकाश, स्थानांतरण पॉलिसी आदि को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। इन मुद्दों को लेकर आज राजस्थान के कई क्षेत्रों में पुलिसकर्मियों ने होली मनाने से मना कर दिया है। पुलिसकर्मियों के हितों की मजबूती से पैरवी करते हुए सरकार से निवेदन है कि संवेदनशीलता से इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए।

पुलिसकर्मियों द्वारा होली बहिष्कार को लेकर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने लिखा है कि ''पुलिसकर्मियों द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेडीसी, जेडीए सचिव व जोन उपायुक्त जमानती वारंट से तलब

जयपुर, 15 मार्च। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने अदालती आदेश का पालन नहीं करने पर जेडीसी आनंदी, जेडीए सचिव निशांत जैन व ज़ोन उपायुक्त राकेश मीना को दस-दस हज़ार रुपए के जमानती वारंट से 29 मार्च को तलब किया है। आयोग के अध्यक्ष

- जिला उपभोक्ता आयोग -द्वितीय ने अदालती आदेश का पालन नहीं होने पर जेडीसी आनंदी, जेडीए सचिव निशांत जैन व ज़ोन उपायुक्त राकेश मीणा का जमानती वारंट जारी किया।

ग्यारसीलाल मीना ने यह निर्देश नकुलेश्वर दत्त के अवमानना प्रार्थना पत्र पर दिया। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि 29 अक्टूबर 2024 को उपभोक्ता आयोग ने जेडीए को निर्देश दिए थे कि वह एक महीने में भूखंड का कब्जा परिवादी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस बातचीत से पहले यूक्रेन का अधिकतम हिस्सा दबा लेना चाहता है

इसी रणनीति के तहत रूस कोई खास तत्परता नहीं दिखा रहा, समझौते की बातचीत के लिए सजाई गई टेबिल पर बैठने के लिए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 मार्च। जब यूक्रेन-रुस वार्ता के लिए गुरुवार को यू.एस प्रैसिडैंट के विशेष दूत मॉस्को पहुँचे तो रुस के राष्ट्रपति ने अपनी शक्ति और हठधर्मिता का पूरा प्रदर्शन किया। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ गुरुवार को जब रुस के वनुकोवो हवाई अड्डे पर पहुँचे, उसी समय रुस के राष्ट्रपति ने कुर्स्क क्षेत्र और उसके सबसे बड़े शहर सुदझा का दौरा किया, जो पहले यूक्रेनियों के कब्जे में था।

पुतिन सैन्य वर्दी में थे और रुसी सैन्य कमाण्ड का दौरा करते हुए वो स्थानीय कमाण्ड प्रमुखों से मिले। उन्होंने रुसी श्रेष्ठता का एक मजबूत संदेश दिया और यूक्रेन की ओर से लड़ने वाले विदेशी मिलिशिया को कड़ी कार्यवाही और प्रतिशोध की चेतावनी दी।

पुतिन ने स्थानीय क्षेत्र में किए गए प्रदर्शनों में ताकत और निर्दयता की छवि

- अमेरिकी की टीम युद्ध विराम का समझौता तैयार करने के लिए मॉस्को पहुंच चुकी है। टीम का स्वागत करने जब पुतिन आये, तो पूरी तरह से सैनिक वर्दी में थे, तथा घूम-गूम कर अपने सेना के कमाण्डरों से बातचीत व हंसी मज़ाक कर रहे थे।
- अमेरिका की टीम जिस हवाई अड्डे पर उतरी है, वह यूक्रेन का हिस्सा था। अतः रूस का मकसद था, यह जताना कि युद्ध भूमि में स्थिति उसके नियंत्रण में है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन की टीम के उच्चाधिकारी यूरी उषाकोव ने कहा, ''हम ने अमेरिका-यूक्रेन की सऊदी अरब में हुई वार्ता को गहराई से देखा व समझा है, यह और कुछ नहीं एक अस्थाई ''सीज़ फायर'' है, स्थाई समझौते के रूप में हमें कतई स्वीकार नहीं है।''

पेश करने की कोशिश की। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य, यूक्रेन में रुस की उपस्थिति तथा रुसी सेना की अपराजेयता को किसी भी तरह के खतरे को चेतावनी देना था।

यह सब, आगामी वार्ताओं में सौदेबाजी के लिए किया गया था। अमेरिका, सऊदी अरेबिया में यूक्रेनियों के साथ बातचीत के बाद मॉस्को में बातचीत करने वाला है। कुछ शीर्ष अमेरिकी राजनयिक और रणनीतिकार रुसियों के साथ वार्ता करने के लिए मॉस्को आ रहे हैं।

जहाँ अमेरिका, अपने राष्ट्रपति के पहले के इन दावों को, कि अगर वे राष्ट्रपति होते तो यूक्रेन में युद्ध कभी नहीं होता, या फिर वे युद्ध को जल्दी समाप्त करवा देंगे, सही साबित करने का जी तोड़ प्रयास कर रहा है, वहीं, रुस के शीर्ष राजनयिक इस संपूर्ण पहल पर पानी फेर रहे हैं।

रुसी राष्ट्रपति के सहायक, यूरी उशाकोव ने कहा, कि उन्होंने सउदी अरब में हुई अमरीकी -यूक्रेनी वार्ता और जो स्थिति बनी, उसके बारे में जानकारी ली थी। उन्होंने कहा कि संभावित आसान समझौता, ''यूक्रेनी मिलिटरी के लिए एक अस्थाई राहत'' से ज्यादा कुछ नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह का समझौता रुसियों को स्वीकार्य नहीं था।

अमरीकियों ने पहले कहा था कि यूक्रेन ने अमरीकी प्रस्तावों को स्वीकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक दिन पहले ही विपश्यना शिविर छोड़ा केजरीवाल ने

होशियारपुर, 15 मार्च। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजब और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार को होशियारपुर से करीब 11 किलोमीटर दूर आनंदगढ़ गांव में धम्म धजा विपश्यना केंद्र (डीडीवीसी) में 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र पूरा करने से पहले ही रवाना हो गए।

- आप प्रवक्ता ने बताया कि केजरीवाल ने अपने मैडिटेशन टीचर से छुट्टी लेकर शिविर छोड़ा है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल कल रात यहां पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस पहुंचीं और आज सुबह डीडीवीसी गईं। इसके बाद केजरीवाल और उनकी पत्नी सड़क मार्ग से जालंधर के लिए रवाना हो गए।

उन्हें विदा करने के लिए सांसद डॉ. राज कुमार, पंजाब के कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह और विधायक ब्रह्म शंकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जबरदस्ती व विरोध नहीं, दया व करूणा के पुल से दूरियां घटती हैं

कैडबरी डेयरी मिल्क ने विज्ञापन में नॉर्थ व साउथ के भाषा विवाद का नाज़ुक समाधान दिखाने की हिम्मत दिखाई, जबकि, बड़े-बड़े राजनीतिज्ञ फेल हो गये

-सुकुमार शाह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 मार्च। एक ऐसा देश है, जहां भाषा संवाद का जरिया होने से कहीं अधिक पहचान, संस्कृति का प्रतीक है और अब तो राजनैतिक निष्ठा का भी प्रतीक बन गई है, वहीं कैड्बरी डेयरी मिल्क का नया विज्ञापन तीखी बहस का मुद्दा बन गया है। इस समय जबकि उत्तर भारत और दक्षिण भारत में भाषाई तनाव पनप रहा है, ऐसे में इस ब्रांड ने एक कोमल, किंतु सशक्त रूख अपनाया है। यह विज्ञापन कहता है, जोर-जबर्दस्ती या विरोध करने से नहीं, बल्कि ''प्रेम'' से मतभेद की खाई भरती है।

यह विज्ञापन ऑन लाइन काफी लोकप्रिय हो रहा है, इसमें रोजमर्रा का परिदृश्य दिखाया गया है, कुछ महिलाएं हिंदी में गपशप कर रही हैं कि तभी एक तमिल भाषी पड़ौसन उनके साथ शामिल हो जाती है। उनमें से एक महिला देखती है कि तमिल महिला भाषा समझ नहीं पाने से परेशान लग रही है तो वह अंग्रेजी में बोलती है, ताकि वह महिला भी खुद को गपशप का हिस्सा महसूस कर सके। यह एक छोटी सी कोशिश है, पर इसमें एक सामाजिक राजनैतिक संदेश है, वो भी ऐसे देश में, जहाँ भाषा अक्सर युद्ध का मैदान बन जाती है।

कई दशकों से भारतीय राजनीति में हिंदी भाषा थोपने का विवाद चल रह है। केन्द्र सरकार हिंदी की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण बनाना चाहती है, चाहे वह सरकारी काम हो या प्रतियोगी परीक्षाओं में या शिक्षा नीति में। पर तमिलनाडु व दक्षिण भारतीय राज्यों में इसका कड़ा विरोध किया जाता है, जहां क्षेत्रीय दल, खासकर द्रमुक इन प्रयासों को अपनी भाषा और सांस्कृतिक

- विज्ञापन के शुरू होते ही एक साधारण रोज़मर्रा के दृष्टि से, गृहणियां आपस में बातचीत कर रही हैं हिन्दी में, तभी एक तमिल भाषी नई पड़ौसन बातचीत से जुड़ती है। एक गृहणी ने नई पड़ौसन की थोड़ी सी उलझन समझते हुए इंग्लिश में बोलना शुरू कर दिया, जिससे नई पड़ौसन भी बातचीत में शामिल हो जाये, यह एक छोटी सी संवेदनशील चेष्टा, कारगर साबित हुई, जबकि भाषा के विवाद ने देश को एक युद्ध भूमि बनाकर रख दिया है।
- कैडबरी के विज्ञापन ने देश की अन्तरआत्मा को झकझोर तो दिया, कुछ क्षणों के लिए। पर, यह केवल एक चतुर विज्ञापन ही है, जो सही समय पर आया और चर्चित हो गया।

विरासत के लिए खतरे के रूप में देखते हैं। तमिलनाडु बार-बार नैशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फॉर्मूला को ठुकरा रहा है और उसने साफ कर दिया है कि तमिलनाडु में हिंदी का स्वागत नहीं होगा।

इस बेहद संवेदनशील विषय पर एड बना कर कैड्बरी डेयरी मिल्क भी राजनैतिक विवाद में प्रवेश कर गई है, पर टकराव का रूख अपनाए बिना। नॉर्थ-साउथ में उसने किसी का भी पक्ष नहीं लिया है, उल्टे भाषाई सद्भाव को दर्शाया है। संदेश साफ है, किसी को अपनाना जबरन नहीं होना चाहिए, बल्कि यह प्रेम और करुणा से किया जा सकता है।

एक ब्रांड जो लम्बे समय से रिश्तों की गर्माहट और सबको साथ लेकर चलने के रूख पर चलता है, उसका यह विज्ञापन उसकी कॉरपोरेट पहचान को दर्शाता है। लेकिन क्या यह बहुत सर्तकता से उठाया गया मार्केटिंग का कदम है या फिर भारत में भाषाई विवाद में द्वंद में पड़ने का प्रयास है, इस पर बहस जारी है।

इस विज्ञापन पर ऑन लाइन प्रतिक्रियाओं की बाढ़ सी आ गई है। कई दर्शकों ने इसकी तारीफ की और कहा कि यह सबको साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है, वो भी स्वाभाविक तरीके से, ज़ोर जबर्दस्ती से नहीं। एक दर्शक ने कहा ''मैं दक्षिण-उत्तर भारतीय भाषा विवाद को नहीं जानता, पर मैं इस ग्रेट विज्ञापन को मानता हूं। डेयरी मिल्क हमेशा सही नस पकड़ता है।'' एक अन्य दर्शक ने इसकी तारीफ कर इसे खूबसूरत और प्रशंसनीय विज्ञापन बताया।

लेकिन कुछ आलोचनाएं भी हैं। कुछ लोगों ने परिदृश्य की व्यवहारिकता पर सवाल उठाया। एक यूज़र ने कटाक्ष किया ''तो मैं ओडिशा के किसी गांव में जाऊं तो वहां यह उम्मीद करूं कि मेरी सुविधा के लिए वो अंग्रेजी में बात करेंगे।'' एक अन्य ने कहा ''संस्कृत क्यों नहीं, यह देवताओं की भाषा है, इसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चारागाह भूमि से कब्जा नहीं हटा, जिला कलैक्टर रिकॉर्ड सहित तलब

जयपुर, 15 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने झुंझुनूं की चिड़ावा तहसील की चारागाह भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाने के मामले में जिला कलेक्टर,

- हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने चिडावा तहसील की चारागाह भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाने के मामले 25 मार्च को जिला कलैक्टर सहित एसडीओ और तहसीलदार को तलब किया है।

एसडीओ और तहसीलदार को 25 मार्च को तलब किया है। अदालत ने अधिकारियों से मामले का संपूर्ण रिकॉर्ड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जब पैसा बोलता है तब सत्य मौन रहता है। –कहावत

वनानुभव

प्रकृति-अनुभव और वनानुभव चिकित्सा का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह आयुर्वेद की एक श्रेष्ठ गैर-औषधीय चिकित्सा है जिस पर समकालीन शोध भी बहुत समृद्ध है। हरियाली, प्राकृतिक वातावरण, वनों और उपवनों में प्रकृति-अनुभव या दीर्घकालिक जुड़ाव का प्रसन्नता में योगदान पर पूर्व में यहाँ प्रमाण-आधारित ठोस विश्लेषण प्रस्तुत किया गया था। परन्तु क्या यह हरियाली में किया गया व्यायाम और योग तुलनात्मक रूप से बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है? वर्ष 2022 में प्रकाशित शोध को समाहित कर आज की चर्चा पुनः इसी विषय पर है।

जैसा कि पूर्व में बताया गया था, संहिताओं में स्वास्थ्य-रक्षण और रोगोपचार दोनों के लिये ऐसे अनेक सन्दर्भ हैं (देखें, च.चि.3.260-266; च.चि.2/3, 26-30, च.चि.4.106-109; च.वि.6.17, सु.उ.47.55-57 आदि)। उक्त सभी सन्दर्भ केवल उदाहरणार्थ और प्राचीनता दर्शित करने के उद्देश्य से उद्धृत किये गये हैं। समकालीन शोध में पिछले कई दशकों से विभिन्न विषयों के विद्वानों ने अपनी विधा के अनुसार इस बात की ओर ध्यान खींचा है कि प्रकृति से जुड़ने और मानव स्वास्थ्य में सुधार के बीच सकारात्मक संबंध है। यह आम समझ की बात है कि प्रकृति और पर्यावरण के सानिध्य में समय बिताना हमारे लिये स्वाभाविक रूप से अच्छा हो सकता है। प्राचीन सभ्यताओं के अवशेषों, प्राचीनकाल से चली आ रही सांस्कृतिक परम्पराओं और चिकित्सा पद्धतियों में इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि मानव सभ्यता का अपने स्वास्थ्य, चिकित्सा और आध्यात्मिकता के लिये प्रकृति के साथ अन्योन्याश्रित जुड़ाव रहा है।

जहाँ तक हरियाली का शारीरिक और मनोरोगों को रोकने में योगदान है उस पर बहुत शोध है और उसका सम्पूर्ण विश्लेषण यहाँ देना संभव नहीं है। इस विषय में एक बेहद उपयोगी पुस्तक द एक्सपीरियंस ऑफ़ नेचर- अ साइकोलॉजिकल पर्सपेक्टिव वर्ष 1989 में प्रकाशित हुई थी। राचेलकपलान और स्टेफेनकपलान की यह पुस्तक इस विषय में विश्व की सर्वाधिक संदर्भित पुस्तक है जिसे लगभग 8000 प्रकाशनों में संदर्भित किया गया है। प्राकृतिक वातावरण, लोगों और उनके बीच के संबंधों का एक प्रमाण-आधारित लेखा जोखा इस पुस्तक में है। लेखकों ने यह समझने की कोशिश की है कि लोग प्रकृति का अनुभव कैसे करते हैं और वे किस प्रकार के प्राकृतिक वातावरण पसंद करते हैं, वे जंगल के अनुभवों से क्या मनोवैज्ञानिक लाभ उठाते हैं, और हमारे आसपास के उद्यान लोगों के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं।

आयुर्वेद का लोक-पुरुष-साम्य सिद्धांत यह स्पष्ट करता है कि मानव और संसारएक समान हैं (च.शा.5.3: पुरुषोऽयंलोकसम्मितः) इस सिद्धांत के प्रकाश में देखने पर लोक या पृथ्वी के वातावरण का सीधा सीधा प्रभाव मानव के स्वास्थ्य पर पड़ता है क्योंकि लोक और पुरुष में समानता (च.शा.5.3: लोकपुरुषयोःसामान्यम्) होने से सामान्य-विशेष का सिद्धांत कार्य करता है। अर्थात सामान भावों को सामान भावों से मिलाने पर उस भाव की वृद्धि और असमान भावों को मिलाने पर ह्रास होता है। सत्य बुद्धि तभी प्रकट होती है या अकल तभी आती है जब स्वयं के अंदर प्रकृति को व प्रकृति के अंदर स्वयं को देखा जाये (च.शा.5.7): सर्वलोकमात्मन्यात्मानं च सर्वलोकेसममनुपश्यतः सत्या बुद्धिःसमुत्पद्यते। यहाँ पर लोक से तात्पर्य पूरी दुनिया के वातावरण से है जिसमें छः धातुयें पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश तथा आत्मा शामिल हैं (च.शा.5.7): षड्धातुसमुदायोहि सामान्यतः सर्वलोकः। इस सूची में आत्मा का शामिल होना आश्चर्यजनक नहीं मानना चाहिये क्योंकि पौधे, प्राणी और सम्पूर्ण जीवन भी लोक में शामिल है।

यहाँ यह बताना आवश्यक है कि ऐसा नहीं है कि प्रकृति के सभी आयाम स्वास्थ्यवर्धक और सुरक्षित ही हों। कई प्राकृतिक स्थल मानव में अकेले डर पैदा कर सकते हैं। जो हवा, पानी और मिट्टी स्वास्थ्य के लिये सर्वथा उपयुक्त होती है, वही प्रदूषित होने या प्राकृतिक आपदाओं के स्वरुप में आने पर स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हो सकती हैं। प्राकृतिक वातावरण के जो प्राणी बहुत सुन्दर लगते हैं उनमें से बहुत हिंसक भी हो सकते हैं। इन बातों को ध्यान में रखते हुये प्रकृति-अनुभव अपने अन्य रूपों में हमारे स्वास्थ्य की स्थिति को निर्धारित करते हैं। इस दृष्टिकोण से प्रकृति और पर्यावरण को निहारना, प्राकृतिक वातावरण में घूमना-फिरना स्वास्थ्यकर होता है।

प्रकृति-अनुभव किन कारणों से हमारे स्वास्थ्य पर प्रभाव डालता है? या अन्य शब्दों में कहें तो प्रकृति से जुड़ाव के स्वास्थ्यकर होने की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन क्या है? अनेक अध्ययनों के प्रमाण स्पष्ट करते हैं कि प्रकृति का मानव शरीर और मन पर स्वास्थ्यकर प्रभाव स्वास्थ्य के विविध आयामों को बेहतर करने में प्राकृतिक वातावरणों की भूमिका के कारण होता है। उदाहरण के लिये प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य में सुधार की मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद में कमी, मन की प्रसन्नता में बढ़ोत्तरी, अच्छीनिद्रा, मनोहारी अनुभूति, दर्द-नियंत्रण, बेहतर सामाजिक संपर्क, व्यायाम में बढ़ोत्तरी, हृदय रोगों में कमी, प्रतिरक्षा तंत्र में सुधार आदि के प्रकाश में देखा जा सकता है। वनानुभव-चिकित्सा (वनों में घूम-फिर कर प्रकृति का अनुभव करना) इम्यूनिटी भी बढ़ाती है (देखें, वाय. चे इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(16), 2021)।

शहरों में हरियाली से स्वास्थ्य लाभ के बारे में वर्ष 1800 के बाद से कई छिटपुट अध्ययन मिलते हैं और शहरी विकास में इन्हें शामिल करने के प्रयास भी दुनिया भर में हुये है। इन सब अध्ययनों में एक सन्देश मिल रहा था कि हरियाली को अनुभूत करना या हरियाली का एक्सपोज़र स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है, परन्तु व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस अब आना शुरू हुये हैं। हाल ही में हरियाली से मिलाने वाले लगभग 100 प्रकार के स्वास्थ्य-लाभ के निष्कर्षों वाले 143 अध्ययनों को शामिल कर एक मेटा-एनालिसिस की गयी। इससे कई रोचक परिणाम मिले। जैसे-जैसे हरियाली के साथ जुड़ाव बढ़ा वैसे वैसे लार के कोर्टिसोल, हृदय गति, व डायस्टोलिक रक्तचाप में कमी पायी गयी। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल व हृदय गति की परिवर्तनशीलता में बेहतरी हुई। समय-पूर्व प्रसव-जोखिम, मधुमेह, तथा समस्त-कारण मृत्यु दर (आल-कॉजमोर्टेलिटी) और हृदय रोग मृत्यु दर में भी कमी पाई गयी। स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, डिस्लिपीडेमिया, अस्थमा, और कोरोनरी हृदय रोग की घटनाओं में भी कमी होती गयी। अलग-अलग अध्ययनों को देखने पर यह भी स्पष्ट हुआ कि स्वास्थ्य परिणामों में 66.7 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक बेहतरी हुई है। इनमें न्यूरोलॉजिकल, कैंसर, व श्वसन रोगों से मृत्यु दर में कमी भी पाई गयी (देखें, सी. टोहिग-बेनेट, ए. जोन्स, एनवायर्नमेंटल रिसर्च, 166: 628-637, 2018)।

> **आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहां हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है।**

इस विषय में सबसे भारी अध्ययन जिसका वित्त-पोषण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किया गया था, वह वर्ष 2019 में दुनिया के एक अगुआ जर्नल में प्रकाशित हुई। हरियाली को स्वास्थ्य-निर्धारक, स्वास्थ्य में सुधार, और विभिन्न प्रसन्नता के लिये उपयोगी माना जाता रहा है। इस व्यवस्थित अध्ययन मेंविश्व भर के अनुदैर्ध्य अध्ययनों से प्राप्त प्रमाणों की इस बात के लिये समीक्षा की गयी कि हरियाली, पार्क्स, गार्डन्स आदि की उपलब्धता का सकल मृत्यु दर में प्रभाव क्या है। इस मेटा-एनालिसिस में प्रारम्भ में 9298 अध्ययन और 13 अन्य अध्ययनों की पहचान की गयी। इनमें से 9234 (99 प्रतिशत) अध्ययनों को शीर्षक और सारांश जांचने के बाद अपग करते हुये शेष 77 अध्ययनों में से 68 (88 प्रतिशत) को सम्मिलित किया गया। उक्त के साथ ही मात्रात्मक मूल्यांकन हेतु नौ (12 प्रतिशत) अध्ययनों को शामिल किया। इनमें सात देशों के 8.32 लाख व्यक्ति शामिल थे। कुल मिलाकर निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि आसपास की हरियाली और सकल-कारण मृत्यु दर के बीच एक व्युत्क्रम रिश्ते का प्रमाण पाया गया। कहने का तात्पर्य यह कि जैसे-जैसे हरियाली की उपस्थिति बढ़ती जाती है वैसे-वैसे सभी कारणों से मृत्यु दर में कमी आती जाती है। सन्देश यह है कि मानव समाज जहाँ रहता और काम करता है वहां हरियाली बढ़ाने और जैव-विविधता संरक्षण को बढ़ावा देना मानव स्वास्थ्य के लिये बहुत उपयोगी है (देखें, डी. रोजसरुएडा आदि, द लैंसेटप्लेनेटरी हेल्थ, 3,11:ई469-ई477,2019)।

एक अन्य महत्वपूर्ण मेटा-एनालिसिस में बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न पर जांच की गयी कि गर्भावस्था में प्रतिकूल परिणामों पर आवासीय हरियाली का क्या प्रभाव रहता है। इसमें कुल 36 अध्ययन शामिल थे और कुल मिलाकर1.19 करोड़(11.9 मिलियन) प्रतिभागी थे। परिणाम स्पष्ट करते हैं कि हरियाली वाले स्थलों में जन्म के समय न्यूनतम वजन का जोखिम उच्च स्तर की हरियाली वाले समूह में काफी कम था। गर्भावधि उम्र कम रहने की संभावना भी उच्च हरियाली वाले क्षेत्रों में घटी पायी गयी। इसके अलावा अधिक हरियाली वाले क्षेत्रों में मातृ-जोखिम कम पाया गया और मानसिक विकारों में भी कमी पायी गयी। यह समीक्षा आवासीय हरियाली और गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों के बीच एक उलटे रिश्ता होने की पुष्टि करती है। अध्ययन के निष्कर्ष स्पष्ट कर देते हैं कि हरियाली गर्भवती महिलाओं के लिये जोखिम घटाती है (वाइ. झान आदि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 718: आर्ट. 137420, 2020)। हाल ही में वनानुभव को मानसिक स्वास्थ्य में बेहतरी लाने के ठोस प्रमाण मेटा-एनालिसिस से प्राप्त हुए हैं (देखें, वाई. कोटेरा इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड एडिक्शन, 20(1):337-361, 2022)। एक अन्य मेटा-एनालिसिस से सिद्ध होता है कि वनानुभव अवसाद व चिंता से बचाने हेतु श्रेष्ठ गैर-औषधीय युक्ति है (पी.एस. येओन इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 18(23): 2021)। रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स की मेटा-एनालिसिस का निष्कर्ष भी स्पष्ट करते हैं कि वन-आधारित गैर-औषधीय चिकित्सकीय दखल मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं (देखें, एम.जे. कांग इत्यादि, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ, 19(8): 2022)। हाल ही में 52 अध्ययनों में समाहित 5.2 मिलियन लोगों के आंकड़ों को लेकर की गई मेटा-एनालिसिस सिद्ध करती है कि ग्रीन-स्पेस के आसपास रहने वाले लोगों में डायास्टोलिक और सिस्टोलिक ब्लडप्रेशर में सुधार होता है (देखें, वाई. झाओ इत्यादि, साइंस ऑफ़ द टोटल एनवायरनमेंट, 817: 152513,2022)

हमारा समाज आज शहरीकरण, संसाधन-विदोहन और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्रकृति-उन्मुखता से प्रकृति-विमुखता की ओर जा रहा है। संहिताओं, शोध और अनुभव की त्रिवेणी से उत्पन्न ज्ञान इस बात के पुख्ता प्रमाण दर्शित करता है कि प्रकृति-अनुभव मानव स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। शोध स्पष्ट करती है कि प्रकृति-अनुभव से स्वास्थ्य-लाभ के मूल में वायु गुणवत्ता, शारीरिक गतिविधि और व्यायाम, सामाजिक सामंजस्य और तनाव में कमी आदि कारक हैं।

इस तमाम चर्चा का मूल संदेश यह है कि पर्यावरण के साथ हमारे संबंध हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करते हैं। वनानुभव और प्रकृति-अनुभव अनेक रूपों में हो सकता है। हमारे आसपास हरियाली को बढ़ावा देना, वनों उपवनों में घूमना, प्राकृतिक स्थलों में सैर-सपाटा, प्रतिदिन समीपवर्ती बाग-बगीचों में जाकर कम से कम एक घंटे का समय बिताना, कार्य-स्थलों में हरियाली बढाने के लिये छोटे-छोटे गार्डन या बगीची विकसित करना, बैठने के स्थान में खिडकी से दिखने वाला हरा-भरा दृश्य, कार्यालय में पांच मिनट का ब्रेक लेकर हरियाली में टहल कर आना आदि सब छोटे-छोटे ऐसे कार्य हैं, जिनके माध्यम से हमारा प्रकृति के साथ जुड़ाव बना रहता है। इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह याद रखने योग्य है कि चूंकि प्रतिदिन व्यायाम और योग करना स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है अतः व्यायाम और योग वनों, हरे-भरे स्थलों, बाग-बगीचों, नदी या झील के समीप किया जाये तो शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य के लिये अधिक उपयोगी है। बच्चों को भी वनानुभव और प्रकृति-अनुभव कराइये। हरियाली से जुड़ाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए परम आवश्यक है। जीवन के प्रारम्भिक काल में प्रकृति से जुड़ाव मानव और प्रकृति के मध्य आजीवन सार्थक रिश्ता बनाने हेतु आवश्यक है। प्रकृति के साथ जुड़े रहिये। योग और व्यायाम कीजिये। आनंदित रहिये। स्वस्थ रहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

अमेरिका की खनिजों को लेकर साम्राज्यवादी सोच

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नजर अब दुनिया के खनिज संपदा संपन्न देशों की और है। ट्रम्प का यह अब यह छिपा एजेण्डा भी नहीं रहा क्योंकि यूक्रेन को सहायता के बदले उसकी खनिज संपदा के प्रबंधन का जिम्मा अमेरिका लेने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की पर लगातार दबाव ड़ाल रहे हैं। यूक्रेन 500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की खनिज संपदा को लेकर अमेरिका के साथ समझौता करने को भी लगभग तैयार हो गया पर पिछले दिनों जेलेंस्की की अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रम्प और जेलेंस्की में जिस तरह की कड़बाहट भरी नोकझोंक हुई है उसने इस डील को फिलहाल तो कमजोर कर दिया है। हांलाकि यूक्रेन के जेलेंस्की ने यूरोप यात्रा के दौरान राष्ट्रिहत में अमेरिका के साथ समझौता करने पर लगभग सहमति वाली बात कही है।

उधर रुस नहीं चाहता कि इस तरह का कोई समझौता अमेरिका व रुस के बीच हो, यही कारण है कि रुस ने भी रुस की खनिज संपदा को लेकर अमेरिका से समझौते के लिए खुला निमंत्रण दे दिया है। दरअसल अमेरिका स्वय खनिज संपदा संपन्न देष है। इसके साथ ही खनिज संपदा के मामलें में देखा जाए तो अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता देश है। इसके साथ ही अमेरिका खनिजों खासतौर से दुर्लभ खनिजों के मामलें में चीन का बर्चस्व चीन पर निर्भरता खत्म या यों कहे कम करना चाहता है। इसी कारण से दुनिया के खनिज संपदा संपन्न देशों पर ट्रम्प की ललचाई नजर साफ दिखाई दे रही है।

अभी पिछले दिनों ही ट्रम्प ने कनाडा को अमेरिका 51वां राज्य कहकर संबोधित किया है। उधर कनाडा के राष्ट्रपति जस्टिन ट्रूडो साफ साफ कह चुके हैं कि अमेरिका की नजर कनाड़ा की खनिज संपदा पर है और वह कनाड़ा को अमेरिका का 51वां राज्य बनने के लिए दबाव बनाये हुए हैं। हांलाकि जस्टिन ट्रूडो इसको ट्रम्प का दिवा स्वप्न ही बता रहे हैं।

उधर अमेरिका एन केन प्रकारेण अफगानिस्तान में प्रवेश करना चाहता है जहां की खनिज संपदा को वह हथिया सके। हांलाकि तालिबानियों के रहते फिलहाल तो ऐसा संभव नहीं लग रहा है। यह दूसरी बात है कि अमेरिका-रुस के बीच बन रहे नए समीकरणों का भविष्य क्या रहता है? इस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। देखा जाए तो अर्वाचिन काल से ही खनिज संपदा का अपना महत्व रहा है। पर इलेक्ट्रोनिक युग में दुनिया के देशों के लिए खनिज संपदा का महत्व और मांग तेजी से बढ़ गई है। आज विकास की परिकल्पना को खनिजों की उपलब्धता के आधार पर ही साकार किया जा सकता है।

नए युग की आवश्यकताओं की पूर्ति इन रेयर खनिजों से ही संभव हो पा रही है। एक समय था जब सोना, चांदी, तांबा आदि की और अधिक ध्यान केन्द्रीत होता था आज उसका स्थान दुर्लभतम खनिज लेते जा रहे हैं। इसका कारण भी साफ है। उर्जा के क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र में करीब 80 प्रतिशत, कृषि क्षेत्र में 70 प्रतिषत तक कच्चे माल या सहायक के रुप में भूगर्भ की खनिज संपदा की भागीदारी है।

आज दुनिया के 90 प्रतिशत रेयर अर्थ पर चीन की मोनोपोली है। दुनिया में खनिज संपदा के क्षेत्र में चीन शीर्ष पर है। चीन में 4.6 बिलियन टन प्रतिवर्ष, दूसरे नंबर में अमेरिका 2.2 बिलियन टन, तीसरे नंबर पर रुस 1.7 बिलियन टन और चौथे नंबर पर आस्ट्रेलिया 1.4 बिलियन टन सालान खनिज संपदा का उत्पादन कर रहे हैं। चीन की संपन्नता का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि दूसरे नंबर के अमेरिका की तुलना में चीन में लगभग दो गुणा अधिक खनिज संपदा का उत्पादन हो रहा है।

कनाडा और यूक्रेन के प्रति अमेरिकी नीति से यह साफ हो जाता है। अमेरिका यूक्रेन की रेयर अर्थ एलिमेंट संपदा के नियंत्रण के माध्यम से खनिजों के क्षेत्र में चीन को पीछे छोड़कर स्वयं का नियंत्रण बनाना चाहता है। कनाड़ा में भी सोना, चांदी, निकल, तांबा, यूरेनियम, पोटाश, कोबाल्ट, हीरा आदि के प्रचुर भण्डार है तो यूक्रेन में भी रेयर खनिजों के भण्डार धरती के गर्भ में समाये हुए हैं। यूक्रेन में ठोफाइट, लिथियम, आदि रेयर अर्थ के भण्डार है। लिथियम के 19 मिलियन टन भण्डार होने के साथ ही विष्व के प्रमुख पांच ग्रेफाइट उत्पादक देशों में यूक्रेन है। यूक्रेन में आरईई के 17 तत्वों के समूहों वाले खनिजों में से बहुतायत में भण्डार है। अफगानिस्तान के साथ अमेरिका 2017 में समझौता कर चुका है पर तालिबान के प्रवेश के कारण अमेरिका का सपना अधूरा रह गया। हांलाकि 2021 में भी अफगानिस्तान से समझौते की पहल अमेरिका से कर चुका है। अभी भी अमेरिका की अफगानिस्तान की खनिज संपदा पर पूरी नजर है और अमेरिकी-रुस नजदीकी के प्रयास इस दिशा में आगे बढ़ेंगे।

यह साफ है कि आज रिचार्जेबल बेटरी, मोबाईल, कम्प्यूटर चिप, हवाई जहाज के उपकरणों में उपयोग होने वालों के साथ ही उर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपयोग के खनिज भण्डार है। दुनिया के देश आज कच्चे माल के रुप में चीन पर निर्भर है। चीन पर निर्भरता कम करने के साथ ही अमेरिका अपना वर्चस्व बनाने के लिए संभावित सभी देशों पर योजनावद्ध तरीके से दबाव बना रहा है ताकि बदलती औद्योगिक सिनेरियों में अमेरिका की तूंती और अधिक तेजी से बज सके और अन्य देश अमेरिका पर निर्भर हो सके। अमेरिका खनिज संपदा का आर्थिक सामाजिक और औद्योगिक विकास का प्रमुख आधार बनाना चाहता है और इस तरह से वह अपना वर्चस्व कायम करने के लिए योजनावद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है।

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

174वां बादशाह मेला धूमधाम से मनाया, गुलाल रूपी खर्ची लेने उमड़े लोग

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के महिला, पुरुष और बच्चों ने मस्ती के साथ मेले का आनंद लिया

ब्यावर, (निसं)। शहर का ऐतिहासिक और पर्यटक 174 वां बादशाह मेला धूमधाम से मनाया गया। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के महिआ, पुरुष और बच्चों ने पूरी मस्ती के साथ मेले का आनंद लिया। मेला संयोजक सतीश शर्मा के निर्देशन में सभी व्यवस्थाएं पूर्ण रूप से आकर्षक रही।

बादशाह की बोली स्थानीय बंशी भवन में लगाई गई, जिसमें चंद्रशेखर उर्फ़ चंदू अग्रवाल बादशाह बने। बादशाह के वज़ीर गुलाब चंद अग्रवाल और बीरबल मुकेश उपाध्याय बने। वहीं दोपहर भैरू जी के खेजड़े पर ठंडाई वितरण का कार्यक्रम हुआ और सवा तीन बजे बादशाह की सवारी प्रारम्भ हुई। सवारी पांच बत्ती, महादेव जी की छतरी, अजमेरी गेट होते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुँची जहाँ बादशाह और प्रशासन के मध्य जमकर गुलाल युद्ध चला। रात्रि सवा आठ बजे कलेक्टर परिसर में ही कलेक्टर को नगर विकास हेतु फरमान ज़ारी किया गया जिसे कलेक्टर महेंद्र खड़गावत द्वारा स्वीकार करते हुए पालना हेतु आश्वासन दिया। रात्रि आठ बजकर पेंतालिस मीनिट पर सवारी नगर परिषद मार्ग स्थित अग्रसेन भवन पहुंची। सवारी प्रारम्भ होने से पूर्व लोहरान चौपड़ पर जीनगर समाज द्वारा कोड़ामार होली खेली जाती है जिसमें रंगों से भरे बड़े कड़ाह से रंग लेकर देवर अपनी भाभी पर रंग डालने का प्रयास करते हैं और बदले में भाभी उन्हें कपड़े से बने कोड़े से मारती हुई बचने का प्रयास करती है।

ब्यावर के बादशाह मेले का महिला-पुरुषों सहित बच्चों ने जमकर आनंद लिया।

> **सन् 1851 से नगर में प्रारम्भ हुआ यह मेला सभी समुदाय के लोगों का त्यौहार है**

भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में मुगलों का शासन काल वैसे तो काल युग कहलाता रहा है लेकिन अकबर बादशाह के समय में उनके नवरत्नों में से एक टोडरमल अग्रवाल को ढाई दिन की बादशाहत मिलने की याद को ताजा करने के उद्देश्य से धूलण्डी के दूसरे दिन ब्यावर नगर में मनाया जाने वाला ऐतिहासिक व कौमी एकता का प्रतीक यह मेला प्रतिवर्ष हर्षोल्लास से जनसहयोग द्वारा अग्रवाल समाज में तत्वाधान में मनाया जाता है। सन् 1851 से नगर में प्रारम्भ हुआ यह मेला सभी समुदाय के लोगों का एक ऐस त्यौहार है, जिसमें बादशाह को सजाने संवारने का कार्य माहेश्वरी समाज के बंधु करते है।

भांगयुक्त ठंडाई बनाने का कार्य जैन समाज के निर्देशन में उनका सेवक करता है तथा इसका विरतण नगर के प्रमुख बाजारों में प्रसाद के रूप में किया जाता है। प्रसिद्ध बादशाह मेले में बादशाह द्वारा लुटाई जाने वाली गुलाल को "बादशाह खर्बो दें" के नाम से सोने की अशर्फियों की तहर नगर के लोग लूटने को तत्पर दिखाई देते हैं। ऐसी मान्यता है कि वह अपनी तिजोरी व दुकान के गल्ले में इस आशय के साथ रखते हैं कि उनके कारोबार में वृद्धि के लिए यह लाभकारी हैं तथा यह माना जाता है कि इसे रखने से खजाना कभी खाली नहीं होता। ब्यावर से लगभग 100-150 किलोमीटर आस-पास के क्षेत्रों विशेषकर ग्रामीण अंचलों के लोग समूह में ढोल-चंग की थाप पर होली के मधुर गीतों के साथ नाचते गाते मेले की शोभा बढ़ाते है। नगर का मुख्य बाजार हजारों लोगों की उपस्थिति में गुलालमय हो जाता है। सैकड़ों मण लाल रंग गुलाल की चादर नगर की सड़कों पर बिछ जाती है। सभी एक दूसरे पर गुलाल लगाकर खुशी का इजहार करते हैं। नगर की महिलाएं एवं बच्चे सम्पूर्ण बाजार की छतों पर बैठकर इन मनोहारी दृश्यों का आनन्द लेते हैं। सुहानी शाम से प्रारम्भ हुआ यह मेला शाम तक चलता है।

नगर के प्रशासनिक अधिकारी कार्यालय परिसर में जिला कलेक्टर से गुलाल खेलते है व नगर विकास का आदेश देते हैं। तदन्तर जिला कलेक्टर बादशाह का सम्मान करते हुए राजकीय कोष से बीरबल को नारियल व मुद्रा के रूप में नजराना पेश करते हैं। यह आदेश ब्यावर के संस्थापक कर्नल डिक्सन के समय से प्रभावी है। इस मेले की महत्ता को देखते हुए राजस्थान पर्यटन विभाग ने पर्यटक मेले के रूप में मान्यता दे रखा है।

बीकानेर स्टेशन से समय से पहले निकली ट्रेन

बीकानेर, (निसं)। यहां रेलवे स्टेशन से एक ट्रेन अपने निर्धारित समय से पहले रवाना हो गई। बीकानेर से शिरडी साईनगर की ओर जाने वाली इस ट्रेन का समय दोपहर 13.30 बजे था लेकिन ये 12.10 पर ही बीकानेर स्टेशन से निकल गई। हालांकि, रेलवे ने इसके लिए यात्रियों को सूचना भी दी लेकिन ये सूचना भी 11.26 बजे मिली। इस मैसेज के बाद यात्रियों को स्टेशन पहुंचने के लिए महज पौन घंटा मिला। इस मुद्दे पर पक्ष लेने के लिए रेलवे प्रवक्ता शशि किरण को कॉल किया गया, लेकिन उन्होंने रिस्पोंस नहीं दिया। वहीं स्थानीय अधिकारियों ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

जानकारी के अनुसार ऐसा कभी नहीं होता कि कोई रेल समय से पहले अपने स्टेशन से रवाना हो जाए। आमतौर पर रेल समय से पहले कई बार पहुंच जाती है, लेकिन रवाना अपने समय पर ही हो सकती है। शिड्यूल में अचानक परिवर्तन के कारण उन सभी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, जिन्होंने इस ट्रेन के लिए आईआरसीटीसी से ऑनलाइन टिकट बनवाया था। यात्रियों का कहना है कि रेल निकलने के बाद किसी तरह का रिफंड आईआरसीटीसी नहीं देता। ऐसे में वो इसके लिए क्लेम भी नहीं कर पा रहे हैं। बीकानेर से जयपुर के लिए ही एक हजार रुपए से अधिक का खर्च आता है। ऐसे में यात्रियों को इस रिफंड के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ सकती है।

बीकानेर से शिरडी तक जाने वाली ट्रेन का समय 12.10 ही था लेकिन इसका शिड्यूल हाल ही में बदल दिया गया। इसी बदले हुए शिड्यूल के आधार पर ऑनलाइन टिकट जारी कर दिए। उधर, रेलवे ने बदले हुए शिड्यूल को आगे बढ़ा दिया, यानी फिलहाल पुराने समय पर ही रेल चलाने का निर्णय कर लिया।

इसी रेल में बीकानेर से जयपुर जाने के लिए डॉ. पूर्वा ने भी टिकट बनाया। उसे 11.26 बजे मोबाइल पर मैसेज मिला कि उसकी रेल का समय रि-शिड्यूल किया गया है। लिंक पर जाकर देखा तो समय 12.10 बताया गया। डॉ. पूर्वा ने ये मैसेज ही सवा बारह बजे देखा था। सभी साइट्स देखने पर इस रेल का अलग-अलग समय बताया गया। उसे जयपुर में अर्जेंट काम के कारण फिर पर्सनल कार से परिचित के साथ जाना पड़ा।

राशिफल रविवार 16 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, हस्त नक्षत्र दिन 11:45 तक, वृद्धि योग दिन 2:48 तक, गर करण सायं 4:59 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 1:15 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 11:45 तक है। द्विपुष्कर योग दिन 11:45 से सायं 4:59 तक है। राजयोग दिन 11:45 से सूर्योदय तक है। आज बुध अस्त पश्चिम में रात्रि 12:04 तक होगा। आज भाईदोज और कमलदान पूजा, चित्रगुप्त पूजा और सन्त तुकाराम जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर दिन 8:08 से 9:37 तक, लाभ-अमृत 9:37 से 12:36 तक, शुभ 2:05 से 3:34 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:34, सूर्यास्त 6:32

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृष

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

मिथुन

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। शुभ-मांगलिक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

सिंह

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि का भय है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

तुला

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज पारिवारिक मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृश्चिक

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

धनु

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

आमजन होली पर लें अंत्योदय का संकल्प : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत की संस्कृति की दुनिया में विशिष्ट पहचान है। हमारे ऋषि-महर्षियों ने गौरवशाली संस्कृति को मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि होली का पर्व खुशी एवं उल्लास का प्रतीक है। रंगों के त्योहार पर सभी अपने गिले शिकवे भुलाकर होली के रंग में रंग जाते है। रंगों के साथ राजस्थान का लगाव भी बहुत गहरा है। हमारे प्रदेश को तो रंग रंगीलो राजस्थान कहा जाता है।

- **सांगानेर में होली मिलन समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाग लिया**

शर्मा गुरूवार को सांगानेर क्षेत्र स्थित गार्डन में होली मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां उपस्थित जनसमूह के ऊपर फूलों की बारिश कर हर्षोल्लास के साथ रंगों के त्योहार को मनाया और आत्मीयता के साथ मुलाकात की। चंग की थाप और फूलों की बौछार के बीच पूरा माहौल रंगों और खुशियों से सरोबार नजर आया। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार हर नागरिक के कल्याण और प्रदेश के हर क्षेत्र का विकास करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमने बजट में सभी 200 विधानसभाओं के विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं। राजस्थान में 5 हजार गांवों को गरीब मुक्त बनाया जाएगा। इसके लिए 300 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि होली के पावन पर्व पर हमें समाज में अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति के कल्याण के लिए दृढ़ संकल्प लेना चाहिए, जिससे विकसित राजस्थान का संकल्प पूरा हो। शर्मा ने कहा कि सांगानेर के लिए भी पिछले साल बजट में अनेक घोषणाएं की थीं, जिनकी क्रियान्वित तेजी से हो रही है। उन्होंने कहा कि रिद्धि-सिद्धि चौराहे पर एलिवेटेड रोड का निर्माण करवाया जाएगा। साथ ही, सांगानेर क्षेत्र को जयपुर मेट्रो सेवा से जोड़ना, प्रतापनगर आवासीय योजना और मानसरोवर आवासीय योजना भी प्रस्तावित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों से अभूतपूर्व बदलाव हुआ है। जन-मानस ने सीमा सुरक्षा, विकास की योजनाएं तथा दुनिया में भारत के बढ़ते हुए गौरव को महसूस किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश में विकास और विरासत दोनों को आगे ले जाने का काम कर रहे है।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर और उपमहापौर पुनीत कर्णावट, जयपुर भाजपा जिला अध्यक्ष अमित गोयल, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश तिवाड़ी सहित जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने आमजन के साथ खेली होली

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को उनके निवास पर आम लोगों के साथ होली खेली। इस दौरान बच्चों ने भी उन्हें रंग लगाया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर होली का पर्व बड़े हर्षोल्लास से मनाया। शर्मा ने इस दौरान बड़ी संख्या में आए आमजन से आत्मीय मुलाकात कर फूलों व प्राकृतिक रंगों से होली खेली। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह में लोक कलाकारों ने ब्रज की विभिन्न संस्कृतियों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली के पर्व की बधाई देते हुए कहा कि रंगों का यह पर्व बेहद ही निराला है, हमें आपसी कटुता को भुलाते हुए एक-दूसरे को गले लगाने की सीख देता है। साथ ही, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। शर्मा ने युवा, किसान, महिला और मजदूर सहित पूरे प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की धर्मपत्नी गीता शर्मा भी मौजूद रहीं।

मुख्यमंत्री ने होली पूजन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। शर्मा ने परिवारजनों के साथ यहां श्री राज राजेश्वरी मंदिर प्रागंण में विधिवत् रूप से होली पूजन किया। उसके बाद मंत्रोच्चार के बीच होलिका दहन किया गया। इस दौरान राजस्थान पुलिस की 4 आरएसी बटालियन के जवानों ने चंग की थाप पर होली के गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। होलिका दहन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा में श्रीनाथजी के दर्शन किए

डीग/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को होली के पावन अवसर पर डीग स्थित पूंछरी का लौठा धाम पहुंचे तथा श्रीनाथ जी मंदिर में दर्शन किए। शर्मा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस दौरान शर्मा ने पूँछरी का लौठा में मुकुट मुखारबिंद पर श्रीगिरिराज जी का दुग्धाभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं और परिक्रमार्थियों पर पुष्प वर्षा कर फूलों की होली खेली, चंग की थाप पर सभी दर्शनार्थी उमंग और उत्साह से भर उठे तथा हर्षोल्लास से इस त्यौहार को मनाया। इस अवसर पर साधु संतों ने शर्मा का साफा बांधकर स्वागत किया। होली महोत्सव में श्रीनाथ जी मंदिर कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा मयूर नृत्य सहित विभिन्न मनमोहक प्रस्तुतियां पेश की गई। जिसको देखकर हर कोई श्री कृष्ण की भक्ति में झूमता नजर आया।

इस दौरान गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ शैलेश सिंह, वैर विधायक बहादुर सिंह कोली, संभागीय आयुक्त भरतपुर डॉ अमित यादव, भरतपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने राज्यपाल से मुलाकात की

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और राज्य सभा सांसद मदन राठौड़ ने राज भवन में मुलाकात की। देवनानी ने राज्यपाल को विधान सभा में गत एक वर्ष में किए गए नवाचारों पर आधारित "नवाचारों का एक वर्ष" पुस्तक की प्रति भेंट की। देवनानी ने राज्यपाल को बताया कि राजस्थान विधानसभा में कार्य प्रणाली को नया स्वरूप देने के साथ ही सनातन संस्कृति के अनुरूप डायरी और कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है।

बागडे ने प्रकाशन के लिए देवनानी को बधाई देते हुए कहा कि लोकतंत्र के पवित्र स्थल विधानसभा की कार्य प्रणाली का ऑनलाइन संचालन करने, समय सीमा में प्रश्नों के जवाब मंगाने, सर्व दलीय बैठक के आयोजन के साथ सदन के प्रभावी संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष द्वारा किए गए नवाचार अन्य विधानसभाओं के लिए प्रेरणादायी है।

राज्य सभा सांसद मदन राठौड़ ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को उनके द्वारा किए गए नवाचारों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि राजस्थान विधानसभा देश के विधान मंडलों में सर्वश्रेष्ठ विधानसभा बनने की ओर अग्रसर है।

जयपुर में खंडहरनुमा प्लाट में फंदे से लटके मिले युवक-युवती

- **विधायकपुरी थाना इलाके में फंदे से लटके युवक-युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई**

जयपुर। विधायकपुरी थाना इलाके में एक खंडहरनुमा प्लाट में शनिवार दोपहर को फंदे से लटके युवक-युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फंदे से दोनों शवों को उतार कर एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं पुलिस ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी टीम की मदद से सबूत जुटाए है। पुलिस की प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि दोनों शवों से कुछ ही दूरी पर एक बैग भी रखा मिला है। बैग में उनके कपड़े सहित ट्रेन टिकट भी मिला है। जिससे पता चला है कि 13 मार्च की दोपहर ट्रेन से वह दोनों अजमेर से जयपुर आए थे और दोनों का ही अपने घरों से भागकर आना प्रतीत होना है। फिलहाल मामले की जांच पडताल की जा रही है और दोनों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। उनके आने के बाद ही पोस्टमार्टम किया जाएगा।

थानाधिकारी बनवारी लाल मीना ने बताया कि थाना इलाके के अजमेर पुलिया के पास एक प्लाट में कुछ खंडहरनुमा कमरे बने हुए है। जहां पहले बिजली विभाग का गोदाम था। शनिवार दोपहर को खाली पड़े खंडहर में कचरा बीनने लड़का गया था। जहां कचरा बीनते समय उसे खंडहरनुमा गोदाम के अंदर फंदे से युवक-युवती लटके दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका-मुवायना करने के बाद एफएसएल टीम को बुलाकर मौके से सबूत जुटाए। जिसके बाद दोनों शवों को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस की प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि दोनों मृतक की उम्र 25-30 के बीच में है। जिन्होंने खंडहरनुमा प्लाट में बने गोदाम में लगे टीन शेड से चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या की है।

बैग में मिले दस्तावेजों के आधार उनकी पहचान बदायूं यूपी निवासी 22 वर्षीय रेणु विश्वास और 25 वर्षीय नीरज निवासी नरहेडा पटौती हरियाणा के रूप में हुई है।

जयपुर में कार्यकर्ताओं के साथ डॉ. सतीश पूनिया ने मनाई होली

जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने प्रदेशभर से पधारे पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ गुलाल लगाकर होली की रामा-श्यामा की।

सतीश पूनिया ने 14 मार्च को होली के पावन पर जयपुर में राणी सती नगर स्थित अपने जनसंवाद केंद्र पर सुबह से लेकर दोपहर तक जयपुर से लेकर प्रदेशभर से पधारे पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ गुलाल लगाकर होली खेली एवं मिठाई खिलाकर होली की रामा-श्यामा की। जन संवाद केंद्र पर पार्टी कार्यकर्ताओं-आमजन के लिए मिठाई एवं जलपान की व्यवस्था रही।

वहीं 15 मार्च को सतीश पूनिया ने जन संवाद केंद्र पर सुबह से लेकर दोपहर तक प्रदेश के शेखावाटी, मारवाड़, मेवाड़, ब्रज क्षेत्र से पधारे हजारों कार्यकर्ताओं के साथ होली की राम-राम की एवं जनसुनवाई कर संबंधित अधिकारियों को समाधान के लिए आग्रह किया।

असिस्टेंट प्रोफेसर के बर्खास्तगी आदेश को हाईकोर्ट ने सही माना

जयपुर। हाईकोर्ट ने एमएनआईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर की बर्खास्तगी आदेश को सही मानते हुए इसे चुनौती देते हुए दायर याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश डॉ. एसएस स्वैन की याचिका को खारिज करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि भर्ती में छूट को लेकर कोई प्रावधान नहीं था। इसके चलते बिना पीएचडी वाले अभ्यर्थियों ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए आवेदन नहीं किया। ऐसे में यदि याचिकाकर्ता को कोई छूट दी गई तो वह समानता के अधिकार के खिलाफ होगी।

याचिका में कहा गया कि असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2022 को लेकर आवेदन मांगे गए थे। जिसमें आवेदन की अंतिम तिथि तक संबंधित विषय में पीएचडी होना जरूरी था। याचिकाकर्ता ने आवेदन किया और उसका साक्षात्कार लेने के बाद उसे 14 फरवरी, 2024 को नियुक्ति दे दी। वहीं बाद में उसे पीएचडी की डिग्री की गलत तिथि बताने को लेकर नोटिस दिया गया। इसके बाद 7 सितंबर, 2024 को उसकी नियुक्ति रद्द कर दी गई।

कला मेले के पोस्टर का विमोचन

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और शासन सचिव रवि जैन ने 24वें कला मेले के पोस्टर का विमोचन किया।

जयपुर। राजस्थान ललित कला अकादमी एवं जवाहर कला केन्द्र की सहभागिता में 19 से 23 मार्च को जवाहर कला केन्द्र के शिल्पग्राम में 24वें कला मेले का आयोजन किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री एवं कला साहित्य, संस्कृति, पर्यटन विभाग की मंत्री दिया कुमारी और कला साहित्य संस्कृति विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर डॉ. नाथूलाल वर्मा (कला मेला संयोंजक), डॉ. राजेंद्र प्रसाद, श्री विनय शर्मा, श्री मनीष शर्मा, डॉ. जे. पी. मीणा, संगीता सिंह एवं महेंद्र मंडावरिया मौजूद रहे।

अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि 24वें कला मेले में 110 से अधिक स्टॉल्स पर राजस्थान समेत विभिन्न प्रदेशों के कलाकार अपनी कलाकृतियां प्रदर्शित करेंगे। पाँच दिवसीय आयोजन में लोक कलाओं की प्रस्तुति, आर्ट इंस्टालेशन व अन्य कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। कला मेले में एग्जीबिशन, फिल्म स्क्रीनिंग और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे।

घुमन्तू परिवारों के 153 लोगों को मिले वोटर आईडी कार्ड

जयपुर। सांगानेर के बी टू बाईपास स्थित कालबेलिया, नट एवं बावरिया बस्ती में राज्य सरकार द्वारा दस्तावेजीकरण अभियान के तहत बनाए गए मतदाता पहचान पत्रों का वितरण किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के घुमन्तू जाति उत्थान, न्यास के तत्वाधान में चलाए जा रहे दस्तावेजीकरण अभियान के अन्तर्गत बस्तियों का सर्वे कर घुमन्तू जाति के लोगों के आधार कार्ड, राशनकार्ड, मतदाता पहचान पत्र सहित जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है। शनिवार को टोंक रोड सांगानेर स्थित श्री राममंदिर नगर में रह रहे घुमन्तू जाति के लोगों को मतदाता पहचान पत्रों का वितरण किया गया। इस अवसर पर सांगानेर एसडीएम हिम्मत सिंह द्वारा 153 वोटर आईडी प्रदान कर बस्ती के लोगों को मतदान का अधिकार प्रदान किया गया। पिछले कई दशकों से मतदान के अधिकार से वंचित लोगों ने मतदाता पहचान पत्र मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए आभार जताया। सांगानेर महानगर घमन्तू कार्य संयोजक महेश कुमार वर्मा ने बताया घुमंतू जाति उत्थान न्यास द्वारा जयपुर महानगर की घुमन्तू बस्तियों में दस्तावेजीकरण अभियान कार्य चलाया जा रहा है।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार छात्र की मौत

जयपुर। एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इससे स्कूटी सवार छात्र की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। मामले की जांच दुर्घटना थाना पूर्व कर रहा है।

पुलिस के अनुसार बूंदी निवासी श्रेयांस होली की अलसुबह स्कूटी से गोविंददेवजी के दर्शन करने जा रहा था। महल रोड पर खाटूश्याम मंदिर के पास कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे श्रेयांस और उसका साथी घायल हो गया। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां पर श्रेयांस की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि श्रेयांस जयपुर में पढ़ाई कर रहा था। वह होली की सुबह गोविंददेवजी के मंगला आरती के दर्शन करने के लिए एक्टिवा से अपने दोस्त अभिनव के साथ निकला था। एक्टिवा श्रेयांस चला रहा था। सुबह 5 बजे खाटूश्याम मंदिर के आगे सामने से गलत दिशा से आई तेज कार ने एक्टिवा को टक्कर मार दी।

मोबाइल लूटा

जयपुर। करधनी थाना इलाके में बाइक पर आए नकाबपोश बदमाशों ने मदद करने के बहाने युवक को बाइक पर बैठाया और फिर सुनसान जगह मारपीट कर मोबाइल लूट लूट लिया।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारियों का जायजा लिया निगम उपायुक्त ने

जयपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए हेरिटेज निगम के सभी अधिकारी लगातार फील्ड में सक्रिय नजर आ रहे है। धुलंडी के दूसरे दिन निगम आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर जोन उपायुक्त ने क्षेत्र में दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान जिन वार्डो में पिछले कई समय से कचरा नहीं उठाने की शिकायत आ रही थी, उन वार्डों में जाकर सफाई व्यवस्था सुदृढ कराई। साथ ही सड़क पर कचरा फेंकने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की। आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर अधिकारी लगातार फिल्ड निरीक्षण कर रहे है। सभी मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक और स्वास्थ्य निरीक्षक को भी वार्डों में सफाई रखने के लिए पाबंद किया है। कुछ जगहों पर सफाई होने के बाद आमजन कचरा फेंक रहे है। उन्हें चिन्हित कर कार्रवाई के लिए निर्देश दिए है। स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान नगर निगम अधिकारी सड़क पर स्वच्छता को लेकर लगातार वॉच रखेंगे।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में बेहतरीन प्रदर्शन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और स्वास्थ्यवर्धक बनाया जा सके। वहीं, किशनपोल जोन उपायुक्त दिलीप बंबानी ने वार्ड 60,61,62,64,65, और 66 का गहन निरीक्षण किया।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए धुलंडी के दूसरे दिन निगम आयुक्त के निर्देश पर जोन उपायुक्त ने क्षेत्र में दौरा कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

ढूँढाड़ परिषद का धमाल सम्पन्न

जयपुर। ढूँढाड़ परिषद द्वारा 12 वा ढूँढाड़ की धमाल (फागोत्सव) जय क्लब में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन ढूँढाड़ परीषद के संस्थापक अध्यक्ष विजय पाल कुमावत ने ढूँढाड़ भाषा मे किया कार्यक्रम में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक हनुमान सहाय शर्मा गरिमा कुमावत ने गायन की प्रस्तुति दी औऱ ललित राणा एंड पार्टी ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, विधायक बालमुकुंदाचार्य, ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, भाजपा शहर अध्यक्ष अमित गोयल, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता, पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, सर्व ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गिरिराज गर्ग, भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री मुकेश पारीक, बार एसोसिएशन अध्यक्ष संदीप लुहाड़िया सहित जयपुर के लोग उपस्थित रहे साथ ढूँढाड़ के व्यंजनों का लुफ्त उठाया।

स्टंट करने से रोकना चालक को भारी पड़ा

जयपुर। अशोक नगर थाना इलाके में सरकारी वाहन के चालक को थार गाडी सवार युवकों को स्टंट करने पर टोकना भारी पड़ गया। कार सवार बदमाशों ने बैक लेकर सरकारी वाहन को टक्कर मार दी। इससे सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। चालक ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई।

पुलिस के अनुसार रानियावास जमवारामगढ़ निवासी मूलचंद ने मामला दर्ज करवाया कि वह निर्वाचन विभाग सचिवालय की गाड़ी चलाता है। वह 12 मार्च की रात को पृथ्वीराज सिंह रोड सेंट्रल पार्क के पास खड़ा था। इसी दौरान एक काली थार स्टंट करती आ रही थी। इस पर उसने कार सवार युवकों टोका तो बदमाशों ने कार बैक ली और सरकारी वाहन को टक्कर मार दी। सरकारी वाहन के खड़े चालक ने भाग कर अपनी जान बचाई। टक्कर मारने के बाद बदमाश थार लेकर फरार लेकर हो गए। पीड़ित ने वापस अपनी गाडी स्टार्ट करने का प्रयास किया तो बदमाशों ने उस पर थार चढ़ाने का प्रयास किया और फिर वहां से भाग निकले। पीड़ित ने थार के नंबरों के आधार पर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर नंबरों के आधार पर उसके मालिक का पता लगाने में जुटी है।

मोबाइल चोरी कर खाते से निकाले 1.60 लाख

जयपुर। करणी विहार थाना इलाके में बस में सफर करने के दौरान किसी ने युवक का मोबाइल पार कर लिया और फिर उसके खाते से 1.60 लाख रुपए निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार मीणावाला निवासी सोनू सांसी ने मामला दर्ज करवाया कि वह त्रिवेणी नगर से मीणावाला बस में सवार होकर जा रहा था। इसी दौरान किसी ने सिरसी पुलिया के आस-पास उसकी जेब से मोबाइल पार कर लिया। चोरी का पता लगने पर पीड़ित बस से उतरकर थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। इस दौरान बदमाशों ने उसके खाते से 1.60 लाख रुपए निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बदमाशों ने 37.50 लाख रुपये से भरे एटीएम को लूटा, सीसीटीवी में वारदात कैद

चोर एटीएम की 37.50 लाख रूपयों से भरी कैश ट्रे को गैस कटर से काटकर ले गए

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में एक बार फिर चोरों ने एटीएम को काट लिया है। चोर एटीएम की 37.50 लाख रूपयों से भरी कैश ट्रे को गैस कटर से काटकर अपने साथ ही ले गए। हड़बड़ी में कैश ट्रे से 100-100 के नोटों की पांच गड्डियां एटीएम में ही गिर गई।

जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब तीन बजकर 39 मिनट पर पुलिस को एटीएम की सिक्योरिटी कर रही कंपनी के प्रतिनिधि ने फोन पर सूचना दी कि उनके रोड नंबर तीन पर स्थित एसबीआई बैंक के एटीएम के साथ बदमाशों ने छेड़छाड़ की है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। तब तक बदमाश अपना काम निपटाकर जा चुके थे। पुलिस ने एटीएम के सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो उसमें एक नकाबपोश युवक कैमरों पर स्प्रे करता हुआ नजर आ रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह वारदात रात को करीब तीन बजकर 11 मिनट के आस-पास हुई है। बदमाशों ने सबसे पहले एटीएम के कैमरों पर स्प्रे किया। इसके बाद गैस कटर से एटीएम को काटा और कैश ट्रे को अपने साथ ले गए। पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो उसमें एक सफेद रंग की संदिग्ध कार दिखाई दे रही है। पुलिस सभी सीसीटीवी कैमरों को खंगालकर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

एसबीआई बैंक के एटीएम में हुई लूट की वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई।

शहर कोतवाल नारायण सिंह ने बताया कि मौके पर एमओबी, एफएसएल और डॉग स्कवायड टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। बदमाश एटीएम को काटकर जो कैश ट्रे लेकर गए हैं, उसमें करीब साढ़े 37 लाख रूपए थे। बैंक अधिकारियों ने जब एटीएम में कैश की स्थिति की पड़ताल की तो यह जानकारी सामने आई। जानकारी के मुताबिक 13 मार्च को दोपहर एक बजे इस मशीन में कैश डाला गया था। इसके बाद इस एटीएम मशीन में कैश 39 लाख रूपए से ज्यादा हो गया था। दो दिनों में, यानि कि 15 मार्च को रात तीन बजे तक इस मशीन से केवल एक लाख रूपए की कैश एटीएम कार्ड के जरिए विड्रॉल किया गया था, जिस समय बदमाशों ने एटीएम मशीन को काटकर कैश ट्रे निकाला। उस समय एटीएम में 38 लाख रूपए से ज्यादा का कैश था। ये सारे पैसे 500 और 100 के नोट थे। गैस कटर से काटते वक्त दो 100-100 के नोट की गड्डी जल भी गई, जिसे बदमाश मौके पर ही पटक गए। वहीं ट्रे को निकालते वक्त 100-100 के नोट की तीन गड्डी एटीएम मशीन के अंदर ही फंस गई, जिसे भी बदमाश वहीं छोड़ गए। इस मामले में पुलिस मशीन में कैश डालने वाली कंपनी के कर्मचारियों से पूछताछ कर रही हैं। वहीं इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जिससे लगभग यह साफ हो गया है कि जिस संदिग्ध सफेद कलर की गाड़ी

- मौके पर एमओबी, एफएसएल और डॉग स्कवायड टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए

पर पुलिस ने रडार पर लिया है। उसी में एटीएम लूटने वाले बदमाश आए थे। वारदात करने के बाद उसी में फरार हो गए। एटीएम मशीन के सामने एक दुकान पर लगे फुटेज में नजर आ रहा है कि यह कार गुढ़ा मोड़ की तरफ से आई और अचानक एटीएम के आगे टर्न करते हुए एटीएम के सामने खड़ी हो गई। करीब 11-12 मिनट तक खड़े रहने के बाद कार बगड़ रोड की तरफ चली गई। जिस दौरान कार एटीएम के सामने खड़ी थी। उसी वक्त एटीएम में गैस कटर से मशीन को काटकर नगदी उड़ाई गई है।

नारायण सिंह, शहर कोतवाल, झुंझुनूं का कहना है कि पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गए थे। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। मेवाती गैंग होने का अंदेशा है। पैसा कितना गया है, यह तो बैंक से स्टेटमेन्ट मांगा है। उसके बाद ही बता पाएंगे, लेकिन आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की कोशिश रहेगी।

युवक से ठगी के जरिये एक करोड़ से अधिक की उगाही

दौसा, (निसं)। जिले में एक शिक्षित बेरोजगार युवक से ठगी और धमकियों के जरिये एक करोड़ रुपये से अधिक की उगाही का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराने के बाद भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो एसपी से गुहार लगाई है। पीड़ित ने पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी से कराने की मांग की है।

पीड़ित अभिमन्यु सिंह गुर्जर, निवासी गुर्जर मोहल्ला दौसा खुर्द, वर्ष 2016 में जयपुर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था, जहां उसकी दोस्ती सुशील गुर्जर से हुई। दोनों के बीच नजदीकी बढ़ी और वित्तीय लेनदेन शुरू हुआ। पहले छोटे-छोटे कर्ज लेकर समय पर चुकता करने का सिलसिला चला, लेकिन जब बड़े लेनदेन की बात आई तो सुशील ने अपने पिता ओमप्रकाश और चाचा माधोसिंह को बीच में ला दिया। इसके बाद पीड़ित को ऊंची ब्याज दरों पर रकम देने के नाम पर फंसाया गया। पीड़ित ने 2019 से 2023 के बीच यूपीआई, नेट बैंकिंग और अन्य डिजिटल माध्यमों से 16

- कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराने के बाद भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो पीड़ित ने एसपी से गुहार लगाई

लाख 59 हजार 500 रुपये उधार लिए। शुरुआत में यह रकम एक रुपये सैकड़ा प्रतिमाह ब्याज पर तय हुई थी, लेकिन बाद में दबाव बनाकर ब्याज दर को 20 से 50 रुपये सैकड़ा तक बढ़ा दिया गया। आरोपियों ने पीड़ित से जबरन स्टाम्प पेपर और हस्ताक्षरशुदा चेक ले लिए। यहां तक कि उसकी पूरी चेकबुक तक अपने कब्जे में कर ली। दबाव बनाने के लिए मारपीट, हनीट्रैप, झूठे केस में फंसाने और परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित से अब तक 1 करोड़ 6 लाख 30 हजार रुपये वसूले जा चुके हैं। इनमें से 40 लाख रुपये नकद, 40 लाख 30 हजार रुपये नेट बैंकिंग के जरिए और 26 लाख रुपये फोन-पे और पेटीएम के माध्यम से आरोपी ले चुके हैं। इसके अलावा, स्कूटी, सोने की चेन, सोने की अंगूठी, स्मार्ट वॉच, ईयर बड्स और अन्य कीमती सामान भी आरोपियों ने छीन लिए। एक अन्य आरोपी अमित गुर्जर से पीड़ित ने 2 लाख 14 हजार रुपये उधार लिए थे, जिसके बदले उसने 3 लाख 59 हजार रुपये लौटा दिए, फिर भी आरोपी 2.90 लाख रुपये और मांग रहा है।

वहीं, भवानी सिंह गुर्जर ने पीड़ित की मजबूरी का फायदा उठाकर 6.42 लाख रुपये उधार दिए और धमकियों के जरिए अब तक 73 लाख 97 हजार 432 रुपये ऐंठ चुका है, साथ ही 7 लाख रुपये और मांग रहा है। आरोपियों की लगातार प्रताड़ना और धमकियों से परेशान होकर 3 अक्टूबर 2024 को पीड़ित आत्महत्या करने के लिए जटवाड़ा पुलिया पर चला गया, लेकिन समय रहते परिवारवालों ने उसे ढूंढ निकाला और घर ले आए। पीड़ित ने 27 जनवरी को कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया था, लेकिन पुलिस ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। ऐसे में उसने एसपी से गुहार लगाते हुए मामले की जांच सीआई, डीएसपी या एएसपी स्तर के अधिकारी से कराने की मांग की है।

हाईमास्ट लाइट से टकराई गाड़ी, पति-पत्नी समेत तीन घायल

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के पंचदेव मंदिर चौराहे पर लगी हाई मास्ट लाइट से टकराने पर एक गाड़ी में सवार पति-पत्नी समेत तीन जने घायल हो गए। वहीं गाड़ी भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों का झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसा सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है।

जानकारी के मुताबिक झुंझुनूं जिले के खेतड़ी उपखंड के रवां गांव के

- रवां का सुशील पत्नी और चचेरे भाई के साथ नागौर अपने ससुराल जा रहा था नींद की झपकी आने से हादसा हुआ

अंबेडकर कॉलोनी के रहने वाले 29 वर्षीय सुशील मेघवाल अपनी पत्नी लक्ष्मी और चचेरे भाई रिंकू के साथ होली का त्यौहार मनाने के बाद अपने ससुराल नागौर के डेगाना जा रहा था। वह रात को रवां गांव से करीब 10 बजे खुद ही अपनी गाड़ी चलाकर रवाना हुआ। झुंझुनूं शहर के पंचदेव चौराहे पर जब वह बारह बजकर पांच मिनट पर पहुंचा तो उसे नींद की झपकी आ गई। जिससे गाड़ी जाकर सड़क के बीचों बीच लगे हाई मास्ट लाइट के पोल से जा भिड़ी।

हादसे में कार के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

कुछ देर बाद वहां से गुजर रहे एक बाइक चालक ने 108 और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद गाड़ी से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। गाड़ी चला रहे सुशील और उसके भाई रिंकू के पैर में फ्रेक्चर आया है, जबकि सुशील की पत्नी लक्ष्मी गाड़ी में पीछे बैठी हुई थी, जिससे मामूली खरोंच आई है। सुशील और रिंकू का इलाज बीडीके अस्पताल में चल रहा है।

बताया जा रहा है कि रात को हादसा इतना तेज था कि गाड़ी के पोल से टकराते ही तेज आवाज हुई। वहीं गाड़ी के उपर लगा लगेज रैक भी टूटकर काफी दूर जाकर गिरा। सुशील अपनी पत्नी लक्ष्मी के साथ शादी के बाद पहली होली मनाने के बाद ससुराल जा रहा था। सुशील खुद ड्राइवर है, जो दिल्ली और एनसीआर इलाके में गाड़ी किराए पर चलाता है।

जैतसर के मिनी बैंक में 10 साल तक घोटाला

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के जैतसर कस्बे के 2 जीबी ग्राम सेवा सहकारी समिति के 3 जीबी मिनी बैंक में गबन की एक बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। अक्टूबर 2024 में जांच के दौरान सामने आई इस घटना में 8.97 करोड़ रुपए (89,40,17,84 रुपए) के गबन की घटना सामने आई। जांच में यह भी पाया गया कि इस गबन का सिलसिला पिछले 10 साल से लगातार चल रहा था, जो 2014 से 2024 तक जारी रहा।

जांच में यह खुलासा हुआ कि इस गबन के कारण कई परिवारों की जिंदगी बर्बाद हो गई। बकरी बेच कर, मेहनत-मजदूरी कर या अपनी जमा पूंजी बैंक में जमा करने वाले लोगों के पैसे अब गबन की चपेट में आ गए। 78 साल के बुजुर्ग, जिन्होंने अपनी रिटायरमेंट की रकम बैंक में जमा की थी, वह भी इस गबन का शिकार हो गए। जांच अधिकारियों के मुताबिक, गबन का मुख्य कारण मियादी जमाओं के खिलाफ अनियमित रूप से ऋण वितरण करना था। समिति कर्मचारियों ने जानबूझकर खाताधारकों की जमा पूंजी को गलत तरीके से ऋण के रूप में वितरित किया। कई मामलों में, मियादी जमा रसीदें मिनी बैंक के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं की गईं और कई खाताधारकों के नाम पर ऋण वितरित किए गए, जिनके पास मियादी जमा की कोई रसीद ही नहीं थी। इस जांच के दौरान, 444 खाताधारकों से जानकारी प्राप्त की गई, जिनकी कुल जमा पूंजी 9.75 करोड़ रुपए थी, लेकिन कुछ खाताधारक अभी भी अपनी जानकारी देने के लिए उपस्थित नहीं हो पाए हैं। जिसके कारण जांच अभी भी जारी है। गबन के इस मामले में समिति के प्रमुख अधिकारी, शाखा प्रबंधक, ऑडिट टीम और बैंक प्रबंधन समिति के निरीक्षकों को दोषी ठहराया गया है।

युवती से दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाया

सादुलपुर, (निसं)। सिद्धमुख थानांतर्गत एक 25 वर्षीय युवती के साथ जबरदस्ती बलात्कार करने तथा अश्लील वीडियो बनाकर जान से मारने की धमकी देने से परेशान होकर युवती ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली।

जानकारी में मामले में आरोप है कि आरोपी ने युवती का गला दबाकर मारने का भी प्रयास किया है तथा मुस्लिम धर्म परिवर्तन कर शादी करने का दवाब भी बनाने का आरोप है। पुलिस ने शनिवार दोपहर को पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक युवती के भाई ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि उसकी बड़ी बहन जिसकी उम्र 25 वर्ष है, जो राजस्थान बड़ौदा ग्रामीण बैंक में कार्यरत थी। आरोप है कि उसकी बहन के साथ एक मुस्लिम युवक ने 12 मार्च को अपने

- युवती ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की

घर ले जाकर जबरदस्ती बलात्कार किया तथा बीच बचाव करने का प्रयास किया तो आरोपी ने गला दबाकर मारने का प्रयास किया। आरोप लगाया कि आरोपी उसकी बहन को अपना धर्म हिंदू से बदलकर मुस्लिम धर्म बनाकर शादी करने का दवाब दिया और धमकी दी कि यदि किसी को बताया तो तेरे को वह तेरे परिवार को जान से मार दूंगा। दर्ज मामले में बताया कि आरोपी ने उसकी बहन को ब्लैकमेल करके अपने खाते से 85 हजार रुपए 3 मार्च को डलवाए और उसकी बहन को ब्लैकमेल करके बलात्कार किया।

दर्ज मामले में बताया कि राजीविका ऑफिस में आरोपी के भाई, अन्य जो उसके परिवार का ही था आए तथा दिन उसकी बहन को जातिसूचक गालियां देते हुए धमकी दी कि यदि आरोपी के विरुद्ध कोई कार्रवाई की या किसी को बताया तो तेरे को समाज में जीने लायक नहीं छोड़ेंगे तथा आरोपी द्वारा धमकी देने के कारण परेशान होकर तथा भयभीत होकर उसकी बहन ने आत्महत्या के लिए जहरीला पदार्थ निगल लिया। जैसे ही पता चला तो शुक्रवार रात्रि को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां से चिकित्सक गंभीर हालत होने के कारण बडे दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया तथा उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। दर्ज मामले में बताया कि उपचार के दौरान उसकी बहन ने आरोपी के बारे में तथा आपबीती घटना की जानकारी दी। तथा उसकी अश्लील वीडियो भी बनाई है।

स्मैक सहित महिला गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। मेहंदवास थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए महिला तस्कर नसीम पत्नी मुख्त्यार निवासी अम्बिका कॉलोनी गैस गोदाम के टोंक को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से 44.93 ग्राम शुद्ध स्मैक जब्त की है, जिसकी बाजार कीमत 10 लाख बताई जा रही है।

मेहंदवास थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने थाना टीम द्वारा एनएच-52 डारडा कट के पास टोंक की तरफ पैदल जाती एक महिला को पूछताछ के दौरान तथा महिला पुलिस ने उसकी चेकिंग की तो तस्कर महिला के पास एक बैग निकला जिसमें सफेद पाउडर जैसा पदार्थ मिला। उसकी जांच की तो वह स्मैक निकला।

सायबर क्राइम जेटीएफ की श्रीगंगानगर में पहली कार्रवाई

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में दर्ज साइबर फ्रॉड मामले से जुड़े आरोपियों की आयकर विभाग ने बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम के तहत बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने श्रीगंगानगर में दो और जयपुर में एक भूखंड को अस्थाई रूप से कुर्क किया है। ये भूखंड मलकीत सिंह के नाम पर हैं। मलकीत सिंह कैपमोर एफएक्स घोटाले के आरोपी करमजीत सिंह का पिता है। यह कार्रवाई साइबर अपराध पर जॉइंट टास्क फोर्स की 7 फरवरी को हुई पहली बैठक के बाद की गई है।

- कैपमोर एफएक्स घोटाले में आरोपी के पिता की तीन संपत्तियां अस्थाई तौर पर जब्त

साइबर अपराध एसपी, जयपुर द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर यह एक्शन लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया है कि 2022 में अजय आर्य, उसके पिता लाजपत राय आर्य और दीपक आर्य ने करमजीत सिंह के साथ मिलकर कर्नाटक के विजयपुर में कैपमोर एफएक्स कंपनी खोली। आरोपियों ने सोशल मीडिया पर टीचेबल टेक के नाम से फॉरेक्स ट्रेडिंग की ऑनलाइन ट्रेनिंग देना शुरू किया। आरोपियों ने फॉरेक्स ट्रेडिंग और क्रिप्टो करेंसी के नाम पर हजारों लोगों को पोंजी स्कीम में फंसाया। उन्होंने दोगुना-तिगुना रिटर्न का लालच दिया। शुरुआत में पैसे लौटाकर विश्वास जीता। फिर पीड़ितों से उनके परिवार और दोस्तों को भी स्कीम में लाने को कहा। आरोपियों के बैंक खातों से जुड़ी 76 हजार से ज्यादा साइबर फ्रॉड की शिकायतें मिली हैं। यह घोटाला हजारों करोड़ का हो सकता है। आरोपियों ने इस पैसे से खुद और परिवार के नाम पर संपत्तियां खरीदी। आरईआईसी जयपुर के तहत गठित जेटीएफ के संयोजक आयकर महानिदेशक (अन्वेषण) राजस्थान है। इसमें आयकर विभाग, ईडी, सीबीआई और राजस्थान पुलिस शामिल है। पुलिस की ओर से सीआईडी सीबी, एसओजी और डीजीपी साइबर क्राइम प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए ऐसी कार्रवाई की जा रही है।

युवक की मौत

आसींन्द, (निसं)। चैनपुरा, बदनोर थाना क्षेत्र के चैनपुरा गांव में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने युवक की हत्या का आरोप लगाया है, जिसके बाद ग्रामीणों ने विरोध-प्रदर्शन किया।

युवक का शव गांव के बाहरी इलाके में मिला। वहीं परिजनों का आरोप है कि युवक की हत्या की गई है। हत्या को लेकर ग्रामीणों ने घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। विरोध-प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने युवक के हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

Office of The Superintending Engineer, Water Resources Circle, Kota

क्रमांक-SE/WRC/e-NIB-06/2024-25/810-854 दिनांक-6.3.25

e-NIB No.- 06/2024-25

On behalf of the Governor of Rajasthan, e-Tender is invited from eligible contractors for the work(s) For Item No. 01 "Repair and Strengthening work of Padampura Talab G.P. Kaliyakheri Tehsil Ladpura District Kota"(Est. cost Rs. 129.52 Lacs) Item No. 02 "Repair and Restoration Work of Polaikalan Talab, G.P. Polaikalan, Tehsil Digod, District Kota" (Est. cost Rs. 123.83Lacs) for the period for 18 Months including Rainy season invited from interested bidders from 07.03.2025 (9:30 Hr) to 17.03.2025 till 18:00 Hr. Other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portalhttps://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in & www.waterrajasthan.gov.in.
NIB Code : WRD2425A0504
UBN No.:
Item No. 01 WRD2425WSOB01780
Item No. 01 WRD2425WSOB01781

DIPR/C/3484/2025

Superintending Engineer
Water Resources Circle, Kota

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवम् स्वास्थ्य, अजमेर
मृदंग सिनेमा के सामने, श्रीनगर रोड डिस्पेन्सरी के पास, पाल बीचला, अजमेर
दूरभाष नं.: 0145-2424944, ई-मेलः eemhajmer@ymail.com

क्रमांकः ई0 ई0/अजमेर/24-25/1853 दिनांकः 06/03/2025

निविदा सूचना संख्याः 37/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के राशि 220.90 लाख के तेईस (23) कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण की वेब साईट www.dipronline.org. http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN Number- 1. NRH2425WSOB02520, 2. NRH2425WSOB02521, 3. NRH2425WSOB02522 4. NRH2425WSOB02523, 5. NRH2425WSOB02524, 6. NRH2425WSOB02528, 7. NRH2425WSOB02529, 8. NRH2425WSOB02531, 9. NRH2425WSOB02532 10. NRH2425WSOB02533, 11. NRH2425WSOB02534, 12. NRH2425WSOB02535 13. NRH2425WSOB02536, 14. NRH2425WSOB02537, 15. NRH2425WSOB02538 16. NRH2425WSOB02539, 17. NRH2425WSOB02540, 18. NRH2425WSOB02541 19. NRH2425WSOB02542, 20. NRH2425WSOB02543,21. NRH2425WSOB02544 22. NRH2425WSOB02545, 23. NRH2425WSOB02546

DIPR/C/3558/2025

अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, अजमेर

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड भीनमाल
E-mail : eebhi.jal.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक-खण्ड/भीनमाल/निविदा/ /2024-25/3191-98 दिनांक-19/2/25

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 37-43/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु लोक निर्माण और वित्तीय नियम के पार्ट-4 बियम 334 (ए) (iii) के तहत रु. 150.00 लाख तक की निविदाओं हेतु केवल जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी दिमाग में पंजीकृत एवं इससे अधिक लागत की निविदाओं हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत निविदादाताओं हेतु नियमानुसार छूट के साथ एवं केन्द्र / राज्य सरकार के अधिकृत विभागों / संगठनों केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक, दूर संचार विभागों मे उपयुक्त समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से पूर्ण धरोहर राशि के साथ ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निम्न ऑनलाईन विड आमंत्रित की जाती है:-

बिड संख्या	NIB No.	अनुमानित लागत (लाखो में)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपये)	ई-प्रक्रिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
37/ 2024-25	PHE2425 WSRC10294	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
38/ 2024-25	PHE2425 WSRC10297	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
39/ 2024-25	PHE2425 WSRC10298	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
40/ 2024-25	PHE2425 WSRC10299	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
41/ 2024-25	PHE2425 WSRC10301	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
42/ 2024-25	PHE2425 WSRC10302	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
43/ 2024-25	PHE2425 WSRC10303	30.00	60000/-	1000/-	1000/-	12 माह
ऑनलाईन बिड उपलब्ध होने की तिथि				21.02.2025		
ऑनलाईन बिड डाउनलोड/अपलोड करने की अन्तिम तिथि				11.03.2025 को 6.00 पी.एम.		
ऑनलाईन बिड खोलने की तिथि				12.03.2025 को 2.00 पी.एम.		

बिड से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

(हेमन्त कुमार वैष्णव) अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड भीनमाल

DIPR/C/3542/2025

मधुमक्खियों के हमले से श्रमिक घायल

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह थाना क्षैत्र के हिंडोला का बास गांव में शनिवार को कृषि कार्य के दौरान मधुमक्खियों के हमले से आधा दर्जन श्रमिक घायल हो गये। घायलों को मालपुरा जिला अस्पताल में भर्ती करवाया।

घायल श्रमिकों के परिजनों ने बताया कि शनिवार को रामनारायण शर्मा के खेत में श्रमिक फसल कटाई का कार्य कर रहे थे। दोपहर में पेड़ के नीचे पानी पीने के दौरान मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। अचानक बड़ी तादात मे मधुमक्खियों के हमले की चपेट में आये श्रमिक जान बचाने के लिये तकरीबन आधा किलोमीटर से अधिक खेतों में दौड़ते रहे तो मधमक्खियां उन पर हमला बोलती रही। हादसे में श्रमिक माया पत्नि रामनारायण शर्मा, पिंकी पुत्री रामनारायण, गोरधन पुत्र रूपनारायण, सोना पुत्री सत्यनारायण, विमला पत्नि सत्यनारायण व छगन भील घायल हो गये। सूचना पर पहुंची 108 एम्बूलेंस की सहायता से घायलो को मालपुरा जिला अस्पताल में उपचार के लिये भर्ती करवाया गया। इसी प्रकार फेरी लगाकर कचरा चुन रहे कमलेश व सुनिता निवासी जिला अस्पताल के पिछे मालपुरा भी मधुमक्खियों के हमले से घायल हो गये।

अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई, 2.93 लाख का जुर्माना लगाया

ब्यावर, (निसं)। जिला कलेक्टर को प्राप्त शिकायत के आधार पर ग्राम सेंदड़ा के पास एनएच -25 ब्यावर-पिंडवाड़ा के दाहिनी तरफ हाइवे के किनारे पर तथा जयपुर-अहमदाबाद रेलवे लाइन के बीच में अवैध खनन के विरुद्ध प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की। जिला कलेक्टर महेंद्र खड़गावत के निर्देशानुसार राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर जांच कर अवैध खनन की पुष्टि की। जांच के दौरान मैसनरी स्टोन के अवैध खनन के ताजा

- 'अवैध खनन एवं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'

निशान मिले।

हालांकि मौके पर कोई मशीनरी नहीं पाई गई। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार, यह अवैध खनन खसरा संख्या 567/3 (गैर मु. दाती रकबा 17.156) पर स्थित सिवायचक भूमि में किया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि यह खनन भगवान सिंह पुत्र लक्ष्मणसिंह निवासी रामगढ़, तहसील रायपुर द्वारा किया गया था।

मौके पर अवैध कब्जे के तहत एक पक्का कमरा बना हुआ पाया गया।

कार्रवाई में 780 टन मैसनरी स्टोन का अवैध उत्खनन पाया गया। वहीं 2,93,000 रुपये की पेनल्टी आरोपित की गई। वहीं अवैध कब्जे के तहत एक पक्का कमरा बना हुआ पाया गया और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की सूचना तहसीलदार रायपुर को दी गई। खनिज विभाग द्वारा प्रकरण बनाकर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

जिला कलेक्टर महेंद्र खड़गावत ने स्पष्ट चेतावनी जारी करते हुए कहा कि अवैध खनन एवं सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति अवैध खनन में लिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध कानूनी प्रावधानों के तहत कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने आमजन से आग्रह किया है कि यदि उन्हें कहीं भी अवैध खनन या सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की जानकारी मिलती है, तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

बोलेरो ने लड़की को कुचला, आरोपी गिरफ्तार

पाटन, (निसं)। पटवार घर के सामने खड़ी एक लड़की को तेज रफ्तार से आ रही बोलेरो गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने नाकाबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार घायल लड़की पूजा सैनी, पुत्री राधेश्याम सैनी, निवासी दांतिल (जिला कोटपूतली-बहरोड़) अपने नाना भगवान सहाय सैनी के पास रहकर पढ़ाई कर रही थी। उसके नाना ने पाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें बताया कि नीमकाथाना की ओर से तेज रफ्तार में लहराती हुई एक बोलेरो आई और पूजा के ऊपर चढ़ा दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी चालक ने लड़की को मरा समझकर गाड़ी भगाने का प्रयास किया, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे रोकने की कोशिश की। हालांकि, वह मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने नाकाबंदी कर गाड़ी व चालक संजय पुत्र करतार सिंह यादव, गोविंद पुत्र महिपाल यादव, विरेन्द्र पुत्र सत्यवीर सिंह यादव निवासी मेघोत हाला तहसील नांगल चौधरी जिला महेन्द्रगढ हरियाणा को नाकाबंदी कर करजो के पास पकड़ लिया गया।

एसीबी छापेमारी में 100 प्लॉट्स के मालिक निकले अधीक्षण अभियंता जेडीए में यथावत पदस्थापित क्यों?

छापेमारी के 4 दिन बाद तक जेडीए प्रशासन ने उन्हें एपीओ तक नहीं किया है, जबकि ऐसे मामलों में सबसे पहले आरोपी को उसके पद से हटा कर एपीओ किया जाता है, मामला गंभीर होने पर निलंबन की कार्रवाई तक की जाती है।

- **एसीबी भी जांच कर रही है कि इंजीनियर अविनाश आखिर किस प्रकार बीते 11 साल से जेडीए के जोन 11 में टिका रहा और 100 करोड़ की संपत्ति बनाता रहा**

जयपुर (का. स.)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) में पदस्थापित अधीक्षण अभियंता (एसई) अविनाश शर्मा के पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई के बाद जेडीए प्रशासन ने अभी तक उन पर कोई कार्रवाई नहीं की है। वे अभी तक जोन 11 में अपने पद पर जमे हुए हैं। पद पर जमे होने की वजह से वे एसीबी के छापे को मैनेज करने में लगे हुए हैं। एसीबी की टीमों ने गत मंगलवार सुबह अविनाश शर्मा के सात ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की थी, जिसमें वे 100 प्लाटों के मालिक निकले। इन प्लाटों की कीमत 100 करोड़ रुपए से भी अधिक है।

एसीबी ने खुलासा किया था कि अधीक्षण अभियंता करोड़ों रुपए की संपत्ति का मालिक है। जयपुर में गोपालपुरा मोड़, मानसरोवर, सांगानेर, पृथ्वीराज नगर, जगतपुरा, प्रताप नगर एवं रिंग रोड के आस-पास करीब 25 कॉलोनियों में 100 से अधिक जमीनों को खरीदने और निर्माण करने पर करोड़ों रुपए खर्च करने की जानकारी मिली।

जेडीए प्रशासन ने अभी तक एसई अविनाश शर्मा के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। इस छापेमारी के चार दिन बाद तक जेडीए प्रशासन ने उन्हें एपीओ तक नहीं किया है, जबकि ऐसे मामलों में जेडीए सबसे पहले आरोपी को उसके पद से हटा कर एपीओ किया जाता है।

मामला गंभीर होने पर निलंबन की कार्रवाई तक की जाती है। इस 100 करोड़ के मालिक इंजीनियर एसई अविनाश 11 साल तक एक ही जोन में किस तरह टिका रहा और संपत्ति बनाता रहा उनकी भी एसीबी जांच कर रही है।

एसई अविनाश शर्मा के जोन में काम लेने वालों ने भी जम कर चांदी कूटी है। ठेकेदारों ने करोड़ों रुपए के ठेके लिए लेकिन उनकी क्वालिटी की जांच तक सही तरीके से नहीं की गई। बिल्डर, कॉलोनाजर और हाउसिंग सोसायटी को हुआ है जबकि इस एरिया में अभी तक ना तो सीवर लाइन और ना ही पानी की लाइनें डाली हुई है। सड़कों की क्वालिटी इस कदर खराब है कि छह महीने में ही सड़कें उधड़ गई। इनमें जगह-जगह गड्ढे हो गए।

सुनहरे सपने दिखा कर उन्हें अपनी स्कीमों में प्लाट व फ्लैट और विला बेचे हैं। जोन 11 के इलाके में अजमेर रोड पर महिन्द्रा सेज, जयसिंहपुरा, बगरुखुर्द, बालावाला, अचरावाला, अजयराजपुरा, कपूरावाला, डिग्गी रोड पर रोहिणी नगर तक का इलाका आता है। इनमें सबसे ज्यादा स्कीमें कोलोनाइजर्स ने जोन 11 में काटी है। इनमें स्कीमों और उसके आसपास दस प्रतिशत आबादी भी नहीं बसी है। इसके बावजूद सेक्टर रोड और जोनल प्लान की सड़कें तक बना दी जिसका सबसे बड़ा फायदा गई। बिल्डर, कॉलोनाजर और हाउसिंग सोसायटी को हुआ है जबकि इस एरिया में अभी तक ना तो सीवर लाइन और ना ही पानी की लाइनें डाली हुई है। सड़कों की क्वालिटी इस कदर खराब है कि छह महीने में ही सड़कें उधड़ गई। इनमें जगह-जगह गड्ढे हो गए।

होली सेलिब्रेशन पर जमकर थिरके स्पेशल बच्चे

मानसरोवर स्थित उमंग संस्थान में स्पेशल बच्चों ने डांस कर समूचे माहौल के होली के रंग में रंग दिया।

जयपुर। बॉलीवुड सिंगर रवीन्द्र उपाध्याय की लाइव परफॉर्मेंस पर स्पेशल बच्चों ने डांस कर समूचे माहौल के होली के रंग में रंग दिया।

मानसरोवर स्थित उमंग संस्थान में हुए होली सेलिब्रेशन में करीब 300 से अधिक स्पेशल बच्चों को चेहरे होली की मस्ती से खिले दिखे। इस मौके पर संस्थान प्रिंसीपल दीपक कालरा, संस्थान परिवार से जुड़े सोशल एन्टप्रेन्योर सुधीर माथुर ने स्पेशल बच्चों के संग होली पर्व की खुशियां बांटी।

इन बच्चों फूलों की होली से पूरे संस्थान को होली के उल्लास भर दिया। होलिया में उड़े ने गुलाल..., होली खेले रघुवीरा..., रंग बरसे भीगे चुनरवाली रंग बरसे...जैसे गीतों पर स्पेशल बच्चों ने जमकर डांस किया। अंत में सभी बच्चों को गुलाल का टीका लगाकर मिठाई वितरित की गई।

सार-समाचार

ग्राम पंचायत स्तर पर भी खुलेंगे सार्वजनिक पुस्तकालय

जयपुर। शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में शिक्षा संकुल में शनिवार को आयोजित राज्य पुस्तकालय समिति की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश में सार्वजनिक पुस्तकालयों के विकास एवं सुदृढीकरण हेतु राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता द्वारा दी जा रही सहायता के अन्तर्गत प्रदेश में अब ग्राम पंचायत स्तर पर भी सार्वजनिक पुस्तकालय शुरू किए जाने का अहम निर्णय लिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत प्रथम चरण में भरतपुर एवं जोधपुर जिलें मे 50-50 सार्वजनिक ग्राम पंचायत पुस्तकालय खोले जाने है, जो ग्राम पंचायत मुख्यालय पर सरकारी भवन में शुरू होंगे। इनमें 20 विद्यार्थियों के बैठने हेतु कम्प्यूटर व चरित्र निर्माण एवं कैरियर निर्देशन का साहित्य उपलब्ध करवाया जाएगा। बैठक मे उपस्थित राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान के महानिदेशक डॉ. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायत पुस्तकालयों का विस्तार कर अगले चरण में राजस्थान के सभी जिलों की ग्राम पंचायत स्तर तक इन्हें खोलने की योजना बनाई जायेगी।

राइजिंग राजस्थान एमओयू होल्डर्स के लिये प्रत्यक्ष आवंटन योजना जारी

जयपुर। "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024" के संदर्भ में राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादित करने वाले निवेशकों के लिए रीको द्वारा चिन्हित औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर औद्योगिक भूखंडों के प्रत्यक्ष आवंटन योजना जारी कर दी गई है। ऐसे उद्यमी जिन्होंने इस पॉलिसी के लागू होने की तिथि तक राज्य सरकार के साथ निवेश हेतु मैमोरेण्डम ऑफ अंडरस्टेडिंग (एमओयू) निष्पादित किया हो, वे इस योजना में आवेदन कर सकते हैं तथा ऑनलाइन आवेदन वाली दिनांक को, जिनकी राजस्थान के राजनिवेश पोर्टल पर भूमि आवंटन से संबंधित प्रार्थना लम्बित है। योग्य आवेदक रीको की वेबसाईट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इस योजना में 98 औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 6936 औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च है तथा ई-लॉटरी दिनांक 3 अप्रैल को प्रस्तावित है।

ग्लेनमार्क न्यूट्रिशन अवॉर्ड्स का समापन

जयपुर। ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी शाखा, ग्लेनमार्क फाउंडेशन ने ग्लेनमार्क न्यूट्रिशन अवॉर्ड्स के 5वें संस्करण का सफल समापन किया। यह कार्यक्रम हमारे प्रक्रिया साझेदार आईडीओबीआरओ, स्थिरता साझेदार यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया और ईको-सिस्टम साझेदार इंपैक्ट4न्यूट्रिशन के सहयोग से आयोजित किया गया। यह पहल कुपोषण के खिलाफ नवाचार, प्रभाव और स्थिरता के प्रति ग्लेनमार्क की प्रतिबद्धता को मजबूत करने का माध्यम रही। इस वर्ष पुरस्कारों को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें देशभर के 22 राज्यों के 168 जिलों से कुल 403 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। विजेताओं में रूरल एनजीओ कैटेगरी में बैकुंठपुर तरुण संघ, सुंदरबन, पश्चिम बंगाल, अर्बन एनजीओ कैटेगरी में स्नेह फाउंडेशन, पुणे, महाराष्ट्र व अन्य कैटेगरी में महावीर इंटरनेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट, जयपुर, राजस्थान रहे। इन तीनों संगठनों को अपने-अपने जिलों में परिवर्तनकारी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रत्येक को दो लाख रुपए का अनुदान दिया गया है।

मॉडल टाउन में दूषित पानी की सप्लाई से लोग परेशान

जयपुर। जगतपुरा रोड स्थित मॉडल टाउन के निवासी पिछले चार पांच दिनों से जलदाय विभाग द्वारा घरों में बदबूदार, दूषित पानी की सप्लाई से बेहद परेशान है। अनेक घरों में बच्चे से बुजुर्ग तक इस गंदे पानी के पीने से पेट की बीमारियों के शिकार हुए है। कई घरों में छत की टंकियां साफ़ करवाकर बाजार से टैंकर मंगवाकर पानी डलवाया है। मॉडल टाउन डी ब्लॉक के कई निवासियों ने जलदाय विभाग के अधिकारियों सहित राज्य सरकार के संपर्क पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई तथा मुख्य मंत्री और उच्चाधिकारियों को मेल भेजकर दूषित पानी की सप्लाई की जानकारी भेज कर तत्काल समस्या के निराकरण का अनुरोध किया मगर चार - पांच दिन बाद भी किसी अधिकारी ने लोगों की सुध बुध नहीं ली। मॉडल टाउन डी ब्लॉक निवासी वरिष्ठ पत्रकार बाल मुकुंद ओझा ने बताया जलदाय विभाग की लापरवाही और नाकामी से लोगों में भारी रोष व्याप्त है। ऐसा लगता है प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतज़ार कर रहा है।

शिव महापुराण कथा में सुनेंगे भगवान शिव के गूढ़ रहस्य

जयपुर। विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजन समिति के तत्वावधान में शिव महापुराण कथा का आयोजन अप्रैल के अंतिम सप्ताह में किया जा रहा है। आयोजन समिति के संयोजक राजन शर्मा एवं सचिव एडवोकेट अनिल संत ने बताया कि भगवान शिव के परम भक्त मध्यप्रदेश सीहोर के प्रसिद्ध कथा वाचक प्रदीप मिश्रा के श्री मुख से छोटी काशी जयपुर में सप्त दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के संयोजक राजन शर्मा ने बताया कि सप्त दिवसीय शिव महापुराण कथा में सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन स्कूल से 51 बग्गियों एवं तीन बैंड वादन पार्टियों के साथ 21 हजार महिलाएं राजस्थानी पारंपरिक पोशाक में सिर पर मंगल कलश धारण कर गंगा मैया के भजनों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर रोड पर अलग-अलग स्क्रीन लगाकर कलश यात्रा का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

वर्ष प्रतिपदा पर राजस्थान दिवस की घोषणा का स्वागत

जयपुर। नववर्ष समारोह समिति जयपुर ने हिन्दू नववर्ष (वर्ष प्रतिपदा) पर राजस्थान स्थापना दिवस मनाने के सरकार के निर्णय पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया है। नववर्ष समारोह समिति के प्रवक्ता महेन्द्र सिंहल ने कहा कि राजस्थान का गठन मुहूर्त के अनुसार वर्ष प्रतिपदा को हुआ था, जो संयोगवश 30 मार्च को पड़ा। लंबे समय से वर्ष प्रतिपदा को राजस्थान दिवस के रूप में मान्यता देने की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी हुई है। उन्होंने आ ान किया कि अब सभी मिलकर वर्ष प्रतिपदा को राजस्थान दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लें। अब तक 30 मार्च को मनाए जाने वाला राजस्थान दिवस सरकारी कार्यक्रम बनकर रह गया था, अब यह समाज का उत्सव बनेगा।

वृद्धाश्रम में मनाया होली का त्यौहार

जयपुर। आशीर्वाद वृद्धाश्रम में धूलंडी कार्यक्रम का आयोजन किया किया गया। जिसमें आश्रम में रह रहे सभी वृद्धजनों ने होली का त्यौहार हर्षोल्लास से मनाया गया। इसमें सभी वृद्धजनों ने एक दूसरे को गुलाल रंग लगाया और सभी होली के गानों पर डांस भी किया। वृद्धाश्रम के अध्यक्ष धीरज शर्मा ने बताया आशीर्वाद वृद्ध आश्रम में निशुल्क रहना खाना तथा मेडिसिन की सुविधा प्रदान की जाती है तथा सभी वृद्ध जनों के साथ सभी त्योहारों भी मनाये जाते हैं।

एकमुश्त समझौता योजना से भूमि विकास बैंकों को मिलेगी संजीवनी : दक

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा भूमि विकास बैंकों के ऋणों के लिए एकमुश्त समझौता योजना लाए जाने से किसानों और लघु उद्यिमयों को तो बड़ी राहत मिलेगी ही कमजोर आर्थिक स्थिति से जूझ रहे भूमि विकास बैंकों के लिए भी राज्य सरकार का यह कदम संजीवनी साबित होगा।

- **'760 करोड़ रुपये के अवधिपार ऋणों की वसूली होगी आसान'**
- **'मूल धन की राशि जमा करवाने पर अवधिपार ब्याज में मिलेगी शत प्रतिशत राहत'**

मंत्री ने बताया कि प्रदेश के सहकारी भूमि विकास बैंकों द्वारा किसानों और जरूरतमंद लघु उद्यमियों को दीर्घकालीन ऋणों के माध्यम से प्रदेश के कृषि और आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाई जाती रही है। लेकिन विगत कुछ वर्षों में विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण ऋणी किसानों द्वारा बैंक के ऋण की किश्तें नहीं चुकाई जा सकीं, जिसके परिणामस्वरूप इन बैंकों का अवधिपार ऋण लगभग 760 करोड़ रुपये हो गया। अब मुख्यमंत्री द्वारा एकमुश्त समझौता योजना लागू करने की घोषणा करते हुए इसके लिए 200 करोड़ रुपये का व्यय प्रस्तावित किया गया है, जिससे भूमि विकास बैंकों के ऋणों की वसूली आसान होगी और उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

दक ने कहा कि राज्य सरकार के 'सुराज संकल्प' में किसानों की भूमि नीलाम नहीं होने देने का प्रावधान है जिसके अंतर्गत भूमि विकास बैंकों द्वारा वसूली के लिए की जाने वाली नीलामी कार्यवाही को भी स्थगित किया हुआ है। उन्होंने कहा कि किसानों का यह वर्ग आशान्वित था कि राज्य सरकार उन्हें राहत देते हुए एकमुश्त समझौता योजना लागू करेगी। मुख्यमंत्री ने उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब देने के दौरान यह बड़ी घोषणा की है। सहकारिता मंत्री ने बताया कि इस घोषणा के तहत भूमि विकास बैंकों के 1 जुलाई, 2024 को अवधिपार हो चुके मध्यकालीन एवं दीर्घकालीन ऋण की मूल धन की 100 प्रतिशत राशि जमा करवाने पर अवधिपार ब्याज में 100 प्रतिशत की राहत दी जाएगी। सहकारिता मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री की इस घोषणा से प्रदेश के भूमि विकास बैंकों से जुड़े हुए 36,351 अवधिपार ऋणी सदस्यों को अवधिपार ब्याज में शत प्रतिशत राहत का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इसके परिणामस्वरूप उक्त ऋणी सदस्यों को नवीन कृषि और अकृषि गतिविधियों के लिए राज्य सरकार की 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना में ऋण दिया जाकर लाभान्वित किया जा सकेगा।

राजस्व अधिकारियों ने किया फसल खराबे का जायजा लिया

जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने भी कई इलाकों का किया निरीक्षण

जयपुर। जयपुर जिले के कई इलाकों में हुई ओलावृष्टि, बारिश एवं अंधड़ से फसलों को नुकसान हुआ है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर राजस्व अधिकारियों ने अपने क्षेत्र के खेतों में जाकर फसल खराबे से हुए नुकसान का जायजा लिया।

- **फसल बीमा कंपनियों से समन्वय स्थापित कर प्रभावितों को मदद पहुंचाने के दिये निर्देश**

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने आंधी के रामपुरा, सोनकोटड़ा, डागरवाड़ा सहित अन्य तहसीलों के प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने आंधी के रामपुरा, सोनकोटड़ा, डागरवाड़ा सहित अन्य तहसीलों के प्रभावित इलाकों का दौरा किया एवं खेतों में जाकर ओलावृष्टि, बारिश एवं अंधड़ से हुए नुकसान का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने प्रभावित किसानों से संवाद भी किया। जिला कलक्टर ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को फसल बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर प्रभावित किसानों के जल्द से जल्द नियमानुसार मदद पहुंचाने के निर्देश दिये हैं।

जिला कलक्टर ने खेतों में निरीक्षण के दौरान प्रभावित काश्तकारों को फसलों में हुए नुकसान का मुआवजा प्राप्त करने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के किसान रक्षक हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 14447 पर फोन कर शिकायत दर्ज करवाने के लिए जागरुक किया गया।

इस दौरान उपखंड अधिकारी जमवारामगढ़, तहसीलदार आंधी एवं फसल बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि मौके पर मौजूद रहे। गौरतलब है कि 13 मार्च को जयपुर के कई इलाकों में बेमौसम वर्षा एवं ओलावृष्टि से किसानों की फसल खराब हुई है।

सिटी पैलेस में पारम्परिक होलिका दहन का आयोजन

जयपुर। जयपुर के सिटी पैलेस में पारम्परिक "होलिका दहन" का आयोजन शाही शान-शौकत के साथ किया गया। "होलिका दहन" से पूर्व, जयपुर के एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने पूजन एवं हवन अनुष्ठान सम्पन्न किया।

- **लोक कलाकारों द्वारा चंग की शानदार प्रस्तुति दी**
- **उत्सव में राजमाता पद्मिनी देवी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी और प्रिंसेस गौरवी कुमारी भी उपस्थित रहीं**

जयपुर के सिटी पैलेस में "होलिका दहन" से पूर्व, जयपुर के महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने पूजन एवं हवन अनुष्ठान सम्पन्न किया।

इस अवसर पर राजमाता पद्मिनी देवी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी और प्रिंसेस गौरवी कुमारी भी उपस्थित रहीं और अनुष्ठान में शामिल हुईं।

समारोह में कई व्यक्ति और अतिथि सम्मिलित हुए। जयपुर में परंपरा के अनुसार, होलिका दहन के बाद स्थानीय लोग होली की पवित्र अग्नि को संबंधित कालोनियों में "होलिका दहन" के लिए ले गये। उत्सव के दौरान लोक कलाकारों द्वारा चंग की शानदार प्रस्तुति दी गई। शुक्रवार को सिटी पैलेस में धुलंडी उत्सव मनाया गया। जयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्यों ने अपने मेहमानों के साथ रंगों का त्योहार मनाया। सभी ने रंगों, फूलों, पिचकारियों, पारंपरिक गुलाल गोटे और लोक संगीत के बीच जीवंत उत्सव का आनंद लिया।

तेज रफ्तार कार ने दो युवतियों को टक्कर मारी

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के फुलेरा थाना इलाके में शुक्रवार शाम एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार दो युवतियों को टक्कर मार दी। दोनों युवतियां उछलकर 50 फीट दूर जा गिरीं। ग्रामीणों ने घायल दोनों युवतियों को एम्बुलेंस की मदद से हॉस्पिटल भिजवाया। बताया जा रहा कार करीब 120 किलोमीटर की रफ्तार से चल रही थी।

- **दोनों युवतियां उछलकर 50 फीट दूर जा गिरीं**
- **कार करीब 120 किमी की रफ्तार से चल रही था**

थानाधिकारी श्रवण कुमार ने बताया कि हादसा शुक्रवार शाम को जोबनेर रोड पर हुआ था। जहां फुलेरा की ओर से एक स्विफ्ट कार तेज रफ्तार में जोबनेर की तरफ जा रह थी। करीब 120 किलोमीटर की स्पीड में देवडा मोड़ पर कार को मोड़ा। जहां स्पीड ज्यादा होने के कारण मोड़ पर कार रॉन्ग साइड पहुंच गई। सामने से आ रही स्कूटी सवार दो युवतियों को टक्कर मार दी। कार की स्पीड ज्यादा होने के कारण टक्कर लगते ही स्कूटी सहित दोनों युवतियां करीब 50 फीट दूर जाकर गिरी। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से कार को दौड़ ले गया। घटनास्थल के आस-पास मौजूद ग्रामीणों ने दोनों घायल युवतियों को संभाला। घायल युवतियों के परिजनों को सूचना देने के साथ ही एम्बुलेंस बुलाकर हॉस्पिटल भिजवाया। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों से जानकारी ली। पुलिस का कहना है कि किसी भी प्रकार की कंप्लेंट पुलिस को नहीं की गई है। मौके पर दोनों वाहन भी नहीं मिले हैं। घायल युवतियों व कार ऑनर के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं एक शॉप के बाहर लगे सीसीटीवी में एक्सीडेंट की फुटेज मिली है। कार तेज रफ्तार में मुड़ती दिख रही है। ब्रेक लगाने के कोशिश में रोड किनारे मिट्टी में स्लिप होती है। उसके बाद भी स्पीड कंट्रोल नहीं होने पर सामने से आ रही स्कूटी सवार दोनों युवतियों को अपनी चपेट में ले लेती है।

जांच अधिकारी एएसआई सुभाष ने बताया कि पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि देवंदा की ढाणी फुलेरा निवासी पिंकी (20) और उसकी मौसी संजना (42) का एक्सीडेंट हुआ है। दोनों भतीजी और मौसी स्कूटी से घर लौट रहे थे। घर से करीब आधा किलोमीटर पहले ही ओवर स्पीड कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। स्कूटी सहित उछलकर दूर गिरने से संजना-पिंकी दोनों के ही पैरों में फ्रैक्चर है। दोनों का इलाज चिरायु हॉस्पिटल में चल रहा है। घायलों के परिजनों ने अभी तक किसी प्रकार की शिकायत नहीं दी है।

मुख्यमंत्री, भूपेन्द्र यादव के पिता के अंतिम संस्कार में शामिल हुए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव के हरियाणा स्थित पैतृक गांव जमालपुर पहुंचकर उनके पिता की पार्थिव देह पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव के पिता स्व. कदम सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। शर्मा केन्द्रीय मंत्री के हरियाणा स्थित पैतृक गांव जमालपुर पहुंचे और उनके पिता की पार्थिव देह पर श्रद्धासुमन अर्पित कर अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की और शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया।

यादव के पिता का शनिवार सुबह निधन हो गया था।

थार सवार बदमाशों ने गांधी नगर एसीपी की गाड़ी को मारी टक्कर

जयपुर। धुलंडी पर ड्यूटी के दौरान थार सवार बदमाशों ने एसीपी गांधी नगर की गाड़ी को टक्कर मार दी। इसके बाद एसीपी और कॉन्स्टेबल ने अपने आपको बचाया। एसीपी की सूचना पर नाकाबंदी करवाई, लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं लगा। एसीपी के साथ मौजूद कॉन्स्टेबल ने कार सवार बदमाशों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है।

थानाधिकारी आशुतोष ने बताया कि शुक्रवार को धुलंडी के दिन एसीपी गांधी नगर नारायण कुमार इलाके में गश्त कर रहे थे। दोपहर करीब 2 बजे एसीपी की कार रिजर्व बैंक चौराहे के पास थी। इसी दौरान पीछे से एक थार गाड़ी आई। थार ने एसीपी की कार को पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद एसीपी और गाड़ी में बैठा जाप्ता लोगों को दूर करने लगे। इस दौरान बदमाशों से खुद को बचाने के लिए एसीपी डिवाइडर की तरफ भागे। बदमाश सरकारी गाड़ी को टक्कर मारकर मौके से निकल गए। इस पर पुलिस अधिकारी ने कंट्रोल रूम को घटना की जानकारी दी।

स्कूटी सवार युवकों ने गाड़ियों पर पत्थर फेंके

जयपुर। वैशाली नगर थाना इलाके में धुलंडी पर स्कूटी और बाइक सवार कुछ युवकों ने कॉलोनी में खड़ी गाड़ियों पर पथराव कर शीशे तोड़ दिए। नेमी सागर कॉलोनी में पत्थर से गाड़ी के शीशे तोड़ते युवक सीसीटीवी में भी कैद हो गए। सीसीटीवी में फुटेज कैद होने पर कार मालिक आरएस चौधरी ने पुलिस कंट्रोल रूम और पुलिस हैल्प लाइन पर घटना की शिकायत की। जिस पर पुलिस ने पुलिस कंट्रोल रूम से मिली शिकायत पर जांच शुरू कर दी हैं।

पीड़ित आरएस चौधरी ने बताया कि 14 मार्च को धुलंडी के दिन स्कूटी और बाइक सवार कुछ युवक कॉलोनी में घुसे। हुड़दंग करते कार के शीशे पर पथराव कर भाग निकले। कार पर पथराव की आवाज आने पर बाहर आए। इस पर देखा कि कार का शीशा टूटा हुआ है।

घर पर लगे सीसीटीवी फुटेज को चौक किया तो बाइक और स्कूटी पर सवार कुछ युवक हुड़दंग करते हुए कॉलोनी से निकले और कार पर पथराव किया।

World Folktales & Fables Week

World Folktales and Fables Week celebrates the timeless magic of storytelling. This week invites everyone to immerse themselves in tales that have travelled across generations and countries, from clever tricksters to brave heroes and magical creatures. These stories are so amazing! They capture universal ideas, love, courage, cleverness, in a way that connects us all. When we read or share these folktales, we step into worlds filled with the most amazing talking animals, cunning underdogs, and unexpected victories. And best of all, these folktales and fables also share lessons that feel close to home, no matter where we're from.

#AROUND-D-WORLD

A Passport Unlike Any Other

Next time, you come across a Latvian passport, try viewing it under UV light. You won't just see a passport, you'll witness a nation's identity glowing beneath the surface.
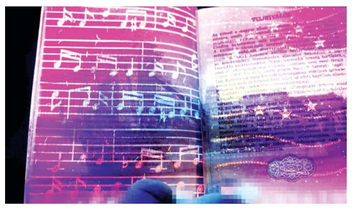
These days, everything is getting more digitized, more electrified, or more creative. Smartphones are no longer just communication devices, they are AI-powered assistants. Cars are evolving into self-driving electric marvels, and even clothing is embracing wearable technology. But why stop there? Even something as traditional as a passport is undergoing a transformation, becoming more secure, more artistic, and more innovative than ever before.

When it comes to passports, people are getting more creative, but it's not just individuals pushing boundaries. Governments, too, are embracing innovation, embedding hidden security features that make forgery nearly impossible while turning travel documents into stunning works of art. One of the most fascinating examples of this creativity is the Latvian passport.

Designed with security and national identity in mind, Latvia has created a masterpiece. At first glance, it appears to be a sleek, standard travel document. But under UV light, it transforms, revealing an intricate world of glowing landscapes, hidden symbols, and cutting-edge security features.

A Secret World Unveiled

Passports worldwide incorporate UV-reactive elements to prevent counterfeiting, but Latvia has gone beyond mere security. The new Latvian passport, introduced in February 2024, is a fusion of technology and design. It doesn't just protect its holder's identity, it tells the story of Latvia itself.

Under UV light, the passport pages illuminate with stunning imagery inspired by Latvia's natural beauty. These aren't random security patterns but carefully curated representations of the country's forests, rivers, and wildlife. A scan under ultraviolet light reveals the famous Gauja National Park glowing in neon blues and greens, alongside silhouettes of oak leaves, wildflowers, and birds in flight, a tribute to Latvia's rich biodiversity. Hidden within these designs are micro-text engravings, tiny inscriptions woven into the artwork that add another layer of security. Even the national coat of arms undergoes a transformation, appearing with enhanced fluorescence to make authentication at border controls even more efficient.

Where Art Meets Cutting-Edge Security

Beyond its artistic beauty, the Latvian passport is built to be virtually impossible to forge. Every detail has been designed with security in mind. The passport holder's personal information, including their photograph, name, and serial number, is printed with UV-sensitive ink, meaning it only becomes visible under specialized scanning. Micro-engraved security patterns unique to each passport ensure that no two are alike. Additionally, biometric data is embedded within the document, allowing for seamless digital verification at border checkpoints. This high level of security ensures that any attempt at counterfeiting is easily detected, making Latvia's passport one of the most advanced in the world. It seamlessly integrates with EU security standards, making international travel both safer and more efficient.

The Future of Passport Design

Latvia's approach signals a global shift in passport technology. With increasing threats of passport fraud and identity theft, countries are responding by adopting biometric encryption, AI-driven verification, and layered security features. However, Latvia stands out by proving that security doesn't have to be purely functional, it can also be a form of national storytelling. The Latvian passport is a perfect example of how technology and culture can coexist. Rather than simply incorporating security features for the sake of compliance, Latvia has used them to highlight its heritage, natural beauty, and national identity. It's a document that represents not just an individual traveller, but an entire country's story.

Many prominent players like Fabiano Caruana (USA), Hikaru Nakamura (USA), Nodirbek Abdusattarov (UZB), Alireza Firouzja (FRA) and new World Champion Gukesh Dommaraju are some of the players participating in this tournament beginning in February, 2025.

Such a meeting is expected to draw large crowds and hence good money! This has gone against the grain of FIDE as it will be an independent tournament with no revenue for it. They have started pressurising the players to desist from participating.

Mavericks Make The World

#RULE SHIFT

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

Maverick, a person who does not behave or think like everyone else, but who has independent, occasionally incorrect and unusual opinions.

The word 'maverick' has a fascinating origin! The term 'maverick' comes from the name of a 19th-century Texas lawyer and politician, Samuel Augustus Maverick (1803-1870). Maverick was a rancher who refused to do 'hot iron' branding for his cattle, which was a common practice at the time to identify ownership.

As a result, any unbranded calf found on the range was called a 'Maverick's calf.' Over time, the term 'maverick' came to describe any independent-minded person who refused to be branded or constrained by conventional norms or expectations.

In the 1950s and 1960s, the term gained popularity in American politics to describe individuals who defied party lines or conventional wisdom. Today, a maverick is anyone who exhibits independence, nonconformity and a willingness to challenge the status quo.

The word 'maverick' has become synonymous with boldness, courage, dissonance and a commitment to individuality.

Magnus Carlson is again in the headlines. But not for the excellent game that makes him an acclaimed World Champion in Chess! He continues to have a running battle with the Federation Internationale des Eches (acronym is FIDE- International Chess Federation). Magnus, like any high level player, does not appreciate restricting and often suffocating rules and regulations of the Chess organization. Chess has actually got too many rules! It tries to control the minuty. It even dictates the size of the chess board and its pieces, besides the height of the table and choice of chairs. (This is under the premise of creating an equal playing field.) They have recently even created a glass soundproofed room in which high level matches are played! Besides all these, I am sure there are many small directives to keep the players in line, which mavericks like Bobby Fischer in the earlier days and Magnus Carlson now, do not relish. Magnus is particularly annoyed with FIDE for insisting on total control of all the tournaments in Chess. According to Magnus, the FIDE pays very little attention to lower level chess players, making the participation for them a difficult task with money being always short. He has therefore proposed a Free Style Grand Slam Chess Tour. Many prominent players like Fabiano Caruana (USA), Hikaru Nakamura (USA), Nodirbek Abdusattarov (UZB), Alireza Firouzja (FRA) and new World Champion Gukesh Dommaraju are some of the players participating in this tournament beginning in February, 2025. Such a meeting is expected to draw large crowds and hence good money! This has gone against the grain of FIDE as it will be an independent tournament with no revenue for it. They have started pressurising the players to desist from participating.

Magnus decided to protest in his novel manner. He appeared in the current rapid Chess tournament wearing jeans. This was not appreciated by FIDE and they asked the maverick champion to change or else... Finally, a compromise has been made and now Magnus is playing in his grubby blue jeans.

People, at the peak of their careers or sports, often exhibit *maverick behaviour* for several reasons. Success breeds confidence and those at the top often believe they have a unique perspective or approach that others may not appreciate. This can lead to unconventional thinking and behaviour. Mavericks often challenge the status quo and seek to innovate. This can be seen in athletes who experiment with new training techniques or artists, who push the boundaries of their medium. In a competitive world, standing out can be crucial. Some individuals may use eccentric behaviour to attract attention and maintain their status. A high level can be overwhelming. Some individuals may rebel against these expectations by behaving in ways that defy norms.

There are many instances of Maverick Behaviour. Entrepreneurs like Elon Musk and Steve Jobs are known for their unconventional leadership styles with constant risk-taking and willingness to challenge industry standards. Artists like Picasso, Salvador Dalí and Andy Warhol pushed the boundaries of their respective fields with their experimental and often controversial work. Even impressionists like Vincent Van Vogh are renowned because of their individualist techniques. Actors like Johnny Depp, Naseeruddin Shah and musicians like David Bowie have often defied conventional norms with their eccentric fashion choices, public statements and artistic expressions. The acceptance of maverick behaviour varies depending on the context and the individual's level of success and vision. While some mavericks are celebrated for their originality and creativity, others may face criticism and backlash for their unconventional behaviour as has been seen with Carlson and Djokovic. Ultimately, the acceptance of maverick behaviour depends on whether it aligns with societal norms and expectations, as well as the individual's ability to deliver results.

While chess is a game of strategy and precision, there have been many instances of maverick behaviour that have shaped the game. Bobby Fischer was known for his eccentric personality and unconventional playing style. Fischer challenged the established norms of chess. His aggressive and often unorthodox approach to the game, combined with his intense focus and preparation, made him one of the greatest 'maverick' chess players of all time. Magnus Carlsen is not as flamboyant as Fischer. Carlsen has a unique approach to chess. He often plays intuitively, relying on his exceptional pattern recognition and positional understanding. His willingness to deviate from established theory and experiment with new ideas has made him a dominant force in the chess world. His recent objection to the dress code by wearing jeans is a typical example of maverick behaviour. Teimour Radjabov is known for his outspoken nature and his willingness to challenge the status quo of the chess world. He has boycotted events and tournaments to protest issues like prize funds and player rights.

These are just a few examples of maverick behaviour in chess. While such behavior can sometimes be disruptive, it can also lead to innovation and progress in the game.

Maverick behaviour in academics often involves challenging the status quo, pushing boundaries and thinking tangentially and outside the box. Albert Einstein challenged classical physics with his theories of relativity. It revolutionised our understanding of space, time, gravity and the universe. He often questioned conventional wisdom and pursued his own unconventional ideas, a true trait of a maverick. Marie Curie was a pioneer in the field of radioactivity. Curie's relentless pursuit of knowledge and her disregard (maverick behaviour) for societal norms led to multiple Nobel Prizes. Her work laid the foundation for modern nuclear physics and medicine. Steve Jobs was a visionary (maverick) entrepreneur. Jobs revolutionised multiple industries, from personal computing to smartphones. His unconventional approach to design, marketing and business strategy made Apple one of the most valuable companies in the world. It is a matter of great concern as to where Elon Musk is going to lead this planet into.

Carl Sagan popularized science. He made complex scientific concepts understandable to the general public through his books and TV series. He championed critical thinking and skepticism. He expressed unconventional views on extraterrestrial life and the future of humanity which are only now being accepted.

These individuals, among many others, have demonstrated maverick behaviour by challenging traditional wisdom, pursuing unpredictable ideas and advocating for their beliefs, even in the face of opposition. Their contributions have significantly advanced their respective fields and inspired future generations of scholars.

Sports have always been full of mavericks. The abounding talent often questioned the norms of the game! Roger Federer has been often hailed as the greatest tennis player of all time (G O A T). Federer's elegant and unorthodox playing style set him apart. His fluid movement, precise shots and artistic flair revolutionised the sport. His skill and his excellent ground strokes identified him as a maverick, extending his game beyond the normal. John McEnroe was another example of a hugely talented player who refused to follow the norms. His excellent performance on court contrasted with his off court maverick behaviour. Lionel Messi was recognised for his dribbling wizardry and uncanny ability to score goals from impossible angles. Messi defied conventional football tactics. His maverick style has led to numerous records and titles. Usain Bolt was the fastest man on Earth. Bolt's unique running style, characterized by long strides and effortless speed, redefined sprinting. His contravention of normal racing practices and ontrack behaviour put him in the maverick category. His dominance in the sport was unparalleled.

These individuals, among many others, exemplify the power of maverick behaviour. By challenging the status quo and thinking outside the box, they have made significant contributions to their respective fields and left an enduring legacy.

In today's world of politics, Donald Trump is a classic maverick in making tall claims of taking over Canada and Greenland. His political actions are often beyond comprehension. It is yet to be seen whether his maverick behaviour will lead to doom or redemption.

Perhaps, Jesus was history's greatest maverick. The Pharisees considered him a maverick because he would not conform to the traditions of the elders. The Sadducees considered him a maverick because he would not acknowledge their authority. Pilate considered him a maverick because he would not defend himself. Let me make it clear that I am not blaspheming. He was so amazing that he was perceived as different in behaviour by the people of that era. There was even a suspicion that he may have been an alien! Mavericks may be hard to understand but it is possible that they speed up the development of the world in their quirky behaviour.

rajeshsharma1049@gmail.com

#PET-LIFE

How To Train Your Cat

Cats have never been selectively bred to enhance their ability to cooperate and communicate with us, or perform working roles such as herding, hunting or guarding.

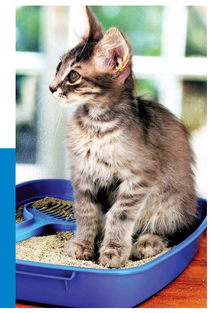

Compared to dogs, cats share different historic relationships with humans. Cats have never been selectively bred to enhance their ability to cooperate and communicate with us. But research shows they can recognise and respond to our subtle social cues and be trained to perform similar tasks to dogs.

Just like dogs, cats need support to adjust to living alongside us. Simple forms of training can be good for their wellbeing. At home, we can use simple techniques to help cats with things like feeling comfortable in a cat carrier, getting used to car journeys, as well as tolerating being groomed and receiving basic health examinations and treatments. Such training can also help cats cope better with visits to the vet.

What Works!

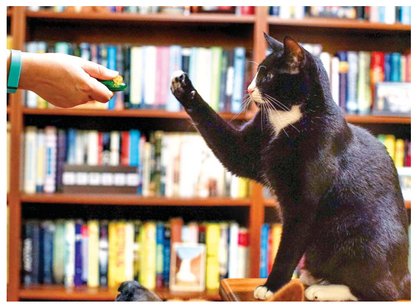

Cats are not born with an innate affinity towards humans and must be exposed to gentle, warm handling from two weeks old so that they can learn we are friend rather than foe. There is limited evidence that younger cats are more attentive to our social cues, which could mean they are more amenable to training. Kittens should also be played with using cat wands or fishing rod toys so that they learn not to attack our hands or feet.

Punishments such as shouting, rough handling or using a water spray can induce stress and compromise the quality of owner-cat relationships. Always use positive reinforcement (such as treats and praise). This is not only the most effective way to train pets, but it's also better for their wellbeing. Reward-based techniques can be an excellent way to teach a cat to enter a carrier on their own or sit calmly whilst we deliver their flea treatment. Some very friendly food motivated cats may enjoy being taught to give a high five, or to sit or spin. But cats are often less motivated than dogs to pay attention to us, or do what we are asking, especially in situations where they don't feel comfortable.

It's important that we make sure that the cat is somewhere they feel at ease when we undertake any training with them. Always ensure the cat has the option to walk away or end the session when they want, and try to give them a break, if they seem uncomfortable. Signs to look for include the cat turning their head away, nose licking, head shaking, a raised paw, sudden bouts of self-grooming, looking hunched or tense, a twitching or thumping tail and rotated or flattened ears.

HERE'S HOW TO TEACH YOUR CAT ENTER A CARRIER AND SETTLE IN FIVE EASY STEPS!

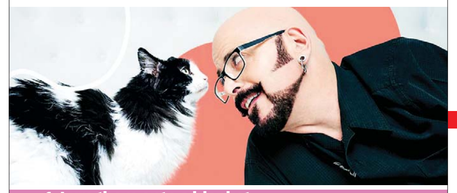

1. Lure them onto a blanket

In a place where your cat already feels safe, teach him or her to settle on a blanket. Do this by luring the cat onto the blanket using food. Reward the cat for staying on the blanket with more treats, petting or verbal praise, depending on what your cat likes most. Feed treats at nose height to encourage them into a sit position, then, feed treats at ground height to encourage the cat to crouch and then eventually lay on the blanket.

2. Introduce the carrier

Once your cat has mastered step one, place the blanket on the bottom of a carrier with the lid removed. Repeat the same luring and rewarding steps.

3. Take it slowly

When your cat is happily resting on the blanket in the carrier, place the lid on top of the carrier (without attaching the door) and repeat the luring and rewarding process.

4. Let your cat set the pace

After your cat has happily entered the carrier and settled inside, place the door on the carrier but keep it open to start with, so that he or she doesn't suddenly feel trapped inside. Allow them to exit the carrier when they want and use treats to encourage them back in. In small movements, start to close the door slightly, then, open it again, each time giving the cat a treat. Build this up slowly until the door can be fully closed (for only a few seconds at first) while the cat is still comfortable. Feed the cat treats through the closed door.

5. Almost there

Work towards the cat being in the carrier with the door closed for longer periods, adding a few extra seconds each time. Keep rewarding the cat by popping treats through the sides or door of the carrier, gradually increasing the time between each treat delivery. Each training session should last no more than a few minutes in total, and some cats may prefer only one session a day. It might take lots of sessions and many days or weeks before this final step is complete.

THE WALL

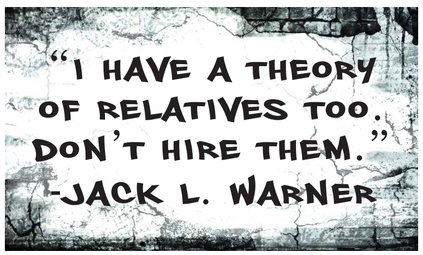

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

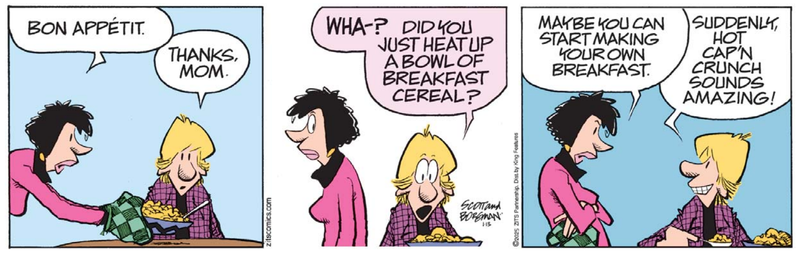

होली के रंगों में सराबोर होने देशी-विदेशी पर्यटक पुष्कर पहुंचे

पर्यटकों की भीड़ के चलते मुख्य बाजार सहित गलियों में भी चहल-पहल दिखी

पुष्कर, (निसं)।धुलंडी को पर्यटकों से पुष्कर के बाजार गुलज़ार रहे। बाजारों में पर्यटकों की जमकर रौनक रही। जहां एक और बड़े रिसॉर्ट और होटल में मेट्रो सिटी से आए युवा व युवती होली खेलते रहे। वहीं आसपास के शहरों से आए मनचले विदेशी पर्यटकों के साथ गुलाल के नाम पर जबरदस्ती करते रहे।

पूरी दुनिया में अपनी एक अलग ही पहचान बना चुके होली के त्यौहार को मनाने के लिए देश दुनिया से भारी तादात में देशी विदेशी पर्यटक धार्मिक नगरी पुष्कर पहुंचे। पर्यटकों की भीड़ के चलते मुख्य बाजार सहित छोटी-छोटी गलियों में भी पर्यटकों की चहल-पहल से रौनक बढ़ गई। यहां पहुंचने वाला हर एक पर्यटक पुष्कर की विश्व प्रसिद्ध होली के रंगों में सराबोर होकर उन्हीं रंगों में मस्त नजर आया।

वहीं ला बेला होली मंडल के युवाओं के तत्वावधान में स्थानीय वराह चौक पर चल रहा सतरंगी होली महोत्सव मनाया। धुलंडी के एक दिन पूर्व रात रात को हजारों देशी-विदेशी सैलानियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लेकर राजस्थानी ढोल की थाप पर खूब डांडिया रास किया। खास बात यह है कि आयोजन के दौरान पुष्कर के प्रसिद्ध ढोल वादक आरुष एंड पार्टी के कलाकारों द्वारा जब राजस्थानी नृत्य की धुनें बजाई गई तो वहां पर मौजूद हर कोई शख्स नाचने पर मजबूर हो गया। इस दौरान यहां विशाल स्तर पर होली दहन का आयोजन भी किया। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए जिला पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा द्वारा सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए।

- पर्यटकों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए

पुष्कर आये देशी-विदेशी पर्यटकों ने जमकर होली खेली।

महुकलां में नाल दंगल का आयोजन हुआ

हेमराज चूली 102 किलो की नाल उठाकर नाल केसरी बने

गंगापुर सिटी, (निसं)। धुलण्डी के अवसर पर ग्राम पंचायत महुकलां में वार्षिक नाल दंगल का आयोजन किया गया। आम बस्ती महुकलां द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में दूर-दराज से पहलवान पहुंचे। प्रतियोगिता में 68 किलो से लेकर 102 किलो तक की नाल उठाने का मुकाबला हुआ। हेमराज चूली ने 102 किलो की नाल उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। महुकलां के परसा पहलवान ने दूसरा स्थान हासिल किया। छर्रा के भोला पहलवान, महुकलां के वीरू पहलवान और चूली के विक्की पहलवान ने 97 किलो की नाल उठाई। 92 किलो की नाल उठाने वाले पहलवानों में पीतमपुरा के टीकम पहलवान, अभिमन्यु पहलवान, प्रभु पहलवान, हरजनपुर के शिवराज गुर्जर और खानपुर बडौदा के भूरा पहलवान शामिल रहे। विजेता पहलवानों को माला और साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। आयोजन कमेटी ने पूर्व विजेताओं का भी सम्मान किया। कार्यक्रम में पंच हुकम पटेल, भम्मल पटेल, अमर सिंह पटेल समेत कई व्यक्ति मौजूद रहे। मैच रेफरी हरकेश भाई ने प्रतियोगिता का संचालन किया। ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर दंगल का आनंद लिया। उन्होंने सभी पहलवानों और मेहमानों का आभार व्यक्त किया और होली की शुभकामनाएं दीं।

नाल दंगल में जोर अजमाइश करते पहलवान।

होटल में कमरा मांगा, नहीं दिया तो गर्म दूध उड़ेला

बगड़, (निसं)। बगड़ थाना इलाके की बगड़ बायपास पर बदमाशों ने एक होटल में अनैतिक गतिविधि के लिए कमरा मांगा। मना करने पर होटल संचालक पर गरम दूध उड़ेल दिया और फरार हो गए। हालांकि पुलिस ने इनमें से तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनका पहले से भी क्राइम रिकॉर्ड है।

जानकारी के मुताबिक नाटास निवासी राजकुमार जाट ने बगड़ बायपास पर एक होटल कर रखा है। राजकुमार के पास दिन में दो युवक आए। जिन्होंने कहा कि उन्हें रात को एक कमरा चाहिएगा। वे एक लड़की लेकर आएंगे। राजकुमार जाट ने इस तरह अनैतिक गतिविधियों के लिए जगह ना होने की बात कही। बातों ही बातों में युवकों ने होटल संचालक से बहस करनी शुरू कर दी। यही युवक रात को फिर अपने साथियों के साथ होटल आए और आते ही राजकुमार के साथ मारपीट शुरू कर दी। जैसे-तैसे राजकुमार ने खुद को बचाया तो गैस पर गरम हो रहे दूध के बर्तन को पूरा का पूरा राजकुमार पर फेंक दिया। जिससे राजकुमार का आधा शरीर जल गया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। राजकुमार ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बगड़ पुलिस ने राजकुमार को अस्पताल पहुंचाया। वहीं आरोपियों की तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिसे को सूचना मिली कि इस वारदात में शामिल पिलानी थाना इलाके के सुलताना का बास निवासी 25 वर्षीय प्रवीण कुमार पुत्र श्यामकिशोर गुर्जर को गुढ़ागौड़जी ने उसके सात अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार किया है। जिसके बाद बगड़ पुलिस प्रवीण को बगड़ लाई। पूछताछ के बाद प्रवीण व उसके दो और साथी बुहाना थाना इलाके के झांझा निवासी 29 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार पुत्र भूपसिंह अहीर तथा हरियाणा के महेंद्रगढ़ सदर थाना इलाके के दूलोठ अहीर निवासी 27 वर्षीय सोनू पुत्र धर्मेंद्र अहीर को गिरफ्तार कर लिया है। शेष साथियों की तलाश की जा रही है। प्रवीण गुर्जर पर खेतड़ी, खेतड़ीनगर, नीमराना, सदर महेंद्रगढ़ व बगड़ थाने में पूर्व से मामले दर्ज है। वहीं सोनू अहीर के खिलाफ दो तथा धर्मेंद्र के खिलाफ एक मामला पूर्व में दर्ज है।

प्रागपुरा कस्बे में होलिका दहन से पूर्व होलिका में आग लगी

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा गांव में होलिका दहन से पूर्व ही दोपहर करीब बारह बजे होलिका में अचानक आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। यह हादसा तब हुआ जब महिलाएं पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार होलिका की पूजा कर रही थी।

बताया जा रहा है कि पूजा के दौरान दीप प्रज्वलित करते समय होलिका में डाले गए सूखे उपले, कागज व लकड़ियों ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते पूरी होलिका जलने लगी। आग लगते ही पूजा कर रही महिलाओं ने शोर मचाया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग नहीं बुझी। लकड़ी और सूखे उपलों की वजह से आग ने तेजी से फैल गई।

- आग लगने से महिलाओं में अफरा-तफरी मची
- दमकल की सहायता से आग पर पाया काबू, हादसा टला

घटना की जानकारी पावटा प्रागपुरा नगरपालिका दमकल कर्मचारियों को दी गई, जहां सूचना मिलने के बाद भी दमकल की गाड़ी समय पर नहीं पहुंची, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश देखा गया। हालांकि, बाद में दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि समय रहते आग बुझा दी गई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। गौरतलब है कि प्रागपुरा गांव में हर साल होलिका दहन के अवसर पर मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण भाग लेते हैं। इस दौरान सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की जाती है और पारंपरिक ढंग से होलिका दहन किया जाता है। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन और दमकल विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि अगर समय पर दमकल पहुंच जाती तो आग को और जल्दी बुझाया जा सकता था।

पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा पर एक और केस दर्ज

झुंझुनूं, (निसं)। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा पर तीन महीने में तीसरा केस दर्ज हो गया है। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा पर कोतवाली में दूसरा और झुंझुनूं जिले में तीसरा केस दर्ज हो गया है। ये केस दर्ज होने का सिलसिला दिसंबर 2024 में शुरू हुआ था। जब कान्हा पहाड़ के पास आवंटित खान मालिक श्याम सिंह कटेवा ने पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा और उनके समर्थक इब्राहिम खान समेत 12 जनों पर उसके लीज क्षेत्र में घुसने, जान से मारने की कोशिश करने, भीड़ इकट्ठा कर उसे उकसाने जैसी धाराओं में मामला दर्ज करवाया था। अब श्याम सिंह कटेवा ने एक और मामला पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा पर दर्ज करवाया है। आरोप लगाया कि 11 मार्च को एक बार फिर पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा और उनके समर्थक इब्राहिम खान समेत आठ नामजद व अन्य 100-125 लोग बिना किसी अनुमति के अनाधिकृत रूप से उसको आवंटित लीज क्षेत्र में घुस आए। तारबंदी को तोड़ दिया और टैंट लगाने के अलावा उसे जान से मारने की धमकी दी। कटेवा ने आरोप लगाया कि गुढ़ा उन पर लगातार मंथली देने का दबाव बना रहे हैं। भीड़ को उकसा रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाल नारायण सिंह ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार गुढ़ा पर दो महीने पहले गुढ़ा में भी सीआई आशाराम गुर्जर ने रास्ता जाम करने और भीड़ को उकसाने जैसी धाराओं में एफआईआर दर्ज करवाई थी। इस तरह तीन महीनों के दरमियान गुढ़ा पर अब तीसरी एफआईआर दर्ज की गई है।

ट्रैक्टर की क्रशर मशीन में आने से युवक की मौत

मसूदा, (निसं)। थाना क्षेत्र के ग्राम केसरपुरा में ट्रैक्टर की क्रशर मशीन में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई जानकारी के अनुसार मृतक भंवर सिंह अमरपुरा निवासी जो कि अपने खेत पर प्रेशर मशीन से अनाज निकलवाने के लिए गया था तभी ट्रैक्टर चालक ने क्रशर मशीन को लापरवाही पूर्व चालू कर दिया जिससे भंवर सिंह का शरीर मशीन में चला गया जिससे भंवर की मौके पर ही मौत हो गई । वहीं घटना की जानकारी मिलते ही मसूदा एएसआई जीवराज भाटी ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया एवं मोर्चरी में रखवा दिया गया। वहीं परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ जांच शुरू कर दी।

मां ने मजदूरी कर बेटे को इनकम टैक्स ऑफिसर बनाया

बौली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के टिगरिया ग्राम निवासी एक विधवा महिला घोटा देवी मीणा ने 7 वर्ष पूर्व अपने पति रामचरण मीणा की बीमारी के बाद हुई आकस्मिक मौत के बाद कड़ी मेहनत एवं मजदूरी करके अपने पुत्र अजय कुमार मीणा को पढ़ा लिखा कर इनकम टैक्स ऑफिसर पद पर नियुक्त करवा दिया।

बामनवास उपखंड की बरनाला तहसील के गांव टिगरिया निवासी महिला के पति की सात वर्ष पूर्व आकस्मिक मौत हो गई थी। इस कारण महिला पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा एवं दो बेटों के लालन, पालन एवं पढ़ाई लिखाई की जिम्मेदारी भी आ पड़ी। महिला ने गांव में मजदूरी एवं खेती-बाड़ी करके अपने लड़कों को पढ़ाने में जुट गई। महिला को अपने लड़कों की पढ़ाई के लिए कर्ज भी लेना पड़ा आखिर महिला की मेहनत रंग लाई एवं बुधवार को एएससी, सीजीएल 2024 परीक्षा परिणाम की अंतिम चयन सूची में उसके छोटे पुत्र अजय कुमार मीणा को 68वीं रैंक हासिल हुई एवं उसका चयन इनकम टैक्स इंस्पेक्टर पद पर हो गया। अजय कुमार चयन होने के बाद होली पर जब अपने गांव आया तो ग्रामीणों ने उसे फूल, माला पहनकर स्वागत किया एवं उसका मुंह मीठा कराकर पूरे ग्रामवासियों ने मिठाई बांटकर खाई। इस अवसर पर अजय कुमार मीणा ने बड़े, बुजुर्गों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया एवं सफलता का श्रेय अपने पिता रामचरण मीणा एवं माताजी घोटा देवी मीणा को दिया।

- ग्रामीणों ने युवक अजय कुमार का स्वागत किया

बारिश और ओलावृष्टि से किसान चिंतित

पदमपुर, (निसं)। क्षेत्र के बींझबायला के ग्रामीण इलाके में 48, 49 एलएनपी के पास बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। गजसिंहपुर और पदमपुर सहित अन्य क्षेत्रों में भी बारिश दर्ज की गई। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से जिले में यह मौसम बदलाव देखा गया। इससे तापमान में गिरावट आ रही है। किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि गेहूं, सरसों और चने की फसलों को नुकसान का खतरा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, ओलावृष्टि से दानों के खराब होने और पौधों की वृद्धि में रुकावट आ सकती है। गेहूं और सरसों की फसलें इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकती हैं। जिले में कई जगह फसलें पककर तैयार हैं। तेज बारिश से इन्हें बड़ा नुकसान हो सकता है। इस स्थिति से किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

निजी हॉस्पिटल में ऑपरेशन के दौरान युवक की गलत आंत काटी, मौत

परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया और डॉक्टरों पर हत्या का आरोप लगाया

जालोर, (नि.सं.)। जालोर जिले में एक अस्पताल की लापरवाही का मामला सामने आया है। जालोर शहर के श्रीराम हॉस्पीटल में एक युवक की ऑपरेशन के दौरान गलत आंत काटने से मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में करीब तीन घंटे तक हंगामा किया और डॉक्टरों पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने मामले को संभालते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार रूगाराम गर्ग की तबीयत नौ मार्च को अचानक खराब हो गई थी, जिसके बाद उन्हें श्री राम हॉस्पीटल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उनकी जांच करके आंतों का ऑपरेशन करने की सलाह दी और 10 मार्च को ऑपरेशन किया गया। हालांकि, ऑपरेशन के दौरान गलत आंत काटने से रूगाराम की हालत बिगड़ गई और उन्हें जोधपुर के श्री राम हॉस्पीटल में रेफर किया गया। वहां दूसरे ऑपरेशन के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों ने मृतक के शव को जोधपुर से वापस जालोर लाकर अस्पताल के गेट पर रख दिया और करीब तीन घंटे तक विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने डॉक्टर सौरभ त्रिवेदी और इंचार्ज डॉक्टर अजाराम चौधरी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने और अस्पताल को सील करने की मांग की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया और परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की।

- पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज किया

नियुक्ति के आदेश जारी

जोधपुर, (नि.सं.)। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. बी एस जोधा ने आदेश जारी कर विभिन्न चिकित्सक शिक्षकों को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है।

आदेश के तहत डॉ. सुनिल कुमार दाधीच, वरिष्ठ आचार्य को गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में, डॉ. शुभकरण खींचड़, वरिष्ठ आचार्य न्यूरोलॉजी में, डॉ. कल्पना मेहता वरिष्ठ आचार्य को स्त्री और प्रसूति में, डॉ. सुषमा कुशल कटारिया वरिष्ठ आचार्य को एनाटॉमी में, डॉ. नवनीत अग्रवाल, वरिष्ठ आचार्य को, डॉ. सुनील कुमार कोठारी, वरिष्ठ आचार्य को शिशु सर्जरी में, डॉ. पंकज राव, आचार्य को चर्म एवं रति में, डॉ. अरविन्द चौहान, वरिष्ठ आचार्य को नेत्र में, डॉ. मनीष परिहार वरिष्ठ आचार्य को फिजियोलॉजी विभाग में विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सावर में बैंडबाजों के संग निकाली बिना फेरे, बिना दुल्हन की बारात

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। रंगों का त्योहार होली भुसावर कस्बा सहित ग्रामीण अंचल में प्रेम, सौहार्द व आपसी भाईचारा के साथ मनाया गया। प्रेम, सौहार्द के इस पावन पर्व पर सुबह से ही होली के रंगों में सरोबार नजर आए बच्चों एवं युवाओं की टोलियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी और फागोत्सव की मस्ती में नजर आए।

जानकारी के अनुसार भुसावर कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस व्यवस्था माकूल नजर आई जो असामाजिक तत्वों पर अपनी निगरानी बनाए रखी।

- भुसावर कस्बे में चप्पे-चप्पे पर पुलिस व्यवस्था माकूल नजर आई

कस्बेवासियों ने अपने घरों की छतों पर चढ़कर गुलाल एवं रंग डालते हुए बारात का स्वागत किया।

कस्बे में धूलंडी के दिन एक युवक को खिरकारी में होली का दूल्हा बना कर ऊंट पर बैठा कर बैंडबाजों के साथ कस्बे के मुख्य मार्गों से होकर बारात निकाली गई जो पिछले ढाई सौ वर्ष से अनवरत जारी है, जिसमें रंग-बिरंगे पुते चेहरे के बाराती हाथों में गुलाल, अबीर उड़ाते हुए बैंडबाजा पर बज रहे होली के गीतों पर नृत्य करते हुए जयघोष लगाकर चल रहे थे। वहीं कस्बेवासियों ने अपने घरों की छतों पर चढ़कर गुलाल एवं रंग डालते हुए बारात का स्वागत किया। भुसावर कस्बे में अनोखी इस होली की बारात कस्बे के जैन गली स्थित जैन मंदिर पहुंची, जहां होली का दूल्हा बने युवक ने तोरण मारा। वहीं शगुन के तौर पर होली का दूल्हा बने युवक की पदवेशों से पिटाई की गई और अगले वर्ष मिलने की कहकर होली का आनंद लेते हुए अपने-अपने घरों को विदा हो गए।

वहीं बुजुर्ग कुंजीलाल शर्मा फूफाजी, टिल्लाराम अरोड़ा, पंडित राघवेंद्र शर्मा, सेवक महेशचन्द जती ने जानकारी देते हुए बताया कि होली के दूल्हे को गंधर्व पर सवार होकर दूल्हा बनाकर जैन मंदिर लाया जाता था, लेकिन गंधर्व की कमी होने के कारण अब ऊंट पर लाया जाता है। वहीं किदवंती है कि जिस युवक की शादी नहीं हो रही है और कोई व्यवधान, अड़चन उत्पन्न हो रही है, उसे सर्वसम्मति से होली का दूल्हा बनाया जाता है, जिससे उसकी शादी अगले साल तक हो जाती है।

कैमरी गांव में डोलची होली देखने उमड़े लोग

जगदीश चौक में खेली जाने वाली डोलची होली में देवरों ने बरसाये रंग, भाभियों ने कोड़े मारे

हिंडौन सिटी, (निसं)। शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में होली का त्यौहार पूरे उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान जगदीश धाम कैमरी के मंदिर प्रागंण में स्थित जगदीश चौक में खेली जाने वाली डोलची होली में शनिवार को रंगों के साथ जमकर कोड़े बरसे जिन्हें देखने के लिए हज़ारों की संख्या में जनसैलाब उमड़ा।

गुर्जर जाति के बारह गांव खटाना गौत्र की ओर से सैकड़ों वर्षों से चली आ रही यह होली पुरानी परंपरा व संस्कृति को जीवंत किये हुए हैं। जगदीश चौक में बैंड-बाजे की धुन पर 12 गांवों के महिला व पुरुषों (देवर-भाभी) ने हर्षोल्लास के साथ डोलची में रंग भरकर रिश्ते में अपनी भाभी लगने वाली महिलाओं पर रंग बरसाया। महिलाओं ने पुरुषों पर कोड़े बरसाए। रंगों की बौछार से माहौल सतरंगी हो गया। डोलची होली देखने के लिए 12 गांव खटाना परिवार सहित बड़ी संख्या में गुर्जर समाज सहित करौली, दौसा, सवाई माधोपुर, भरतपुर सहित अन्य जिलों के हज़ारों लोग पहुँचे। डोलची होली की शुरुआत दोपहर को कैमरी को बसाने वाले सूडा बाबा के स्थान पर बारह गांवों के पंच-पटेलों ने विशेष पूजा-अर्चना की।

पीसीसी सदस्य शीशराम खटाना ने बताया कि दोपहर दो बजे से शाम तक डोलची होली खेलने का कार्यक्रम जारी रहा जिसमें 12 गांव की सात पीढ़ियों के महिला-पुरुषों ने हिस्सा लिया। डोलची होली में महिलाओं व पुरुषों ने नृत्य किया। पंच पटेलों ने लोकगीतों की शानदार प्रस्तुति दी। भूपेन्द्र खटाना ने बताया कि डोलची खेलने के बाद नाल प्रतियोगिता सहित घोड़ा चौड़ी दौड़ का आयोजन किया जाता है जिसमें सैकड़ों प्रतिभागी भाग लेते हैं।

श्रेष्ठ आने वाले प्रतिभागी को जगदीश मंदिर कमेटी अध्यक्ष घनश्याम खटाना सहित अन्य सदस्यों द्वारा भगवान की प्रतिमा, दुपट्टा पहनकर स्वागत किया गया। मंदिर ट्रस्ट व ग्राम पंचायत कैमरी की ओर से होली खेलने वाली महिलाओं को मिठाई वितरित की गई।

कार्यक्रम में जगदीश मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष घनश्याम खटाना, पीसीसी सदस्य शीशराम खटाना, उपाध्यक्ष कैप्टन राजाराम खटाना, कोषाध्यक्ष कैप्टन शीशराम खटाना, सचिव रामविलास खटाना, पूर्व कोषाध्यक्ष कैप्टन शीशराम खटाना सेना मैडल, प्रवक्ता सियाराम वकील, हंसराज सरपंच, हवलदार बहादुर सिंह नयापुरा, शेरसिंह खटाना, भूपेन्द्र खटाना अधैत, मुरारीलाल नेता, चिरंजीलाल थानेदार, कैप्टन रतनसिंह, दयाराम ठेकेदार, सुग्रीव सरपंच अधैत, संतराम सरपंच, मेढ़े का पूरा सरपंच प्रतिनिधि एडवोकेट कप्तान खटाना, कैमरी सरपंच प्रतिनिधि अतराज खटाना, सुरेन्द खटाना, पवन खटाना, राजेश बोटू, राजेश खटाना, जयवीर खटाना सहित हज़ारों ग्रामीण मौजूद रहे।

इंजी. भूपेन्द्र खटाना ने बताया कि पुरानी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए पीढ़ी के अनुसार अलग-अलग खाने बनाकर देवर व भाभी डोलची होली खेलते हैं। इसमें कैमरी परिक्षेत्र के गुर्जर जाति के खटाना परिवार के 12 गांवों के महिला-पुरुष भाग लेते हैं। खेड़ में पानी भरकर रंग खोला जाता है। देवर विशेष प्रकार का पात्र जिसे डोलची कहते हैं में रंग भरकर भाभी पर डालते हैं। भाभी अपने बचाव के लिए देवर पर प्यार से कोड़े बरसाती है। प्रेमरंग में डूबे देवर मार की परवाह किये बिना रंग डालते हैं। महिलाएं होली खेलने के साथ साथ नृत्य करती है। देवर व भाभी के प्यार का प्रतीक डोलची होली खेलने का लोग वर्षभर इंतजार करते हैं।

- गुर्जर जाति के बारह गांव खटाना गौत्र की ओर से सैकड़ों वर्षों से चली आ रही यह होली पुरानी परंपरा व संस्कृति को जीवंत किये हुए हैं
- 12 गांव की कई पीढ़ियों के महिला-पुरुषों ने हिस्सा लिया, डोलची होली में महिलाओं व पुरुषों ने नृत्य किया, पंच पटेलों ने लोकगीतों की शानदार प्रस्तुति दी

जगदीश धाम कैमरी के मंदिर प्रागंण में स्थित जगदीश चौक में डोलची होली खेली गई।

संक्षिप्त

भाजपा पदाधिकारियों ने खेली होली

शाहपुरा। अमरसरवाटी क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को होली की शुभकामनाएं देकर मुख्यमंत्री के रंग लगाकर होली खेली। भाजपा जयपुर ग्रामीण प्रेस प्रवक्ता सुभाष जोशी के नेतृत्व में अजय जोशी, सुरेंद्र शर्मा, सुरेंद्र घोसल्या, राकेश घोसल्या, बाबूलाल कुमावत, छाजू लाल सैनी, महेंद्र सिंह राठौड, दिलीप सिंह राठौड़, महावीर घोसल्या, सोहनलाल बागड़ी सहित कई कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के रंग लगाकर होली की बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को खेजरोली में नगर पालिका स्वीकृत करने, शाहपुरा में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय खोलने, शाहपुरा में अटल वन के लिए विकास के लिए 13 करोड रुपए की राशि स्वीकृत करने सहित बजट में आम जन के हित के लिए की गई घोषणाओं के लिए अभिनंदन किया। इस दौरान काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फाग उत्सव संपन्न

दौसा। भारत विकास परिषद के चुनाव में संजय पीलवा को अध्यक्ष, विनोद कुमार शर्मा को सचिव और सचिन मोदी को कोषाध्यक्ष चुना गया है। परिषद का चुनाव मुक्ति बाग में होली स्नेह मिलन व फाग उत्सव के दौरान प्रांतीय प्रकल्प प्रभारी आदित्य भारद्वाज की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर परिषद में 14 नए सदस्यों को शामिल किया गया। कार्यक्रम में फूलों की होली, धमाल और फाग उत्सव का आयोजन हुआ। परिषद सचिव विनोद कुमार शर्मा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि कोषाध्यक्ष श्याम भेडोली ने वित्तीय वर्ष का लेखा-जोखा पेश किया। अध्यक्ष संजय पीलवा ने बताया कि परिषद द्वारा समाज सेवा के विभिन्न कार्य किए गए, जिनमें अंधता निवारण शिविर में दौसा को प्रांत स्तर पर सम्मान मिला। इस अवसर पर विशेष उपलब्धियों के लिए राम धौंकरिया, अमित अग्रवाल, मुकेश डांगरवाड़ा, रौनक महेश्वरा और अजय खंडेलवाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन सपरिवार सहभोज के साथ हुआ।

पोस्टर किया विमोचन

श्रीमाधोपुर । विश्व हिंदू परिषद राम जन्मोत्सव समिति के संयुक्त तत्वाधान भगवा रैली का आयोजन होगा। आयोजन समिति के अजय मिश्रा लोगों ने बताया कि 29 मार्च को गणेश मंदिर से होगी प्रारंभ विशाल भगवा वाहन रैली निकाली जाएगी । 6 अप्रैल को रघुनाथ मंदिर से साय 3 बजे विशाल शोभायात्रा का आयोजन होगा जगह जगह पर दुर्गा। वाहिनी की बहनों द्वारा प्रदर्शन किया जाएगा। क्षेत्र के संत महात्मा कार्यक्रम में शामिल होंगे। और जीवंत झाकियां भी निकली जाएगी पोस्टर विमोचन के दौरान विश्व हिंदू परिषद संरक्षक राम रतन सोनी, प्रखंड अध्यक्ष अजय मिश्रा, उपाध्यक्ष एडवोकेट अमित ठटेरा , बजरंग दल जिला सहसंयोजक रवि प्रजापत , विहिप जिला उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा श्रीमाधोपुर, सतीश वर्मा ,प्रतीक कुमावत ,सुभाष चेहरा सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

ऑपरेशन करवा कर लौटे 5 मरीजों का किया सम्मान

श्रीमाधोपुर। लायंस क्लब श्रीमाधोपुर द्वारा राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीमाधोपुर में आयोजित 45 वें नि:शुल्क मोतियाबिंद एवं लैंश प्रत्यारोपण शिविर मे चयनित 5 मरीजों के ऑपरेशन के बाद जयपुर से वापस लौटने पर लायंस क्लब ने उनका हालचाल जाना और स्वागत में सभी को शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया । इस कार्य के लिए विशेष सहयोग दुर्गा प्रसाद गोयल और ललिता गोयल, ऊंझा, गुजरात वालों का रहा। इस मौके पर क्लब के सागरमल हलवाई, ललित कुमार सैनी और कुसुम सैनी उपस्थित रहे।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कोटपूतली-बहरोड़ जिले ने किसान पंजीयन में मारी बाजी

■ फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों में अब तक 01 लाख 13 हजार 112 किसानों का पंजीकरण

कोटपूतली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार हर एक किसान के कल्याण के लिये प्रतिबद्ध है। प्रदेश के किसानों का डिजिटल डाटाबेस तैयार हो सके इस हेतु राज्य में एग्रीस्टेक योजनांतर्गत फॉर्मर रजिस्ट्री शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। एग्रीस्टेक योजना के अंतर्गत आयोजित शिविरों में कोटपूतली-बहरोड़ जिले ने शानदार प्रदर्शन करते हुये पहला स्थान प्राप्त किया है। हाल ही में योजना की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार जिले में अब तक 01 लाख 13 हजार 112 किसानों का पंजीयन किया जा चुका है। जिससे जिले की कुल उपलब्धि दर 75.54 प्रतिशत हो गई है। इस उपलब्धि के साथ जिले ने कृषि क्षेत्र में डिजिटल पंजीयन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

सरकार द्वारा संचालित एग्रीस्टेक योजना का उद्देश्य किसानों को डिजिटल रूप से पंजीकृत कर उन्हें कृषि योजनाओं, अनुदानों, बीमा व अन्य सरकारी लाभों से जोडना है। इस योजना के तहत किसानों का डिजिटल डाटाबेस तैयार किया जा रहा है, जिससे उन्हें त्वरित और पारदर्शी लाभ सुनिश्चित हो सके। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल ने बताया कि राज्य में चलाए गए किसान रजिस्ट्रेशन शिविरों में कोटपूतली-बहरोड़ जिले के किसानों ने बढ़-चढकर भाग लिया। 12 मार्च तक जिले में पंजीकृत किसानों की संख्या अन्य जिलों की तुलना में सर्वाधिक रही, जिससे यह राजस्थान में पहले स्थान पर रहा।

प्रदेश के अन्य जिलों की तुलना में कोटपूतली-बहरोड़ ने सबसे अधिक 75.54 प्रतिशत की उपलब्धि दर हांसिल की है। जिले में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत चिन्हित कुल 1,49,737 किसानों में से एग्रीस्टेक योजना के तहत 1,13,112 किसानों का पंजीयन किया जा चुका है। 12 मार्च को ही 4,012 किसानों का पंजीयन पूरा किया गया है। इस उपलब्धि से जिले ने बड़े जिलों को भी पीछे छोड़ दिया है, जिसमें बाड़मेर (74.84 प्रतिशत) और झालावाड़ (74.29 प्रतिशत) क्रमशरू दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

जिला कलक्टर ने कहा कि सभी के सम्मिलित प्रयासों से जिला किसान रजिस्ट्रेशन में प्रथम आया है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक प्रचार-प्रसार कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर पात्र किसान योजना से लाभान्वित हो। उन्होंने बताया कि जिले की इस सफलता में स्थानीय प्रशासन, पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग एवं किसान संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक पात्र किसानों का पंजीयन करते हुए प्रगति निरंतर बनाए रखने के भी निर्देश दिए है। उल्लेखनीय है कि जिला कलक्टर एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर सहित अन्य अधिकारियों द्वारा सतत मॉनिटरिंग और निरीक्षण द्वारा भी शिविरों में व्यवस्था का अवलोकन किया जा रहा है ताकि योजना का लाभ हर पात्र तक पहुंचे और उन्हें राहत मिलें। साथ ही बैठक लेकर समय-समय पर आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रदान किए जा रहे है।

इन शिविरों में कृषि विभाग, पशुपालन विभाग सहित अन्य विभागों की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों को दिया गया एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। डिजिटल और ऑन-स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा देकर किसानों का पंजीयन किया गया। किसानों में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न माध्यमों से व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और कृषि विभाग की टीमों ने गांव-गांव जाकर किसानों को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी और उन्हें ऑनलाईन पंजीयन करने के लिए प्रेरित किया। जिला कलक्टर के निर्देश पर आवश्यक स्थानों पर पूरक शिविरों का आयोजन कर पंजीकरण से वंचित रहे किसानों का पंजीयन भी सुनिश्चित किया गया। एग्रीस्टेक योजनांतर्गत फॉर्मर रजिस्ट्रेशन शिविरों का आयोजन ग्राम पंचायतवार 31 मार्च तक किया जायेगा।

कार्यशाला आयोजित

कोटपूतली। श्री अन्न की खेती कर उत्पादन, उत्पादकता बढ़ाने एवं स्वस्थ रहने हेतु किसानों को जागरुक करने एवं राज्य को मोटे अनाज (श्री अन्न) की खेती कर आत्मनिर्भर बनाने व प्रचार-प्रसार करने के उददेश्य से कृषि विभाग द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेड़ा में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा पौष्टिक अनाज योजनान्तर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। संयुक्त निदेशक कृषि महेंद्र कुमार जैन ने बताया कि कार्यशाला में मोटे अनाज (मिलेटस) श्श्री अन्न श की खेती कर उत्पादन, उत्पादकता बढ़ाने एवं स्वस्थ रहने हेतु किसानों को जागरुक किये जाने एवं राज्य को मोटे अनाज (श्री अन्न) में आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न (मिलेटस) श्री अन्न यथा बाजरा, ज्वार, रागी, कांगो आदि की आधुनिक तकनीकों से खेती करने के लिये बीज, उर्वरक, कीट-व्याधि से बचाव, सुरक्षित भण्डारण, खरपतवारों के नियंत्रण की जानकारी कृषि विज्ञान केन्द्र, गोनेड़ा के डॉ. एस.एस, शेखावत, प्रधान वैज्ञानिक व उनकी टीम के आर.पी. यादव, श्रेणु गुप्ता, एस.एम. यादव द्वारा दी गई। कार्यशाला में संयुक्त निदेशक द्वारा किसानों को राज्य में पोषक अनाजों (मिलेटस) श्री अन्न के उत्पादन में वृद्धि, मूल्य संवर्धन, मूल्य संबंधित उत्पादों के घरेलू उपभोग में वृद्धि आदि के संबंध में जागरूकता लाने के उद्देश्य पर जानकारी दी गई।

किशनगढ़बास में पुलिस थाने में खेली होली

किशनगढ़ बास। पुलिस थाना परिसर में शनिवार को पुलिस अधिकारियों व जवानों ने सामूहिक होली खेली। एडीसनल एसपी राजेंद्र निर्वाणा थाना अधिकारी जितेंद्र सिंह शेखावत ने पुलिस जवानों को रंग लगाकर होली की बधाई दी। इस दौरान व्यापार मंडल के प्रतिनिधि व गणमान्य लोग भी पुलिस की होली में शामिल हुए। महावर समाज के मीडिया प्रभारी रामेश्वर गप्ता ने बताया महावर नवयुवक सेवा समिति,महावर वैश्य सेवा समिति व महावर वैश्य महिला सेवा समिति के सौजन्य से महावर भवन में 29वां होली मिलन मनाया गया।

दो दर्जन हमलावरों ने किया होटल पर हमला

■ गल्ले से निकाली 40 हजार रूपयों की नकदी, सीसीटीवी फुटेज में वारदात कैद

कोटपूतली। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर निकटवर्ती ग्राम कंवरपुरा स्थित एक होटल पर धुलण्डी के दिन करीब दो दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने हमला कर दिया। इस दौरान हमलावरों ने ना केवल लाखों रूपयों के सामान की तोडफोड़ कर डाली, बल्कि होटल के गल्ले से 40 हजार रूपयों की नकदी भी निकाल कर ले गये।

यह पुरी घटना होटल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मौके पर पहुँची पुलिस ने मौका मुआयना भी किया। कोटपूतली एसएचओ राजेश शर्मा ने बताया कि ग्राम कंवरपुरा निवासी राजेन्द्र यादव ने बताया कि उसने राजमार्ग की सर्विस लेन पर आर्शीवाद पंजाबी ढ़ाबा कर रखा है। विगत 14 मार्च धुलण्डी की दोपहर करीब 01.30 बजे होटल की पार्किंग में दो युवक पृथ्वी व सचिन समेत 5-7 युवक बैठ कर शराब पी रहे थे। जिन्हें प्रार्थी के लडके विकास ने शराब पीने से मना किया तो उक्त युवक उसके साथ मारपीट करने लगे। जिसकी आवाज सुनकर होटल के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर बीच बचाव करवाया तो उक्त युवक अपनी गाड़ी में बैठ गये एवं उसे स्टार्ट कर गाड़ी को तेजी से होटल कर्मचारी पर चढ़ाने का प्रयास किया। जिस पर कर्मचारी ने बड़ी मुश्किल से भाग कर अपनी जान बचाई। जिसके बाद वे मौके से फरार हो गये। इसके करीब एक घण्टे बाद तीन गाडियों में उक्त युवक पृथ्वी व सचिन 15-20 नकाबपोश बदमाशों के साथ हाथों में लाठी, सरिये व डण्डे आदि लेकर पहुँचे एवं गालियां बकते हुये होटल के फर्नीचर, शीशे, कम्प्यूटर, एलईडी समेत अन्य सामान को तोड़ दिया। यही नहीं गल्ले से करीब 40 हजार रूपयों की नकदी निकाल कर ले गये। वारदात में करीब 05 लाख रूपयों का नुकसान हुआ है। यह पुरा घटनाक्रम सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया। घटना को होटल के कर्मचारियों समेत अन्य राहगीरों ने भी देखा।

सुरेश बादलीवाल का नागरिक अभिनंदन आज

पावटा। स्वास्थ्य शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, जयपुर ग्रामीण सांसद, विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक धनकड, भाजपा जयपुर जिला उत्तर देहात जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल का बजट 2025-26 में विराटनगर नगरपालिका क्षेत्र को सीवरेज, उपजिला अस्पताल, आधुनिक बस स्टैंड की घोषणा के उपलक्ष्य में आज विराटनगर में नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। रविवार दोपहर 3 बजे से प्रेम गार्डन विराटनगर में भव्य रोड शो व बस स्टैंड पंसारी भवन के पास विराटनगर में भव्य नागरिक अभिनंदन समारोह के दौरान सभा का आयोजन किया जाएगा। आयोजित भव्य समारोह में स्वास्थ्य शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, जयपुर ग्रामीण सांसद, विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक धनकड, भाजपा जयपुर जिला उत्तर देहात जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल के आतिथ्य में नगर के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, रचनात्मक व राजनीतिक संगठनों एवं भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा अभिनंदन किया जाएगा।

होली का पर्व धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया

कोटपूतली। समुचे जिले में गुरूवार 13 मार्च व शुक्रवार 14 मार्च को होली का दो दिवसीय पर्व बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर आमजन ने अपार जोश व उत्साह के साथ इस पर्व में भाग लेते हुये एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनायें दी। गुरूवार को भद्रा काल के चलते होली का पूजन प्रात: 10.41 बजे से पूर्व एवं होली का दहन भद्रा के उपरान्त 11.31 बजे के बाद किया गया। परम्परा अनुसार कस्बे के पॉवर हाऊस, दिल्ली दरवाजा के पास 300 वर्ष पूरानी मुख्य होली का मुख्य यजमान पटेल परिवार की ओर से युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल, राज व अमन पटेल द्वारा पं. श्याम लाल शर्मा के सानिध्य में वेद मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से पूजन अर्चन कर दहन किया गया। जिसके बाद आमजन ने होली में जौ की बालियां सेंकी। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी। जहाँ लोगों ने एक दूसरे के गले लगकर होली की बधाई दी। वहीं छोटो ने बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद भी लिया। इस मौके पर भीम पटेल ने अपने संबोधन में क्षेत्रवासियों को होली की बधाई देते आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ होली मनाने व युवाओं को धुलण्डी पर्व पर नशे से दूर रहने का संदेश दिया। होली का दहन के समय एएसपी वैभव शर्मा, डीएसपी राजेन्द्र बुरडक, एसएचओ राजेश शर्मा व्यवस्थायें बनाते नजर आये।

इसी प्रकार कस्बे के कृष्णा टॉकिज के पास, आजाद चौक स्थित होली, मौहल्ला बड़ाबास, मौहल्ला बुचाहेड़ा, मौहल्ला बाछड़ी, अवध बिहारी मंदिर सहित विभिन्न स्थानों की होली का दहन भी किया गया। जहाँ विभिन्न मंदिरों व देव स्थानों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इस दौरान लोगों ने एक-दूसरे के रंग लगाकर बड़े ही धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ बधाई व शुभकामनायें दी। जगह-जगह चंग की थाप पर लोग थिरकते हुये दिखाई दिये। इस वर्ष होली का जश्न आमजन ने जमकर मनाया। उल्लेखनीय है कि कस्बे की पॉवर हाऊस स्थित मुख्य होली करीब 300 वर्ष पूरानी है।

मालपुरा में हाथी पर सवार सम्राट अशोक की सवारी निकाली

मालपुरा । साम्प्रदायिक सौहार्द व भाईचारे से सराबोर रंगो के पर्व धुलण्डी पर रियासत काल से चली आ रही परम्परा का निर्वहन करते हुये हिन्दु समरसत्ता मंच के तत्वाधान मे मालपुरा मे निकाली गई सम्राट अशोक की शाही सवारी। पुरानी तहसील मे एक वर्ष के लिये मालपुरा का सम्राट बनने के लिये खुली बोली लगाई गई जिसमे सुखलाल चौधरी डोकरिया ने सर्वाधिक 51 हजार रूपये की बोली लगा मालपुरा का सम्राट बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। हाथी पर बैठे सम्राट बैण्ड-बाजो के साथ जुलुस के रूप मे रवाना हुये। जो शहरवासियो के साथ रंग-गुलाल से होली खेलते उपखण्ड अधिकारी आवास पहुंचे। एसडीएम अमित चौधरी ने परम्परा का निर्वहन करते हुये रंग और गुलाल से सम्राट का स्वागत कर अगवानी की। एसडीएम आवास पर एसडीएम अमित चौधरी ने आमजन के बीच पहुंच सादगी

सम्राट बैण्ड-बाजो के साथ जुलुस के रूप मे रवाना हुये।

से चंग बजाते हुये जमकर फाग गीत गाये। तो डीजे की धुनो पर युवाओं ने जमकर नृत्य किया। प्रथम प्रशासनिक अधिकारी के साथ सरकारी आवास पर हुये आयोजन मे रंगो की मस्ती मे चूर शहरवासियो ने एक-दुजे के रंग लगा दी शुभकामनाऐं। वही 64 साल बाद बने धुलण्डी व रमजान के जुम्मे के पावन संयोग पर शांति एवं कानून व्यवस्था को मध्यनजर रखते हुये पुलिस वृत्ताधिकारी आशीष प्रजापत,थानाधिकारी चेनाराम बेडा भारी पुलिस जाप्ते के साथ शहर मे चप्पे-चप्पे पर तैनात रहै।

होली महोत्सव में ढोल एवं झांझ वादन ने जमाया रंग

सांभरझील, (निसं)। नंदीकेश्वर सेवा समिति छोटा बाजार व पर्यटन विभाग के सहयोग से सांभर होली महोत्सव उत्साह व धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। समिति के अध्यक्ष रत्न कुलदीप व्यास, अनिल कुमार गट्टानी, जितेंद्र डांगरा एवं अनेक ने होली महोत्सव में अपना अच्छी तरह योगदान दिया।

ढोल एवं झांझ वाचन प्रतियोगिता पुरानी कोर्ट में आयोजित की गई जिसे देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग उम्रड पड़े। सांभर व आसपास से गांव के लोगों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। खास बात यह रही की सांभर होली महोत्सव में विदेशी पर्यटकों की तादाद भी देखने को मिली। फोटो खींचने व अलग हटकर वीडियो बनाने के शौकीन युवाओं को आगे लाने के लिए विशेष प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। मातृशक्ति को अपने कौशल का परिचय प्रस्तुत करने हेतु रंगोली प्रतियोगिता रखी गई।

इसके अलावा जीवंत झांकी प्रतियोगिता में विचित्र वेशभूषा पहनकर लोगों को आकर्षित करने के लिए खास मैसेज दिया गया जिसमें अनेक युवाओं ने पार्टिसिपेट किया, यह सभी प्रतियोगिताएं लोगों के आकर्षण और रूचि का विषय रही। नगर में जगह-जगह पंडितों की ओर से बताएं अनुसार होली का दहन किया गया। धूलंडी पर आयोजित होने वाला ऐतिहासिक भगवान शिव के प्रतिख के रूप में निकाली जाने वाली नंदीकेश्वर की सवारी को देखने के लिए सांभर सहित आसपास के अन्य गांवों से करीब 70 हजार लोगों ने इसमें भाग लिया। सुबह लोगों ने रंगों की होली खेली तो दोपहर बाद गुलाल के साथ इस पर्व को मनाया। नगर में अनेक मोहल्ले से ढोल नगाड़ों की धूम रही जो पूरे मेला के दौरान नाचते गाते चलते रहे। महिलाओं ने भी धार्मिक भजनों पर अपनी प्रस्तुतियां दी और झूम उठी।

भक्ति और उल्लास का संगम : फाल्गुन महोत्सव एवं होली मिलन समारोह सम्पन्न

नारायणपुर । कस्बे में नारायण सेवा समिति के तत्वाधान में होली के पावन पर्व पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हुआ।

पहले दिन फाल्गुन महोत्सव एवं श्याम संकीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और भजनों की गूंज से माहौल भक्तिमय बन गया। संकीर्तन में महामंडलेश्वर जनार्दनदास महाराज, विवेकनाथ महाराज, श्योरामदास महाराज, मुन्नादास महाराज, तुलसीदास महाराज, मोहनदास महाराज और साध्वी विदुषी सरस्वती सहित कई संतों ने शिरकत की। समिति ने संतों का माला और शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। मुख्य अतिथि के रूप में बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत कार्यक्रम में शामिल हुए, जबकि विशिष्ट अतिथि आयकर अपर

होली के पावन पर्व पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ।

आयुक्त चंद्रप्रकाश मीणा रहे। दोनों अतिथियों का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। विधायक शेखावत ने क्षेत्रवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं और विकास कार्यों को लेकर आश्वासन दिया। श्याम संकीर्तन की शुरुआत अखंड ज्योत और अलौकिक श्रृंगार से हुई। गायक विजय बंधन ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसके बाद अशोक कुमार, विष्णु कुमार ब्रजवासी, गुलाब ब्रजवासी, राखी, राधिका और आरती सहित अन्य कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी।

श्रद्धालु भजनों पर झूम उठे और गुलाल उड़ाकर फागोत्सव का आनंद लिया। सोनू आर्ट ग्रुप अलवर द्वारा प्रस्तुत राधा-कृष्ण और सुदामा की झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनीं। कार्यक्रम का समापन देर शाम आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। दूसरे दिन होली मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें युवाओं ने नगाड़ों और डीजे पर जमकर नृत्य किया। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सूचना

कार नम्बर RJ 14 CH 5043 निहाल माथुर के नाम से है, जिनके कोई वारिस नहीं है। उक्त गाडी उनके जानकार घनश्याम लाल के नाम ट्रांसफर कर रहे है। कोई वारिस या उत्तराधिकारी हो तो 21 दिन में R.T.O. IInd विद्याधर नगर में सूचित करें।

इश्तिहार पत्र

मैं, मेरे अभिभाष्य रमेश हाड़िया पुत्र श्री ग्यारसीलाल, निवासी वार्ड नं. 17, प्रागपुरा, जिला कोटपूतली, बहरोड़ की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि:-

1. मैं, मेरे अभिभाष्य की ओर से सर्वसाधारण को सूचित करता हूं कि मेरे अभिभाष्य ने अपनी पुत्री अनामिका उर्फ ज्योति को बड़े लाड़ दुलार से पालन पोषण किया है और मेरे अभिभाष्य ने अपनी पुत्री को बी.ए., बी. एड. तक पढ़ाई कराई है जिसमें बहुत पैसा खर्च हुआ है और मेरे अभिभाष्य अपनी पुत्री को अच्छे से घर में बड़ी खुशी से शादी करना चाहता था क्योंकि वह मेरे अभिभाष्य की इकलौती पुत्री थी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी लेकिन मेरे अभिभाष्य की पुत्री का मेरे अभिभाष्य से वर्तमान में अच्छा व्यवहार नही है और क्रूरतापूर्ण व्यवहार करती है जिससे व्यथित होकर मेरा अभिभाष्य अपनी पुत्री अनामिका उर्फ ज्योति का अपनी चल व अचल सम्पत्ति से वेदखल कर अपने पुत्र गौरव कुमार उर्फ योगेश को देना चाहता है जो कि मेरे अभिभाष्य की चल अचल सम्पति निम्न है :-

1. एक प्लाट 200 वर्गगज, रिहायशी मकान 50x60, दो दुकानो की जमीन 10x20, आदि। स्व अर्जित प्रोपर्टी जिसमें स्कूल चला रखी है स्कूल का नाम कैलाश विद्यापीठ प्रागपुरा है। जिसमें मेरी पुत्री का कोई हक व अधिकार नही है। सर्व साधारण सूचित रहे। भविष्य में उक्त सम्पति का अकेला वारिस मेरा पुत्र ही रहेगा।

सर्व साधारण सूचित रहे।

जरीये अधिवक्ता- होशियार सिंह आर्य, 9413562348
अविनाश आर्य, 9636942102

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय न्यायालय पारिवारिक न्यायालय क्रम-5 स्थान जयपुर महानगर
मनोज कुमार सैन विरूद्ध पूनम कुमारी
वाद/प्रार्थना पत्र 260/25 C.S.A. 1240/23

प्रार्थना पत्र संख्या 13 (A) H.M.A. सन्
नाम पूनम कुमार सैन पत्नी मनोज कुमार सैन पुत्री स्व. महेश कुमार सैन पता 1277 रावल जी का बाजार, जय सियाराम धर्मशाला के सामने चौकडी गंगापोल जयपुर

उक्त...... ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि......

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि.28 माह 03 सन् 2025 को 10.30 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वार जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज ता. 15 माह 02 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत

वरिष्ठ मुंसरिम
पारिवारिक न्यायालय क्रम-5
जयपुर महानगर प्रथम

अपील की सुनवाई के लिये नियत दिन की प्रत्यर्थी की सूचना
(आदेश 41 नियम 14)
नाम न्यायालय अपर जिला एवम सत्र न्यायाधीश क्रम 6 जयपुर महानगर प्रथम प्रथम जयपुर
बाबूलाल सैनी विरूद्ध बिरदीचन्द रैगर

नियमित दीवानी अपील सं. 22 / सन 2025
सिविल न्यायाधीश (दक्षिण) जयपुर महानगर द्वितीय के न्यायालय की तारीख 2.1.2025 को पारित निर्णय व डिक्री का अपील 2/1 श्रीमती बबीता सैनी पत्नी स्व.रमेश सैनी 2/2 कुमारी सोनिया पुत्री स्व0 श्री रमेश सैनी नाबालिग 2/3 कुमारी कोमल पुत्री स्व0 रमेश सैनी नाबालिगान जरिये कुदरती माता व संरक्षिका श्रीमती बबिता सैनी निवासीयान हाल प्रेम नगर ।। प्लाट नंबर 61 गुर्जर की थडी न्यू सांगानेर रोड जयपुर।

आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले मे सिविल न्यायाधीश व न्यायिक मजि0 (दक्षिण) जयपुर महानगर द्वितीय की अपील अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत उपस्थित की गई है और न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिये इस न्यायालय द्वारा तारीख 17 माह 03 सन 2025 नियत की गई है।

यदि इस अपील मे आपकी और से आप स्यं या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करे के लिये विधिक प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नही होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति मे गुनी और विनिश्चित की जावेगी।

यह आज तारीख 10 माह 03 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर के और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

आज्ञा से-वरिष्ठ मुंसरिम
न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायालय क्रम-6 जयपुर महानगर-प्रथम

मोहर

NAME CHANGE

I have changed my name from Reeta Sethi to Rita Sethi w/o Praveen Kumar Sethi for all purpose in future. R/o A-540 Vidyut Nagar Ajmer Road Jaipur- 302021

I have changed my name from Shamendra Kumar Mathur to Shamendra Mathur, for all future purposes. Both names are mine. Now I would be called Shamendra Mathur. 28-A Shakuntalam Yojana Jagatpura Jaipur.

I service no 14583385X Ex Hav Gokul singh Shekhawat S/O late Megha singh Shekhawat R/O village post gothara tehsil nawalgarh district jhunjhunu that have changed my daughter name from KANCHAN KANWAR is wrong entered in service record To KANCHAN KANWAR SHEKHAWAT vide affidavit dated 11 march 2025 before district notary Jaipur

I army no 14613583A Ex NK (TS) Mulchand maretha S/O Mangal ram maretha R/O village post Kali pahadi tehsil Dausa that have changed my sons name from SATISH KUMAR (DOB 23/5/1998) To SATISH KUMAR MARETHA (DOB 23/5/1999) & from RAM KISAN To RAM KISHAN Vide affidavit dated 12 march 2025 before district notary Jaipur

I, Pooja Singh of Spouse as per change of Next of Kin Record/Service Document. Spouse of No.15430122Y Rank Hav (NA) Name Azad Singh R/o Vill. B.Jhitkahi, Dist. Muzaffarpur, Bihar-843105 have changed my name from Pooja Singh to Pooja Kumari vide Affidavit dated 13.03.2025 before district court jaipur.

नगर निगम जयपुर, हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पास)
क्रमांक-एफ13()उपा.लैण्ड/ननिज./2025/2356

सार्वजनिक सूचना दिनांक-5/03/25

मूल भूखण्ड सं. डी-54, नाहरी का नाका पूर्व, जयपुर का पट्टा श्री कमला प्रसाद उपाध्याय पुत्र श्री भगवती प्रसाद उपाध्याय को दिनांक 20.08.1990 को 200 व.ग. का पट्टा जारी किया गया था। श्रीमती आर्दश शर्मा पत्नि, श्री परम पावन पुत्र, श्री विवेक उपाध्याय पुत्रान श्री कमला प्रसाद उपाध्याय द्वारा पारिवारिक सजरे के आधार पर व शपथ पत्र प्रस्तुत कर का एवं अन्य दस्तावेजो के आधार पर आवेदन प्रस्तुत कर 200 व. ग. नाम हस्तानान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अथोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त लैण्ड शाखा) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

उपायुक्त (लैण्ड) नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 44/2023
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री हनुमान प्रसाद ने प्रन्यास सदगुरू श्रीदातार जनकल्याण चेरिटेबल ट्रस्ट, 276, वसुन्धरा कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 58 जयपुर 2007 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के प्रन्यासियों के स्वर्गवास तथा त्याग पत्र देने के कारण उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड से हटाने तथा नवीन प्रन्यासियों की नियुक्ति कर उनके नाम कार्यालय प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख कराने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुवे परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 12.3.25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइन्दा तारीख पेशी 17.4.25

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 14/2025
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री सन्तोष अग्रवाल ने पंजीकृत प्रन्यास श्री गायत्री चैरिटेबल ट्रस्ट सी-76 तिलक नगर, जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 02 जयपुर 2006 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास की बैठक में प्रस्ताव पारित कर प्रन्यास के प्रन्यासी श्री बिग्रेडियर रविन्द्र कुमार श्री प्रदीप कुमार गोयल, श्री अशोक कुमार गर्ग, श्री सुजीत कुमार दास व श्री सुभाष आर्य द्वारा प्रन्यासी पद से त्याग देने के कारण उनके स्थान प्रन्यास रिकार्ड से हटाने तथा उनके स्थान प्रन्यास रिकार्ड से हटाने तथा उनके स्थान पर श्री सुमीर कुमार दास डा. श्याम सुन्दर अय्यैर, श्री कृष्ण कुमार शर्मा, श्री स्वनिल अग्रवाल, श्रीमती रिया अग्रवाल, व श्री रमेशचन्द्र साबू को मनोनीत कर उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुवे परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 19.02.25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइन्दा तारीख पेशी 25.3.25

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

न्यायालय उपजिला कलेक्टर गंगापुर सिटी
आम गुर्जर समाज गंगापुर सिटी जरिये कमल लाल गुर्जर वगैहराह ब ना म पून्या वगैहरा
नोटिस हर खास आम (तहत आदेश 1 नियम 8 जा.दी.)

हर खास आम सूचित किया जाता है कि आम गुर्जर समाज गंगापुर सिटी जरिये कमल लाल गुर्जर पुत्र श्री रामसहाय जाति गुर्जर निवासी खानपुर बडोदा, अध्यक्ष 12 गांव गुर्जर समाज एवम् केदारलाल गुर्जर पुत्र स्वर्गीय श्री मांगीलाल जाति गुर्जर निवासी कल्याणजी गेट, गुर्जर मोहल्ला गंगापुर सिटी अध्यक्ष आम चौरासी गुर्जर समाज गंगापुर सिटी ने एकदावा बावत घोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा का प्रतिवादीगण पून्या वगैहरा के विरूद्ध इस आशय का प्रस्तुत किया है कि घोषणा इस आशय की प्रदान की जावे कि गंगापुर सिटी तहसील गंगापुर सिटी स्थित भूमि खसरा नम्बर 276 रकवा 0.87 हेक्टर आम गुर्जर समाज गंगापुर सिटी की सार्वजनिक उपयोग उपभोग की भूमि है तथा यह भूमि राजस्व रिकार्ड मे दर्ज खातेदारान की निजी भूमि नही है तथा यह भूमि राजस्व रिकार्ड मे से प्रतिवादीगण का नाम हजफ कर आम गुर्जर समाज गंगापुर सिटी के नाम दर्ज किए जाने के आदेश फरमाये एंव प्रतिवादीगण को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द फरमाया जावे कि वे ग्राम गंगापुर सिटी स्थित भूमि खसरा नम्बर 276 रकवा 0.87 हेक्टर को अपने निजी उपयोग मे नही ले तथा इस भूमि मे कोई प्लाटिंग या निर्माण कार्य नही करे तथा भूमि को अन्य व्यक्तियो को रहन, विक्रय या अन्य किसी प्रकार से अन्तरित नही करे तथा भूमि मे गुर्जर समाज की आम सभा करने या अन्य सामाजिक कार्य करने मे बाधा उत्पन्न नही करे तथा भूमि मे कल्याण जी का मेला लगने देने में बाधा उत्पन्न नही करे एंव भूमि को अपने निजी नाम राजस्व रिकार्ड में नही लगवाये एंव कोई नामान्तरकरण अपने नाम नही खुलवाये एंव उक्त भूमि के सम्बन्ध मे गुर्जर समाज गंगापुर सिटी के सार्वजनिक हित मे नियमानुसार ट्रस्ट का गठन कर ट्रस्ट पंजीकृत कराये। अत: जो भी हर खास व आम इस दावे मे अपना पक्ष रखना चाहे दिनांक 17.3.25 को समय 10.30 AM बजे न्यायालय मे स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो सकता है।

"यह आज तारीख 11-3-25 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया। आदेशानुसार

आज्ञा से : न्यायालय उपजिला कलेक्टर
गंगापुर सिटी (स.मा.)

कार्यालय तहसीलदार (भू.अ.) आमेर, जिला जयपुर
क्रमांक-भू.अ./2025/842 दिनांक-5.3.25

आम सूचना का नोटिस

हर आम खास को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि प्रार्थी श्री अशोका तंवर पुत्र स्व0 बाबूलाल तंवर जाति बलाई निवासी एफ 162. पंचशील मार्ग सी स्कीम जिला जयपुर द्वारा एक प्रार्थना पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया गया कि स्व0 सुकन्या पत्नि अशोका तंवर पुत्री स्व0 शिवप्रकाश चन्द्र जाति बंगाली निवासी एफ 162. पंचशील मार्ग सी स्कीम जिला जयपुर द्वारा अपने जीवनकाल में एक वसीयतनामा अनरजिस्टर्ड अपने पति प्रार्थी अशोका तंवर पुत्र स्व0 बाबूलाल तंवर जाति बलाई निवासी एफ 162, पंचशील मार्ग सी स्कीम जिला जयपुर के पक्ष में दिनांक 23.05.2024 को नोटेरी पब्लिक के यहां प्रमाणित करवाया गया है। वसीयतकर्ता की दिनांक 04.10.2024 को मृत्यु हो चुकी है, ग्राम आमेर प0म0 आमेर तहसील आमेर की कृषि भूमि मृतक खातेदार स्व0 सुकन्या पत्नि अशोका तंवर पुत्री स्व0 शिवप्रकाशचन्द्र के नाम राजस्व रिकॉर्ड जमाबन्दी के खाता संख्या 1827 में ख0न0 8345, 8349 से 8353, 8359/9678, 8360/9679, 8361, 8362/9884, 8363 से 8367, 8372, 8375, 8376, 8379, 8380 किता 20 कुल रकवा 3.10 हेक्टे0 भूमि में हिस्सा 1/6 एवं खाता संख्या 1832 में ख0न0 8367/1, 8373, 8375/9152 किता 03 कुल रकवा 0.28 हेक्टे0 भूमि में हिस्सा 1/6 खातेदारी दर्ज रिकॉर्ड है। उपरोक्त भूमि का नामान्तकरण प्रार्थी श्री अशोका तंवर पुत्र स्व0 बाबूलाल तंवर जाति बलाई के पक्ष में खोला जाने बाबत प्रार्थना पत्र भी प्रस्तुत किया। प्रकरण विवादित होने के कारण प्रकरण धारा 135 (2) एलआर एक्ट 1956 के तहत दर्ज किया जाकर यह पत्रावली खोली गई। प्रकरण में यदि किसी को कोई उज्ज-एतराज, अथवा आपत्ति हो तो, प्रकरण में नियत आगामी तारीख पेशी 17/3/2025 को न्यायालय हाजा में अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा प्रकरण का एकतरफा निस्तारण कर दिया जावेगा। सूचित रहे।

यह नोटिस आज दिनांक 5/3/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार (भू.अ.), तहसील आमेर (जयपुर)

संक्षिप्त

तीन दिवसीय फुलडोल मेले की तैयारियां पूर्ण

बौंली-बामनवास। रामस्नेही संप्रदाय के संतों द्वारा प्रारंभ किया गया प्राचीन तीन दिवसीय फूलडोल मेले की तैयारी रामशाला चौक बौंली नगर में पूर्ण हो गई है, यह तीन दिवसीय मेला प्रतिवर्ष होली के बाद भाई दोज से भरने लगता है इस वर्ष भाई दोज एक दिन बाद रविवार को होगी, मेले में झूला, चकरी, मणिहारी, चाट, पकौड़ी, मिट्टी व अन्य बर्तनों की दुकाने सजकर तैयार हो चुकी है, तीन दिवसीय मेले के दौरान बौंली नगर के अलावा आसपास से भी ग्रामीण महिला, पुरुष मिट्टी के बर्तन एवं खेती के काम में आने वाले सामानों के अलावा मनिहारी व अन्य बर्तनों की जमकर खरीदारी करते हैं। मेले में झूला, चकरी एवं सभी दुकानें सजकर तैयार हो चुकी है लेकिन आज कुछ भीडभाड कम नजर आई क्योंकि मेले का शुभारंभ दोज से ही माना जाता है।

फूलडोल महोत्सव का आयोजन

निवाई। श्री राधा गोपीनाथ मंदिर में शुक्रवार को फूलडोल महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर पुजारी राजेश पारीक ने बताया कि शुक्रवार की देरशाम को पुजारी अनिल पारीक, महेश पारीक और प्रिंस पारीक ने मंत्रोच्चार के साथ भगवान गोपीनाथ, माता रूकमणी व राधाजी का पंचगव्य और पंचामृत से अभिषेक किया और विशेष पोशाक पहनाकर भगवान का आकर्षक श्रृंगार किया। इसके बाद गाजेबाजे से भगवान को गर्भगृह से बाहर निकालकर लकड़ी के सिंहासन पर विराजमान कर फूल बंगले की झांकी सजाई गई। इसके बाद मावे के पेड़ों का भोग लगाकर पुजारी अनिल पारीक ने भगवान महाआरती की।

जमकर खेली होली

निवाई। शुक्रवार की सुबह से ही धुलण्डी के पर्व पर सैंकडों युवक अनेक टोलियों में सडकों पर उतर गए जो भागडे की धुन पर नाचते गाते हुड़दंग मचाकर एक दूसरे के गुलाल व रंग लगाकर होली खेली। मकानों छतो पर चढकर बच्चों ने भी लोगों पर पानी व रंग गुलाल फैककर होली का आनन्द लिया। इस दौरान अहिंसा सर्किल पर नवलगढ के कलाकारों द्वारा डोलक व मंजीरे की मधुर धुनों पर देवर म्हारो रेए यो हरीयो रूमाल वालो, पपीया तेरे बोलन की रूत आई रे। कुण रा महीना बोले मोर पपीया, कुआ में बोले कबूतर ओर आमडिया में बोले कोयलडिया एवं बोलन की ये बोलन रूत आई रे सहित कई शेखावाटी चंग व धमाल की प्रतुितयां देकर लोगों का मनोरंजन किया।

शीतला माता लख्खी मेला 20-21 मार्च को

चाकसू। चाकसू के टोंक रोड शीतला माता डूंगरी पर स्थित शीतला माता मंदिर में ऐतिहासिक श्री शीतला माता का दो दिवसीय लक्खी मेला आगामी 20 मार्च 2025 से 21 मार्च 2025 तक आयोजित होने जा रहा है। श्री शीतला माता ट्रस्ट अध्यक्ष कजोड़ प्रजापति ने बताया कि 20 मार्च को रांधा पोवा एवं रात्रि जागरण के साथ मेंला शुरू होगा। शीतला माता के पहला भोग मंदिर की ओर से लगाया जाएगा। उसके बाद श्रद्धालु भोग लगेगा। उक्त मेले के मध्यनजर मन्दिर ट्रस्ट द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अन्तिम रुप दिया जा चुका है।

विद्युत सप्लाई 10 बजे से 4 तक बाधित

चाकसू। बिजली विभाग के जुनियर ईन्जिनियर मुकेश कुमार गुर्जर ने बताया कि रविवार को 33/11 केवी जीएसएस चाकसू से निकलने वाले 11 केवी बादीगर फीडर पर शीतला मेले को मध्य नजर रखते हुए मेले में निर्बाध विद्युत सप्लाई उपलब्ध करवाने हेतु लाइनों के नीचे आ रहे पेड़ की टहनियों को काटने, लूज तारों वह जंपर को टाइट करने इत्यादि का कार्य किया जाएगा, जिसके कारण उक्त ग्रिड सबस्टेशन से निकलने वाले बादीगर फीडर के दादनपुरा, यारलीपुरा, कठावाला, चौसला, आजमनगर शीतल आदि क्षेत्रों की विद्युत सप्लाई प्रात: 10:00 बजे से शाम 4:00 तक बाधित रहेगी।

जन्मदिन पर मरीजो को फल बांटे

श्रीमाधोपुर। सेवा भारती के बाल संस्कार केंद्र के आयाम प्रमुख सत्यनारायण सेन गुरु का जन्मदिन राजकीय चिकित्सालय श्रीमाधोपुर में चिकित्सालय श्रीमाधोपुर में भर्ती रोगियों को फल वितरण एवं शीघ्र स्वस्थ होने की मंगल कामना कर जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उपस्थित जिला प्रचारक विश्वेंद्र कुमार, ओमप्रकाश पचौरी, सेवा भारती के दया शंकर जी नगर, मुकेश खाटू वाला व झाबरमल शर्मा तथा अस्पताल स्टाफ मौजूद रहा।

डोलची होली बड़े उत्साह व धूमधाम से मनाई

दौसा। जिले के महवा इलाके के पावटा गांव में शनिवार को ऐतिहासिक डोलची होली का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम थे।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम इस आयोजन में विशेष रूप से शामिल हुए और स्थानीय लोगों के साथ होली का आनंद लिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह परंपरा हमारी संस्कृति और धरोहर को सहेजने का काम करती है। उन्होंने सभी को होली की शुभकामनाएं दीं और शहीद बल्लू सिंह को नमन किया।

डोलची होली की यह अनूठी परंपरा शहीद बल्लू सिंह की याद में मनाई जाती है, जिसे लेकर देवर-भाभी के बीच रंगों और पानी से सराबोर होली खेली गई। ग्राम पंचायत स्तर पर इसके पुख्ता इंतजाम किए गए। गांव के हदीरा मैदान में दूर दराज से आने वाले हजारों लोगों के लिए बैठने और देखने की व्यवस्था की गई। पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इस दौरान अनेक वरिष्ठ लोग मौजूद थे। डोलची होली को देखने के लिए दूर-दूर से लोगों का हुजूम उमड़ा और पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। डोलची होली की यह परंपरा पावटा गांव की खास पहचान है, जहां पानी से भरी डोलचियों के जरिए देवर-भाभी एक-दूसरे पर पानी डालते हैं और उत्सव का आनंद लेते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह परंपरा भाईचारे और सौहार्द्र का प्रतीक है।

पावटा गांव में डोलची होली का आयोजन उत्साह के साथ किया गया।

रात्रि को डोलची होली के मैदान में नौटंकी का भी आयोजन किया गया। शहीद बल्लू सिंह जिले के पावटा गाँव के एक वीर योद्धा थे। उनकी स्मृति में पावटा में होली के बाद दूज को डोलची होली का आयोजन किया जाता है, जिसमें लोग एक-दूसरे की पीठ पर डोलची से पानी की बौछार मारकर शहीद बल्लू सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर 25 मार्च को

शाहपुरा । जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के तहत जिला अन्धता निवारण समिति जयपुर के आर्थिक सहयोग से स्व. रावधीरसिंह स्मृति सेवा मण्डल एवं मेडिकल रिलीफ सोसायटी, राजकीय उप जिला चिकित्सालय शाहपुरा, जयपुर द्वारा मंगलवार 25 मार्च 2025 को उपजिला चिकित्सालय, शाहपुरा में निशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान त्रिवेणी धाम के संत रामरिछपाल दास जी महाराज ने नि:शुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर के पोस्टर का विमोचन किया। रावधीर सिंह स्मृति सेवा मंडल अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद योगी ने बताया कि शिविर में भ्रमणशील शल्य चिकित्सा ईकाई राजस्थान जयपुर के अनुभवी वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र खाडिया, डॉ. सिद्धेश गर्ग, डॉ. विजिया शर्मा, डॉ. परनीत जाट, डॉ. नेहा पारीक आदि चिकित्सकों द्वारा मोतियाबिन्द के ऑपरेशन एवं लैन्स प्रत्यारोपण नि:शुल्क किये जायेंगे।

सार-समाचार

दबिश के दौरान मरी बच्ची के परिजनों को आर्थिक सहायता

जयपुर। भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी- मार्क्सवादी का प्रतिनिधि-मण्डल अलवर जिले के नौगांव थाना क्षेत्र के गांव तेलियाबास कॉलोनी (रघुनाथगढ) में घर पर दबिश देने गये नौगांव थाना के पुलिस कर्मियों के पैरों से कुचलकर बच्ची की मृत्यु के घटनास्थल का दौरा किया। पार्टी की केन्द्रिय कमेटी ने मृतक बच्ची के परिवार के लिए एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता भेजी है। पार्टी जिला सचिव रईसा, जिला सचिव मण्डल सदस्य कोमरेड ज्ञानचंद खामरा, जिला कमेटी सदस्य जाकिर ने पंडित परिवार से मिलकर एक लाख रुपए मृतक बच्ची के पिता इमरान को सौंपे। पार्टीके प्रतिनिधियों ने परिवार जनों तथा धरना स्थल पर उपस्थित गांव वालों से मामले में नए डेवलपमेंट की जानकारी ली।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का स्वागत किया

चौमू /कालाडेरा । ग्राम पंचायत कालाडेरा को नगरपालिका में क्रमोन्नत होने पर वरिष्ठ भाजपा का कार्यकर्ता के साथ ग्रामवासियों ने डीजे के साथ कालाडेरा से पैदल चल कर और हाथों में 151 फुट का साफा लेकर रावण गेट भाजपा कार्यालय पहुंचे और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का ज़ोरदार स्वागत सत्कार किया गया। ग्रामवासियों द्वारा पटाखे फोड़े गए और रामलाल शर्मा को 151 फुट का साफा व माला पहनाकर और गुलाल लगाकर आभार जताया गया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं व ग्रामवासियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और चौमूं विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत कालाडेरा को नगरपालिका में क्रमोन्नत करने पर माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। इस मौक़े पर सरपंच अशोक शर्मा, मण्डल अध्यक्ष लालचंद यादव, बांसा मंडल अध्यक्ष शंकर लाल गोगोरिया, पूर्व फल सब्जी मंडी अध्यक्ष दिनेश गोरा, पूर्व सरपंच रामगोपाल मीणा, वरिष्ठ कार्यकर्ता कल्याण दत्त जांगिड़, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष हनुमान खोज, शक्ति केंद्र प्रभारी सोहन लाल कुमावत, छीगनलाल कुमावत, मुकेश चोपड़ा, अर्जुन ममोडिया, मोहन लाल खोज, ग्यारसी लाल खोज, कालूराम उज्जैनिया, बबलू उज्जैनिया, रणजीत, नंदलाल कुमावत, मुकेश पंचोली, श्रीराम यादव, सीताराम यादव, हरनाथ बागड़ा, श्री राम सांखला, बद्री बागड़ा, मोहन खत्री, रामलाल टाटला सहित सेकड़ो वरिष्ठ कार्यकर्ता व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सरकारी स्कूल को निशाना बना रहे चोर

पावटा। निकटवर्ती ग्राम कुनेड की सरकारी स्कूलों में चोरियों का सिलसिला थम नहीं रहा है। इस बीच शनिवार को ग्राम कुनेड सरकारी स्कूल में घुसकर चोरों ने कमरों के ताले तोड़कर चोरी का प्रयास किया। इस स्कूल में पहले भी दो बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। प्राधानाध्यापक बलदेव शर्मा ने घटना की जानकारी प्रागपुरा थाने पर दी है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी है। प्राधानाध्यापक बलदेव शर्मा ने बताया कि ग्राम कुनेड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार की रात चोर घुस गए। चोरों ने कमरों के ताले तोड़ डाले व विद्यालय में लगे इंवर्टर व बैट्री ले जाने की कोशिश की लेकिन उनका प्रयास असफल रहा। इंवर्टर व बैट्री विद्यालय परिसर में ही पड़े मिले वहां से कोई सामान चोरी नहीं जा सका। शनिवार को सुबह स्कूल खुलने पर कमरों के ताले टूटे देखकर घटना का पता चला। प्रधानाध्यापक बलदेव शर्मा के अनुसार इस स्कूल में पहले भी दो बार चोरी हो चुकी है। हर बार पुलिस को घटना की जानकारी दी गई लेकिन चोर अब तक नहीं पकड़े जा सके।

विद्यालयों के समय परिवर्तन की मांग की

दौसा। राज्य में भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए आरपीएससी शिक्षक फोरम ने विद्यालयों के समय परिवर्तन की मांग की है। फोरम के प्रवक्ता अभय सक्सेना ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से तापमान में तेज़ बढ़ोतरी हुई है, जिससे छात्र-छात्राओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फोरम ने शिक्षा मंत्री से आग्रह किया है कि 1 अप्रैल से प्रस्तावित विद्यालय समय (सुबह 7:30 से दोपहर 12:30) को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए, ताकि छात्रों को गर्मी से राहत मिल सके। फोरम की इस मांग का समर्थन करते हुए प्रहलाद फाटक्या, कैलाश शर्मा, कालूराम मालपुरिया, राजेश निर्बाण, महेंद्र जीरोता, जितेंद्र सैनी, केशफूल मीणा, पंकज अग्रवाल, मीनाक्षी मल्होत्रा, सुनीता मीणा, विमलेश गंगावत, मुरलीधर मीणा, वसराम गुर्जर, वसीम अहमद, जाकिर हुसैन, घमंडी लाल मीणा, बनबारी लाल देवनवाडा, कमल बीगास, अनिल शर्मा और विनोद सिंह सहित कई शिक्षक नेताओं ने समर्थन जताया है। फोरम के पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि अधिकांश राजकीय विद्यालयों में गर्मी से बचाव की मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में विद्यालय समय परिवर्तन ही एकमात्र छात्र हितैषी कदम होगा।

बड़ा बालाजी का लगा मेला

श्रीमाधोपुर। धुलंडी पर्व पर जालपाली गांव स्थित केशवदासजी महाराज व गौशाला बाजार दो नंबरी स्कूल स्थित बड़ा बालाजी मंदिर में शाम मेला लगा जिसमें कुश्ती दंगल में स्थानीय व दूर-दराज से आए पहलवानों ने दांव-पेंच दिखाए। केशवदासजी मंदिर में 51 से 2100 रुपए तक की कुश्ती वही बड़ा बालाजी मंदिर में 21 से 2100 तक की कुश्ती प्रतियोगिता हुई। कोच प्रभाती लाल सामोता व ओमप्रकाश जांगिड़ ने बताया कि कुश्ती प्रतियोगिता में रौचक मुकाबले हुए। बड़ा बालाजी मंदिर के पुजारी महावीर प्रसाद लाटा ने बताया कि कुश्ती में ठिकरिया के पहलवान संदीप ने 500 रुपए की, श्रीमाधोपुर के पहलवान मोहित ने 700 रुपए की, अजय ने 1100 रुपए की , कल्याणपुरा के नेतराम ने 2100 रुपए की कुश्ती में जीत हासिल की। बड़ा बालाजी मंदिर में रात्रि में संगीतमय सुंदरकांड के पाठ किये गए तो बाबा केशव दास जी महाराज के मंदिर में जागरण हुआ।

धूमधाम से होली धुलंडी पर्व मनाया

श्रीमाधोपुर। शहर में होली व धुलंडी का त्योहार उत्साह के साथ मनाया गया।सुबह से ही युवाओं की टोलियां रंग गुलाल लेकर घर से निकले । इस बार खास उत्साह देखने को मिला, जहां लोगों ने शांति और सौहार्द के साथ एक-दूसरे को रंगों में सराबोर किया। हर गली-मोहल्ले में रंगों का धमाल मचा रहा। लोग अपने मित्रों और परिजनों के घर पहुंचकर गुलाल और गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देते नजर आए। बाजारों में युवाओं की टोलियों ने जमकर होली खेली और पारंपरिक अंदाज में चंग की थाप पर फाग गीतों से समां बांध दिया। वहीं बच्चों ने पिचकारियों से खेलकर होली का आनंद लिया। शहर के श्री रघुनाथ मंदिर, श्रीगोपीनाथ मंदिर, खेड़ापति बालाजी मंदिर, श्रीसीताराम बाबा बावड़ी आश्रम, चित्रकूट धाम नीमेड़ा समेत आसपास के मंदिरों में श्रद्धालु फाग भजनों पर नृत्य करते हुए एक-दूसरे पर अबीर-गुलाल लगाया।

होली का पर्व धूमधाम से मनाया

दूदू। कस्बा दूदू एवं आसपास के गांवों में होली का पर्व धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर होली पूजा स्थल पर लगाए गए डंडे पर गोबर से निर्मित बडकूले बालिकाओं द्वारा डाले गए पश्चात पूजा अर्चना की जाकर होलिका दहन किया गया दूसरे दिन रंग बिरंगे कलर एवं गुलाल लगाया जाकर धुलंडी का पर्व पर भाईचारे का संदेश दिया गया कस्बे के निजी रिसोर्ट में धुलंडी के अवसर पर भाजपा मंडल दूदू मोजमाबाद फागी के तत्वाधान में आयोजित स्नेह मिलन समारोह के दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बेरवा ने कार्यकर्ताओं के साथ धूमधाम से रंग बिरंगी गुलाल एवं रंग लगाया जाकर धमाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान सभी मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे बैरवा ने कहा कि इस त्योहार से भाईचारे का संदेश दिया जाता है।

होलिका दहन के साथ धुलण्डी का त्यौहार मनाया

फुलेरा । कस्बे में गुरुवार व शुक्रवार को जगह-जगह पर रंगों का पावन त्यौहार होली और धुलण्डी पर्व बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसी क्रम में जानकारी देते हुए धर्मप्रेमी योगेन्द्र गहलोत ने बताया कि स्थानीय ढाणी नागान में करीब 40 फुट लम्बी होलिका का दहन किया गया। वहीं क्षेत्र के पुराना फुलेरा, न्यू कॉलोनी स्थित गणेश मन्दिर परिसर के पास, श्रीरामनगर, तेजाजी चौक, बड़ की कोठी, हरदेव जोशी कॉलोनी, न्यू गार्ड कॉलोनी, स्कूल की ढाणी, मुख्य बाजार सहित अन्य कई स्थानों पर रात्रि में शुभ के अनुसार पूजा अर्चना के साथ होलिका दहन किया गया। इसके पश्चात दूसरे दिन सभी ने एक दूसरे के अबीर रंग गुलाल लगाकर होली की बधाई और शुभकामनाएं दी। कई स्थानों पर ठण्डाई का वितरण किया गया। इसके अन्य स्थानों पर भी कई कार्यक्रमों के साथ रंगों का त्यौहार उल्लास पूर्वक मनाया गया।

वार्षिकोत्सव व सम्मान समारोह में छात्र छात्राओं ने दी प्रस्तुतियां

निवाई। जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रवीर चौहान व कार्यक्रम की विशिष्ठ अतिथि मीना लसाडिया ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। वार्षिकोत्सव की अध्यक्षता डी.एल.एड प्रभारी कन्हैयालाल मीणा ने की। अध्यक्ष मीणा ने कहा कि शिक्षा से ही मनुष्य का सर्वांगीण विकास होता है। राष्ट्र के निर्माण में शिक्षित बालक बालिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हमें बालको के साथ-साथ बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि चन्द्रवीरसिंह चौहान ने कहा कि समाज को उन्नित के मार्ग पर पहुंचाने में बालिकाओं का शिक्षित होना आवश्यक है।

प्रतिभाओं व भामाशाहों का सम्मान करते हुए।

व्याख्याता जसवंत सिंह नरूका ने समाजिक समरसता का संदेश देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में छिपी प्रतिभाओं को आगे लाने से हौसला बढ़ता है। प्रधानाचार्य मीनल सरिया ने सभी छात्र छात्राओं को कडी मेहनत के साथ अपना लक्ष्य लेकर आगे बढने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान घूमर एवं गोरबंद सहित राजस्थानी गानों पर विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक प्रस्तुतियां दी। इसी अवसर पर डाईट स्टॉफ द्वारा भामाशाहों भूतपूर्व विद्यार्थीयों व प्रतिभावान छात्रों संजय शर्मा, राजकुमार मीणा, भागचंद शर्मा, अनिता चौधरी, अशोक साहू को विद्यालय स्टाफ द्वारा प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह व डाईट रत्न पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया।

संजय शर्मा ने सभी आगन्तुको का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान वरिष्ठ व्याख्याता जितेंद्रकुमार जैन, रेखा जैन, रवि विजय, जसवंतसिंह नरूका, अजयकुमार अग्रवाल, डीएलएड प्रभारी कन्हैयालाल मीणा, स्काउट टीम के गिरिराज किशोर, निक्कु कंवर, पूनम कुमावत, आशीष, मनीष, पूजा, राहुल, शंकर साहू व अशोक सहित कई अभिभावक एवं शिक्षकगण मौजूद थे।

श्री कृष्ण गौशाला के फागोत्सव में खेली फूलों की होली

पावटा । होली के रंग, गोमाता के संग कार्यक्रम के तहत इस बार यह आयोजन शुक्रवार को श्री कृष्ण गौशाला पावटा में सावरिया मित्र मंडल व श्री कृष्ण गौशाला पावटा के तत्वाधान व महंत राधेश्याम, मोहनदास महाराज के सान्निध्य में आयोजित हुआ। सावरिया मित्र मंडल पावटा के तत्वावधान में आयोजित फागोत्सव व भजन संध्या कार्यक्रम में शुक्रवार को श्री कृष्ण गौशाला पावटा में

- फागोत्सव व भजन संध्या के दौरान बाबा श्याम के लगाया छप्पन भोग

सैकड़ों गौ भक्तों ने गौ भजनों पर नाचते झूमते भक्तिमय माहौल में गौमाता के संग होली पर्व मनाया। सावरिया मित्र मंडल पावटा वरिष्ठ सदस्य सियाराम कारोली वाले, संतोष अग्रवाल, विनोद बंसल ने बताया कि स्नेह, प्रेम और भाईचारे के पावन पर्व होली पर हजारों गौभक्तों ने अपने मन में गौसेवा, गौसंवर्धन का संकल्प लेकर श्री कृष्ण गौ शाला पावटा में आयोजित फागोत्सव व भजन संध्या महोत्सव में सम्मिलित होकर का आनंद लिया और फूलों से होली खेलकर फागोत्सव मनाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही। समारोह में प्रसिद्ध गायक छाया सिंघल दिल्ली, रिंकू शर्मा रसिक, राजेश शर्मा श्याम दरबार सूरजगढ़ वाले, आरती शर्मा दौसा एण्ड पार्टी व स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व भजन संध्या में भजनों की प्रस्तुति दी गई। समारोह में शामिल सैकड़ों लोगो ने बाबा श्याम और ईश्वरीय पूज्य गौमाता की भक्ति में डूबकर झूमते गाते पूरे उमंग एवं उत्साहपूर्ण माहौल में फूलों से होली खेली। वहीं बाबा श्याम के लगाए गए छप्पन भोग की प्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान सियाराम कारोली वाले, गोपाल मंगल, अशोक मंगल, महेंद्र गोयल, बृजमोहन गोयल, संतोष गुप्ता, मनोज गोयल, केशव गर्ग, अनूप गर्ग, करण पंसारी, रमेश कुमावत, लाला हुल्डा, एसजी मुकेश, राहुल गोयल, गोविंद गर्ग, वीरेंद्र अग्रवाल, विनोद गर्ग, मातादीन मीणा, सांवर बोहरा, योगेश शर्मा, राज ठाकरसी, राजेंद्र खंडेलवाल, ओमप्रकाश बंसल, विमल गर्ग, विजय गुप्ता, रिंकू अग्रवाल, घनश्याम गुप्ता, ख्यालीराम टांक, सहित बड़ी संख्या में गौ भक्त मौजूद रहे।

फूलों से होली खेलकर फागोत्सव मनाया।

धूमधाम से निकाली शाही सवारी

टोंक। जिले में लोगों ने जमकर धुलंडी खेली, जहां एक दूसरे को गुलाल, रंग लगाकर भाई चारे का संदेश दिया, वही जिला मुख्यालय पर रियासत काल से निकाली जा रही सम्राट की सवारी गाजे-बाजे और विभिन्न झांकियों के साथ शान से निकाली गई इस दौरान लोगों ने जमकर होली खेली तथा सम्राट की सवारी में इस साल मशान अघोरी-तांडव, बरसाना की लट्ठमार, राधाकृष्ण की फूलों की होली, बाल-गोपाल कृष्ण-सखाओं की होली की सजीव झांकियां आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा सम्राट के जुलूस में पूर्व की भांति 11 ऊंटगाड़ियां, 11 घोड़ियों पर सवार होली के मतवाले, बैंड-बाजों की धुनों के साथ नाचते-गाते चल रहे शहरवासी भी जुलूस की शोभा बढ़ा रहे थे। आगे एक ऊंट सवार सम्राट की अगुवाई सवारी में शामिल हुआ। यह जुलूस पुरानी टोंक अजमेर वालों की कोठी से सुबह 9 बजे से शुरु हुआ। वहां से रंग-गुलाल से होली खेलते हुए जुलूस पुरानी टोंक व मुख्य बाजार के कई इलाकों से होकर वापस अजमेर वालों की कोठी पहुंचा। इस दौरान हजारों शहरवासी उमड़ पड़े तथा इस दौरान पर्याप्त पुलिस जाप्ता तैनात रहा। इस सवारी के दौरान जुलूस पर फूलों की बारिश कर स्वागत किया तथा होली व गणगौर महोत्सव समिति के संयोजक ओम पांडे ने बताया कि इस बार सम्राट की सवारी के जुलूस में काशी के प्रसिद्ध मसान होली, शिव तांडव होली, बरसाना की सुप्रसिद्ध लट्ठमार होली की सजीव झांकियों के अलावा राधाकृष्ण के साथ फूलों व बाल-गोपाल, कृष्ण-सखाओं की होली की सजीव झांकियां मुख्य आर्कषक रही। इस अवसर पर पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, पूर्व पार्षद राधेश्याम साहू, सुरेश जाजू, दिलीप जैन, मनोज शर्मा, मनोज काला, वृन्दावन दास, महेश पारीक, रतनलाल सैनी, अरूण नामा, कृष्णअवतार टांक, प्रवीण बंसल, मनोज, कालू जैन पूर्व पार्षद, मनीष बंसल, महेन्द्र लाला दुसाद, सुरेश कहाल्या, विजय मालवानी, दिलेर सिंह बना आदि के अलावा सैकडो की संख्याबल में दर्शक व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

- जिला मुख्यालय पर रियासत काल से निकाली जा रही सम्राट की सवारी गाजे-बाजे और विभिन्न झांकियों के साथ शान से निकाली

कोटपूतली में डीजे कोर्ट खोले जाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन जारी

कोटपूतली। जिला कोटपूतली-बहरोड़ के जिला मुख्यालय कोटपूतली में जिला एवं सत्र न्यायालय एवं इसके समकक्ष न्यायालय खुलवाये जाने की मांग को लेकर जिला अभिभाषक संघ के तत्वाधान में अधिवक्ताओं द्वारा शुरू की गई पेन डाउन हड़ताल व धरना प्रदर्शन स्थानीय न्यायालय परिसर में शनिवार को भी बदस्तुर जारी रही।

जिला अभिभाषक संघ के तत्वाधान में अधिवक्ता विगत 31 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे है। वहीं विगत 18 दिनों से अधिवक्ताओं की क्रमिक अनशन व भूख हड़ताल शनिवार को भी लगातार जारी रही। इस दौरान संघ के अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर के नेतृत्व में राजेन्द्र सैनी, रामजीलाल सैनी, नरेश यादव, फूलचंद भाटिया, सुखमोहन चौहान आदि अधिवक्ताओं ने क्रमिक अनशन किया। वहीं दुसरी ओर कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल भी शनिवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में अभिभाषक संघ के धरना स्थल पर पहुँचे। जहाँ उन्होंने वकीलों की मांग विस्तार से सुनी। विधायक पटेल का संघ के अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान पटेल ने सभी को होली के पावन पर्व की बधाई देते हुये कहा कि डीजे कोर्ट कोटपूतली में ही खुलेगा। इस बात को लेकर कोई शंका नहीं की जानी चाहिये। इस बाबत सरकार से निरन्तर चर्चा व सकारात्मक प्रयास किये जा रहे है। साथ ही इसमें बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत व विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ का भी भरपुर सहयोग मिल रहा है।

वकिलों को सम्बोधित करते विधायक पटेल।

जिले के तीनों विधायकों ने विधि मंत्री जोगाराम पटेल से इस मांग को लेकर विस्तार से चर्चा की है। जिस पर उन्होंने सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि

- जिला अभिभाषक संघ के तत्वाधान में अधिवक्ता विगत 31 दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे है

विगत लगभग एक माह से जारी हड़ताल के कारण यहाँ के विभिन्न न्यायालयों में लगभग 20 हजार से अधिक मुकदमों की सुनवाई लम्बित हो चुकी है। पक्षकार न्यायालयों से बैरंग लौट रहे है। साथ ही विभिन्न कार्य भी ठप पड़े है।

इस दौरान अपर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने जमकर नारेबाजी एवं प्रदर्शन भी किया। संघ के अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर का कहना है कि जब तक कोटपूतली मुख्यालय पर डीजे कोर्ट नहीं खुल जाता, तब तक क्रमिक अनशन व भूख हड़ताल निरन्तर जारी रहेगी। इस दौरान सभी सैशन न्यायालय, सिविल एवं राजस्व न्यायालयों में सम्पूर्ण रूप से पेन डाउन हड़ताल भी रखी जायेगी।

पुलिसकर्मियो ने विरोध स्वरूप नही खेली होली

मालपुरा। लम्बे समय से लम्बित चल रही पुलिसकर्मियो की दस सुत्री मांगो को सरकार द्वारा स्वीकार नही करने से खफा पुलिसकर्मियो ने शनिवार को मालपुरा मे होली यूं कहे की रंग गुलाल खेलने का बहिष्कार किया। पुलिसकर्मियो ने बताया कि संगठन की दस सुत्री मांगो मे पुलिस कांस्टेबल की ग्रेड पे 3600 किये जाने, पुलिस कांस्टेबल से निरीक्षक के पद पर पदोन्नति की जाये।

राजस्थान पुलिसकर्मियो की जनसंख्या के आधार पर नफरी बढाये जाये। राजस्थान पुलिसकर्मियो का हार्ड ड्यूटी अलाउंस के अलावा मासिक रिस्क अलांउस 5 हजार रूपये दिये जाये। पुलिसकर्मियो को साप्ताहिक अवकाश दिया जाये। वर्दी भत्ता 10 हजार रूपये सालाना किया जाये। स्थानान्तरण पॉलिसी मे संशोधन,थाने मे पदस्थापन पर एक हजार रूपये की राशि दी जाये व आरएसी कम्पनी को रोटेशन प्रणाली मे संशोधन किया जाये। इन मांगो को संगठन लम्बे समय से स्वीकार करने की मांग कर रहा है।

मुझे कड़ी मेहनत करते रहना है। 2025 में बहुत सारे अहम टूर्नामेंट हैं, इसलिए मैं उस पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। मैं सभी फॉर्मेट में सुधार करना चाहता हूं और उम्मीद है कि भगवान की कृपा से अच्छी चीजें होंगी। - डी. गुकेश

शतरंज खिलाड़ी, तिरुपति बालाजी मंदिर में अपने बाल दान करने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लक्ष्य सेन

लक्ष्य सेन की ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन 2025 का खिताब जीतने की उम्मीदें शुक्रवार, 14 मार्च को खत्म हो गईं। 2022 के फाइनलिस्ट को बर्मिंघम में चीन के उच्च रैंकिंग वाले ली शि फेंग के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में सीधे गेमों में 10-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य को बुधवार को गत चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी पर अपनी जीत में दिखाई गई लय हासिल करने में संघर्ष करना पड़ा, एकतरफा मुकाबले में वह हार गए जो सिर्फ 35 मिनट तक चला। पेरिस ओलंपिक में पदक से मामूली अंतर से चुके 2022 के उपविजेता सेन ने अच्छी शुरूआत की थी।

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर ने अपने वनडे इंटरनेशनल करियर में सबसे ज्यादा 463 मैच खेलने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया हुआ है.

रोहित की टेस्ट कप्तानी को जीवनदान मिला

नई दिल्ली, 15 मार्च। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारत ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीती। जिस कारण उनकी टेस्ट कप्तानी को भी जीवनदान मिला है। बताया जा रहा है कि जून से अगस्त के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में रोहित शर्मा ही कप्तान होंगे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज में भारत का प्रदर्शन काफी खराब था। इसके बाद रोहित शर्मा की कप्तानी पर सवाल उठने लगे थे। यहां तक कि आखिरी टेस्ट में रोहित ने खुद को टीम से बाहर कर लिया था। इस टेस्ट में जसप्रीत बुमराह ने भारत की कमान संभाली थी।अब चैंपियंस ट्रॉफी में जीत के बाद रोहित को बीसीसीआई का पूरा समर्थन मिला है।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक बोर्ड और चयनकर्ता रोहित को एक और बड़े टूर पर

बतौर कप्तान भेजने का फैसला किया है। बोर्ड का कहना है कि रोहित ने साबित कर दिया है कि वह क्या कर सकते हैं। हर किसी को लगता है कि इंग्लैंड दौरे पर भारत का नेतृत्व करने के लिए रोहित सबसे उपयुक्त हैं। रोहित ने भी अभी रेड बॉल क्रिकेट खेलने की इच्छा जताई है।

इससे पहले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद रोहित ने खुद कहा था कि वह रिटायर नहीं होने जा रहे हैं। हालांकि, जब उनसे 2027 के वनडे वर्ल्ड कप के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अपनी योजना का खुलासा नहीं किया था। रोहित ने आईसीसी से कहा कि मैं अच्छा खेल रहा हूं। मैं टीम के साथ जो भी कर रहा हूं, उसमें मजा आ रहा हूं। टीम को भी मेरे साथ अच्छा लग रहा है। ये बहुत अच्छी बात है। मैं अभी 2027 के लेकर कुछ नहीं कह सकता हूं, क्योंकि इसमें काफी समय है। क्योंकि इसमें काफी समय है। लेकिन मैंने अपने सभी विकल्प खुले रखे हैं।

बॉक्सिंग फैडरेशन का चुनाव नहीं लड़ सकेंगे अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 15 मार्च। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने पूर्व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, 28 मार्च को होने वाले चुनाव के निर्वाचक मंडल में शामिल करने के लिए अनुराग ठाकुर के नामांकन को खारिज कर दिया गया। जिसके बाद कहा गया कि, वह प्रतिनिधित्व करने के पात्र नहीं है। हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ ने चुनाव के लिए ठाकुर और उपाध्यक्ष राजेश भंडारी के नाम भेजे थे। बीएफआई ने 60 सदस्यीय निर्वाचक मंडल की सूची जारी की जिसे जांच के बाद अंतिम रूप दिया गया।बीएफआई ने निर्णय की व्याख्या करते हुए कहा कि, अनुराग ठाकुर का नाम राज्य इकाई ने भेजा था। हालांकि, उन्हें भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के सात मार्च 2025 के नोटिस और भारतीय राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 के उल्लंघन के कारण आयोग्य पाया गया है। सभी संबद्ध राज्य संघों को भेजे गए सात मार्च के नोटिस में कहा गया था कि चुनाव एजीएम के दौरान बीएफआई से संबद्ध राज्य इकाइयों के केवल वास्तविक और विधिवत निर्वाचित सदस्य ही अपने संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत होंगे।बीएफआई के एक सूत्र ने कहा कि, अनुराग ठाकुर हिमाचल प्रदेश राज्य संघ के निर्वाचित सदस्य नहीं हैं। इसलिए उनका नाम खारिज कर दिया गया है।

खेलों के विकास में महिला खिलाड़ियों का योगदान अतुलनीय : विराट कोहली

बेंगलुरु, 15 मार्च। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने शनिवार को देश में महिला खेलों के परिवर्तन के पीछे महिला खिलाड़ियों की भूमिका की सराहना करते हुये कहा कि उनके खुद के प्रयासों से वाणिज्यिक विकास, वित्त पोषण में वृद्धि हुई और आखिरकार महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) अस्तित्व में आया।

लीडर्स द्वारा संचालित आरसीबी इनोवेशन लैब इंडियन स्पोर्ट्स समिट में बोलते हुए कोहली ने महिला खेलों के बदलते परिदृश्य पर कहा, महिला एथलीटों ने खुद पर ध्यान आकर्षित किया, जिससे वाणिज्यिक विकास हुआ, वित्त पोषण में वृद्धि हुई और अंतत: डब्ल्यूपीएल का निर्माण हुआ। कोहली ने खेल विकास के लिए सामूहिक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि महिला

खेल इस पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसी भी देश में खेल के सुधार के लिए पुरुषों को देखते हुए यह सामूहिक होना चाहिए। खेल संस्कृति में सभी शामिल हैं, और महिला खेल इसका एक बड़ा हिस्सा है।

आरसीबी से जुड़े विराट कोहली

नई दिल्ली, 15 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन का काउंटडाउन शुरू हो गया है। सभी टीमें जोरो शोरो से तैयारी कर रहे हैं। आरसीबी टीम 17 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अनबॉक्स इवेंट आयोजित करने जा रही है। इससे पहले टीम में शामिल स्टार प्लेयर विराट कोहली बैंगलुर पहुंच गए हैं। इस दौरान कोहली का स्टाइलिश अंदाज देखा गया जहां वो गाड़ी से हीरो की तरह निकल रहे हैं। विराट कोहली का गाड़ी से निकलने वाला वीडियो आरसीबी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से शेयर किया है। जिसमें आप देख सकते हों कि, कोहली ग्रे रंग के ट्रॉउजर और ब्लू रंग की शर्ट में स्टाइलिश नजर आ रहे हैं।

इंडियन वेल्स के फाइनल में एंड्रीवा का सामना सबालेंका से

कैलिफोर्निया, 15 मार्च। उभरती हुई रूसी स्टार मीरा एंड्रीवा 2001 के बाद से इंडियन वेल्स में महिला फाइनल में पहुंचने वाली पहली 17 वर्षीय खिलाड़ी बन गईं, उन्होंने पिछले मैच में गत चैंपियन इगा स्वियाटेक को हराया। उन्होंने फरवरी में दुबई में क्वार्टर फाइनल चरण में इगा को हराकर डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट की सबसे कम उम्र की विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया जिसके बाद लगातार दो टूर्नामेंट में उन्होने दूसरी बार विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी को हराया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, एंड्रीवा ने एकतरफा मुकाबले में दूसरा सेट हारने के बाद वापसी करते हुए अनुभवी पोल को 7-6 (7-1) 1-6 6-3 से हराया। फाइनल में उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका से होगा।बेलारूसी खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में अमेरिकी मैडिसन कीज़ से मिली हार का बदला लेते हुए 6-0, 6-1 से जीत दर्ज की। नौवीं वरीयता प्राप्त एंड्रीवा ने अंतिम सेट में अपनी वापसी पर कहा, मुझे लगता है कि मैं अपनी घबराहट और दबाव से बहुत अच्छी तरह निपट रही थी, इसलिए मुझे खुद पर गर्व है। दूसरे सेट में जब उसने मुझे सचमुच हरा दिया, तो मैंने सोचा शायद मैं लड़ने की कोशिश करूँगी। मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकती थी। वह कमाल का खेल रही थी।

महिला क्रिकेट विश्वकप क्वालीफायर 9 से पाक में

दुबई, 15 मार्च। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 में अंतिम दो स्थानों के लिए छह टीमों के बीच नौ से 19 अप्रैल तक क्वालीफायर टूर्नामेंट पाकिस्तान में खेला जायेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार इस राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट के सभी 15 मैच पाकिस्तान में लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम और लाहौर सिटी क्रिकेट एसोसिएशन (एलसीसीए) स्टेडियम में नौ से 19 अप्रैल खेले जायेंगे। इस टूर्नामेंट की शीर्ष दो टीमें भारत में अक्टूबर और नवंबर में होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप में खेलेंगी। क्वालीफायर के छठे संस्करण में छह टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें चार पूर्ण सदस्य - पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बंगलादेश और आयरलैंड शामिल हैं। स्कॉटलैंड और थाईलैंड टूर्नामेंट की अन्य दो टीमें हैं। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और मेज़बान भारत 10 टीमों वाली आईसीसी महिला चैंपियनशिप (2023-25) में शीर्ष छह में रहने के कारण पहले ही विश्वकप के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। क्वालीफायर का पहला मुकाबला नौ अप्रैल को गद्दाफी स्टेडियम में मेजबान पाकिस्तान और आयरलैंड के बीच होगा। वहीं वेस्टइंडीज का मुक़ाबला एलसीसीए में स्कॉटलैंड से होगा।अगले दिन बंगलादेश और थाईलैंड एलसीसीए में एक-दूसरे से भिड़ेंगे। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, ये छह टीमें महिला क्रिकेट विश्व कप से बस एक कदम दूर हैं और मुझे यकीन है कि वे प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार होंगी। आईसीसी की ओर से, मैं सभी भाग लेने वाली टीमों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं और उम्मीद करता हूं कि भारत में होने वाले विश्व कप की तैयारी के तौर पर लाहौर में कुछ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट देखने को मिले।

एनसीए से फिट घोषित होने पर ही आईपीएल में खेल सकेंगे बुमराह

मुम्बई, 15 मार्च। अपनी चोट से अभी पूरी तरह नहीं उबर पाये भारत के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के चिकित्सा दल द्वारा फिट घोषित किये जाने पर मुंबई इंडियंस के लिए खेल सकेंगे। ऐसी जानकारी मिली है कि अप्रैल में शुरुआत में बुमराह मुंबई इंडियंस की टीम के साथ जुड़ेंगे। बुमराह एमआई के साथ तभी जुड़ सकेंगे जब एनसीए का चिकित्सा दल उन्हें फिट करार देगा।

बुमराह अपने पीठ के निचले हिस्से में खिचाव संबंधी चोट से उबर रहे हैं। उन्हें चार जनवरी को सिडनी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी टेस्ट के

दूसरे दिन यह चोट लगी थी। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम की घोषणा करते हुए मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि बुमराह को बीसीसीआई मेडिकल टीम द्वारा कम से कम पांच हफ्ते (एससीजी टेस्ट से) आराम करने की सलाह दी है

आईपीएल 2025 में एमआई 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ चेन्नई में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। उसके बाद वे 29 मार्च को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस (जीटी) से खेलेंगे। एमआई का पहला घरेलू मैच दो दिन बाद 31 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ होगा। इसके बाद वे अप्रैल के पहले हफ्ते में दो मैच खेलेंगे जिसमें 4 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ लखनऊ में और सात अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने घर में।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान बल्लेबाजी और गेंदबाजी का जमकर अभ्यास किया।

इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में भिड़ेंगे ड्रेपर और अल्काराज

कैलिफोर्निया, 15 मार्च। इंग्लैंड के जैक ड्रेपर ने शुक्रवार को इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन को हराकर दो बार के गत विजेता स्पेन के कार्लोस अल्काराज के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में जगह बना ली हैं। आज यहां खेले गये मुकाबले में जैक ड्रेपर ने अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी शेल्टन को 6-4, 7-5 से हराया। ड्रेपर ने कहा, मुझे हमेशा स्वयं पर गर्व रहा है, मैंने टूर्नामेंट में अभी तक एक भी सेट नहीं गंवाया है। मैं कभी भी किसी चीज से संतुष्ट नहीं होता। मैं हमेशा अधिक जीत और शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलने के अधिक अवसर चाहता हूँ।

जिला क्रिकेट संघ का दो दिवसीय अम्पायर व स्कोरर का सेमीनार आज से जयपुरिया एकेडमी पर आयोजित

जयपुर, 15 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ की एडहॉक कमेटी के द्वारा जिला स्तरीय अंपायर्स व स्कोरर्स का सेमिनार आज से जयपुरिया एकेडमी पर आयोजित किया गया। सेमिनार में जयपुर जिला क्रिकेट संघ के पूर्व अंपायर व स्कोरर के साथ ही नए परीक्षा में शामिल होने वाले अंपायर व स्कोरर सहित कुल 57 अंपायर व स्कोरर ने भाग लिया है। सेमिनार में 3 महिला अंपायर व 2 महिला स्कोरर भी शामिल हुई है। सेमिनार में अंपायर फैकल्टी के रूप में कमलेश शर्मा (बी सी सी आई पैनल अंपायर), श्रीवास मंडल (आर सी ए पैनल अंपायर), स्कोरर फैकल्टी के रूप में अंतर्राष्ट्रीय स्कोरर ओ पी शर्मा तथा बी सी सी आई स्कोरर तपेश कौशिक ने युवा अंपायर्स व स्कोरर्स को क्रिकेट के नियमो की नवीनतम जानकारी दी तथा अंपायरिंग व स्कोरिंग की तकनीक सिखाई। इस अवसर पर जेडीसीए एडहॉक कमेटी के सदस्य रोहित झालानी, महेश सैनी, पूर्व रणजी खिलाड़ी पंकज गुप्ता व सेमिनार के कॉर्डिनेटर ओम शर्मा भी उपस्थित रहे। नए अंपायर्स व स्कोरर्स की परीक्षा 16 मार्च को आयोजित की जाएगी।

जतिन के नाबाद शतक तथा तन्मय की गेंदबाजी की मदद से कोडाई एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 15 मार्च। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज एन.बी. क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा पर खेले गये पूल-बी के मैच में जतिन सैनी 107 रन नाबाद (58 गेंद, 8 चौके, 4 छक्के) के धुआँदार नाबाद शतक तथा तन्मय यादव 21 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की मदद से कोडाई क्रिकेट एकेडमी ने द न्यू जयपुर स्पोर्ट्स को एकतरफा मुकाबले में 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर द न्यू जयपुर स्पोर्ट्स क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये तुषार चौधरी 40 रन, आशिष शर्मा 36 रन, तनिश जैन 22 रन, मनिष टांक 21 रन, प्रतीक मान 12 रन, विशाल सिंह 13 रन की पारियों के बावजूद 19.1 ओवर में 158 रन

बनाकर सिमट गई। गेंदबाजी में कोडाई क्रिकेट एकेडमी की ओर से तन्मय यादव 21 रन पर 3 विकेट, हर्षित गौर 14 रन पर 2 विकेट तथा आरव महर्षी, हिमांशु शर्मा, जतिन सैनी तथा भव्य बालिया प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में कोडाई क्रिकेट एकेडमी ने अपना पहला विकेट शिवांजल 2 रन पर ही गवाने के बाद ओपनर जतिन सैनी 107 रन (58 गेंद, 8 चौके, 4 छक्के) ने हर्षित गौर 35 रन के साथ मिलकर 107 रन की साझेदारी निभाकर अपनी टीम को प्रारम्भिक नुकसान से उभारते हुये जीत की ओर ले गये उत्कर्ष सैनी ने भी 10 रन पर तथा सात्विक जैन 4 रन पर नाबाद के सहयोग से विजय लक्ष्य 19.1 ओवर में 159 रन 3 विकेट खोकर बना 7 विकेट से जीत दर्ज कर ली। गेंदबाजी में द न्यू जयपुर स्पोर्टस एकेडमी के रवि मीणा आशिष शर्मा तथा मनीष टांक प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। मैन ऑफ दा मैच जतिन सैनी 107 रन नाबाद (58 गेंद, 8 चौके, 8 छक्के) कोडाई क्रिकेट एकेडमी रहे।

स्पेन के खिलाफ मुकाबले के लिए नीदरलैंड्स की टीम में डेपे की वापसी

द हेग, 15 मार्च। नीदरलैंड्स के कोच रोनाल्ड कोमैन ने शुक्रवार को कहा कि 20 और 23 मार्च को स्पेन के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल के लिए कोरिंथियंस के स्ट्राइकर मेम्फिस डेपे को टीम में शामिल किया है। 31 वर्षीय डेपे की आठ महीने बाद टीम में वापसी हुयी है। पिछले साल 10 जुलाई को उन्होंने अपने देश के लिए अपना आखिरी मैच इंग्लैंड के खिलाफ यूरो 2024 के सेमीफाइनल में खेला था। पिछले साल सितंबर में ब्राजील के क्लब कोरिंथियंस में ट्रांसफर होने के बाद उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया था। डेपे ने अब तक नीदरलैंड के लिए 98 कैप हासिल किए हैं। उन्होंने 46 गोल किए हैं, जो नीदरलैंड्स के लिए 50 गोल करने वाले मौजूदा ऑल-टाइम गोल स्कोरर रॉबिन वैन पर्सी से सिर्फ चार पीछे हैं।

सीएसके ने आईपीएल के लिए चेन्नई मेट्रो, एमटीसी के साथ किया समझौता

चेन्नई, 15 मार्च। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने शनिवार को आईपीएल 2025 के लिए चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड और मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन के साथ विशेष साझेदारी की घोषणा की, ताकि टीम के घरेलू मैचों के दौरान प्रशंसकों की सुविधाओं में इजाफा किया जा सके। एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेपक सीएमआरएल के साथ साझेदारी के जरिये मैच टिकट वाले प्रशंसक बिना किसी अतिरिक्त कीमत के मेट्रो रेल में यात्रा कर सकते हैं।

जब वरुण चक्रवर्ती को मिली जान से मारने की धमकी, डिप्रेशन में आ गया था भारतीय गेंदबाज

नई दिल्ली, 15 मार्च। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में बेहतरीन गेंदबाजी करके टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले वरुण चक्रवर्ती का ताजा खुलासा चौंकाने वाला है। दरअसल, वरुण का कहना है कि 2021 में टी20 वर्ल्ड कप में उनका प्रदर्शन जोरदार नहीं था तो उनको फोन पर धमकी भरे कॉल आए थे।

वरुण ने कहा कि टीम इंडिया का तब सफर जल्दी खत्म हो गया था, तब उनको लगा था कि अब शायद उनका इंटरनेशनल क्रिकेट करियर खत्म हो गया है। ध्यान रहे वरुण का टी20 डेब्यू जुलाई 2021 में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से हुआ था। उसके बाद उनका चयन विराट कोहली के नेतृत्व वाली टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में किया गया था। वरुण ने तब उस टूर्नामेंट के दौरान कुल 3 मैच खेले थे, लेकिन वो एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। वरुण तब दुबई में भारत की 10 विकेट से पाकिस्तान से मिली पाकिस्तान से हार वाली टीम के भी सदस्य थे। जो किसी भी वर्ल्ड कप में भारत की पाकिस्तान से पहली हार थी।

वरुण ने यूट्यूब शो में मशहूर एंकर गोबीनाथ से कहा कि, ये मेरे लिए एक बुरा समय था। मैं डिप्रेशन में था क्योंकि मुझे लगा कि मैं वर्ल्ड कप के लिए चुने जाने के बाद जस्टिस नहीं कर पा रहा हूं। मुझे एक भी विकेट नहीं ले पाने का अफसोस था। उसके बाद तीन साल तक मेरा सेलेक्शन नहीं हुआ, इसलिए मुझे लगा कि टीम में वापसी मेरे डेब्यू से कहीं ज्यादा कठिन थी।

चक्रवर्ती ने आगे कहा कि, मुझे अपने बारे में बहुत कुछ बदलना पड़ा। मुझे अपना रूटीन, प्रैक्टिस बदलना पड़ी। पहले मैं एक सत्र में 50 गेंदों का अभ्यास करता था, मैंने इसे दोगुना कर दिया। बिना ये जाने कि सेलेक्टर मुझे वापस बुलाएंगे या नहीं। ये मुश्किल था। तीसरे साल के बाद मुझे लगा कि सब खत्म हो गया है। हमने आईपीएल जीता और फिर मुझे कॉल आया उसके बाद मैं बहुत खुश था। उन्होंने कहा कि, तब 2021 वर्ल्ड कप के बाद मुझे धमकी भरे कॉल आए थे। कहा गाया कि भारत मत आना। लोग मेरे घर आए, मुझे ढूंढने लगे- मुझए कई बार छिपना पड़ा। जब मैं एयरपोर्ट से लौट रहा था तो कुछ लोग अपनी बाइक पर मेरा पीछा कर रहे थे।

इंडियन सुपर लीग ने की प्लेऑफ की तारीखों की घोषणा

मुंबई, 15 मार्च। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) ने शनिवार को 2024-25 सत्र के लिये प्लेऑफ की तारीखों की घोषणा कर दी। प्रतियोगिता का लीग चरण 12 मार्च को समाप्त होगा। नॉकआउट 29 और 30 मार्च को खेले जाएंगे, इसके बाद 2-3 और 6-7 अप्रैल को सेमीफाइनल होंगे। 2024-25 सीजन का बहुप्रतीक्षित फाइनल 12 अप्रैल को खेला जाएगा। मोहन बागान एसजी ने लगातार दूसरे सीजन के लिए लीग शील्ड जीतकर इतिहास रच दिया है।

विश्व कप क्वालीफॉयर के लिये नेमार अनफिट

रियो डी जनेरियो, 15 मार्च। घुटने की चोट से उबर रहे ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार कोलंबिया और अर्जेंटीना के खिलाफ विश्व कप फुटबॉल क्वालीफायर मैचों में नहीं खेल पाएंगे। ब्राजील फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) ने शुक्रवार को बयान जारी कर यह जानकारी साझा की। कोच डोरिवल जूनियर ने कहा कि नेमार, गोलकीपर एडर्सन और डिफेंडर डैनिलो कोलंबिया और अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले मैच के लिये फिट नहीं हैं। नेमार के स्थान पर रियाल मैड्रिड के स्ट्राइकर एंड्रिक को ब्राजील की टीम में शामिल किया गया है।

गुलाबी नगरी में राजस्थान रॉयल्स का होली समारोह

जयपुर, 15 मार्च। राजस्थान रॉयल्स की टीम ने होली के त्यौहार को रंगों, अंतहीन हंसी और मजबूत टीम भावना के साथ मनाया। खिलाड़ी रंगों के त्यौहार को मनाने के लिए एक साथ आए, गुलाल लगाया, मिठाइयाँ बाँटीं और एक बड़े रॉयल्स परिवार के रूप में इस खुशी के अवसर का आनंद लिया।

राहुल द्रविड़ दर्द के बावजूद खिलाड़ियों को दे रहे ट्रेनिंग

जयपुर, 15 मार्च। टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले राहुल द्रविड़ को आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपना हेड कोच बनाया। राहुल द्रविड़ के क्रिकेट के प्रति जुनून और निष्ठा के लिए जाना जाता है। उनकी सादगी उनको और खास बनाती है। वहीं द्रविड़ जिस भी टीम से जुड़ते हैं उसे चैंपियन बनाने में जी जान लगा देते हैं। इसी कारण से वह राजस्थान रॉयल्स के कैंप में बैसाखी पर पहुंचे।राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को पैर में चोट लगी है। पूर्व भारतीय कप्तान कर्नाटक में अपने बटे अन्वय द्रविड़ के साथ कुछ क्लब क्रिकेट खेल रहे थे और ऐसा लगता है कि इस दौरान उनके दाहिने पैर में चोट लग गई है। हालांकि, ये चोट भी उन्हें टीम से दूर नहीं

रख सकी।राजस्थान रॉयल्स ने अपने मंगलवार के ट्रेनिंग सेशन का वीडियो शेयर किया है। इस सेशन में राहुल द्रविड़ भी शामिल हुए। द्रविड़ जब गाड़ी से उतरे तो ग्राउंड तक पहुंचने के लिए उन्हें बैसाखी का इस्तेमाल करना पड़ा। वह उसी के सहारे मैदान तक पहुंचे जहां बाकी खिलाड़ी अभ्यास कर रहे थे। द्रविड़ एक कुर्सी पर बैठे और दूसरी पर अपना पांव रखा। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों की ट्रेनिंग पर ध्यान दिया। एक-एक करके खिलाड़ी उनसे मिलने आते रहे। वह टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और ऑलराउंडर रियान पराग से बल्लेबाजी को बात करते हुए दिखाई दिए। उन्हें देखकर समझ आ रहा था कि खिलाड़ियों से बात करते हुए अपना दुख दर्द भूल गए थे।

राजस्थान रॉयल्स और आरएसएससी ने जयपुर में आरसीए अकादमी में वृक्षारोपण अभियान के लिए हाथ मिलाया

जयपुर, 15 मार्च। राजस्थान रॉयल्स ने राजस्थान राज्य खेल परिषद (आरएसएससी) के सहयोग से आज आरसीए अकादमी में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया, जिसमें पर्यावरण स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। इस पहल में राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष राजीव खन्ना के साथ-साथ टीम के खिलाड़ी संदीप शर्मा, ध्रुव जुरेल, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल सिंह राठौर और अन्य ने भाग लिया। आरएसएससी के अध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार पवन भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने खेल अवसंरचना में हरित पहल के महत्व पर जोर दिया। इस अभियान के साथ, रॉयल्स समुदाय को वापस देने और एक हरित कल को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों को जारी रखते हैं।

ट्रेन हाइजैक पर भारत ने पाकिस्तान के दावे को खारिज किया

नयी दिल्ली, 14 मार्च। भारत ने बलूचिस्तान में ट्रेन अपहरण की घटना को लेकर पाकिस्तान की ओर से दिय गए बयानों को दृढ़ ता से खारिज कर दिया है और कहा है कि पाकिस्तान को अपनी अंदरूनी विफलताओं के लिए दूसरों को दोष नहीं देना चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान की ओर से की गई टिप्पणियों पर मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, "हम पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आधारहीन आरोपों को दृढ़ ता से खारिज करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को अपनी आंतरिक समस्याओं और विफलताओं के लिए दोष दूसरों पर डालने के बजाय अंदर झांकना चाहिए।"

जबरदस्ती व विरोध नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जीवित करना चाहिए। अगर गैर हिंदी भाषियों को हिंदी से दिक्कत है तो उन पर संस्कृत थोप दी जानी चाहिए।"

इस समय भारत का भाषाई परिदृश्य बहुत ज्यादा ध्रुवीकृत है, ऐसे में कैड्बरी डेयरी मिल्क की अप्रोच महत्वपूर्ण है। इसमें भाषा के इंसानी पहलू को दिखाया गया है कि यह तोड़ने का नहीं जोड़ने का जरिया है और इस प्रकार ब्रांड ने विवाद में पड़े बिना सबको साथ लेकर चलने का संदेश दिया है।

भारत के भाषाई मसले पर इस विज्ञापन का कितना असर पड़ेगा, यह देखा जाना बाकी है। पर एक बात तो तय है कि कैड्बरी डेयरी मिल्क ने वह कर दिया है, जो करने के लिए नेता जूझ रहे हैं, उन्हें विवादित परिदृश्यों के एक "कॉमन ग्राउण्ड" नहीं मिल रहा है और कैड्बरी ने बहुत सादगी से वह सब कर दिया है।

एक दिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिम्पा और जसवीर सिंह राजा गिल डीडीवीसी में मौजूद थे।

विपश्यना केंद्र के प्रवक्ता ने कहा कि 10 दिवसीय विपश्यना ध्यान सत्र पांच मार्च को शुरू हुआ और 16 मार्च, 2025 की सुबह समाप्त होने वाला है। हालांकि, प्रवक्ता ने कहा कि केजरीवाल ने अपने ध्यान शिक्षक से छुट्टी ली और एक दिन पहले ही लौट गए।

'हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में ''शक्ति वंदन, भारत के स्व का अभिनन्दन'' महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कहा

- **कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी भी देखी और कहा कि रानी अहिल्याबाई ने महेश्वर में हथकरघा का विकास किया व महेश्वर साड़ी की सौगात दी।**

जयपुर, 15 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सशक्त और विकसित देश-प्रदेश बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आधी आबादी की भागीदारी के बिना विकास की यात्रा अधूरी है।

उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में भी शक्ति के लिए मां दुर्गा, धन के लिए मां लक्ष्मी और बुद्धि के लिए मां सरस्वती की उपासना करने की परम्परा रही है। शर्मा ने कहा कि यह शक्ति वंदन महोत्सव हमारे महिला सशक्तिकरण के प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। हमारी सरकार राज्य में महिलाओं को विकासोन्मुखी वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में "शक्ति वंदन: भारत के स्व का अभिनंदन महोत्सव" के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने जीवन और कार्यों से एक स्थायी विरासत छोड़ी है। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महेश्वर में स्थानीय हथकरघा उद्योग का विकास कर दुनिया को महेश्वर साड़ी की सौगात दी। वे एक साहसी योद्धा, सक्षम प्रशासक और सनातन संस्कृति की समर्पित संरक्षिका थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधी आबादी की उन्नित और प्रगति में विश्वास रखते हैं। यह महोत्सव प्रधानमंत्री के "वोकल फॉर लोकल" अभियान के तहत, स्थानीय उत्पादों को बढ़ ावा देने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और विलुप्त होती कलाओं को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हमारा लक्ष्य है। हाल ही में होली के पावन अवसर पर सरकार ने स्वयं सहायता समूहों की माताओं-बहनों द्वारा तैयार हर्बल गुलाल खरीदकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर तीन दिवसीय 'नारी शक्ति वंदन : भारत के स्व का अभिनंदन' महोत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने शक्ति वंदन पुस्तक में उद्यमी महिलाओं के लिए संदेश लिखा। शर्मा ने जयपुर नगर निगम ग्रेटर द्वारा आयोजित देवी अहिल्याबाई होल्कर प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और प्रदर्शनी के "रिड्यूस, रीयूज और रीसाइकिल" आधारित उत्पादों की सराहना की।

इस अवसर पर नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मुख्यमंत्री को अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम में जयपुर सांसद मंजू शर्मा सहित, जनप्रतिनिधिगण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमी एवं बड़ी संख्या में अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

रूस बातचीत से पहले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर लिया है, जिसमें एक महीने का युद्धविराम तुरंत लागू होना था। अब गेंद रुसियों के पाले में है।

अब हो यह रहा है कि रुस अधिक से अधिक सैन्य दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, ताकि वो अमेरिका के साथ वार्ता में इसका इस्तेमाल कर सके। उदाहरण के लिए, कुर्स्क क्षेत्र पर रुस का कड़ा नियंत्रण, यूक्रेन व अमेरिका के लिए सौदेबाजी का एक बड़ा हथियार है।

इस संदर्भ में उच्च रुसी सहायकों द्वारा दिए गए संकेतों और रुसी राष्ट्रपति के नवीनतम आचरण से यह प्रतीत होता है कि वे अमेरिकी शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने की जल्दबाजी में नहीं हैं। वार्ता की टेबल पर आने से पहले वो पूरी स्थिति पर अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित करना चाहते थे। इससे अमेरिका की स्थिति व नियंत्रण कमज़ोर हो रहा है।

यदि ऐसा होता है, तो अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रयासों के लिए यह एक सीधा अपमान होगा। उसके बाद ट्रंप, रुसियों को पलटवार में एक सख्त पाठ पढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं।

कुछ अमेरिकी सूत्रों ने पहले से ही यह संकेत दिया है कि खुफिया जानकारी का आदान प्रदान, जो निलंबित कर दिया गया था, वो शुरु हो चुका है और अन्य खुफिया जानकारियाँ फिर से आ रही हैं। समय आने पर, यदि वार्ताएं विफल हो जाती हैं, जिन्हें यूक्रेन पहले ही दबाव में आकर स्वीकार कर चुका है, तो अमेरिका पूरी ताकत से हस्तक्षेप कर सकता है।

'हम केन्द्र के शिक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तमिल भाषा में भारतीय मुद्रा के लिये प्रयुक्त हुआ है। लोगो में एक कैप्शन भी था "सबके लिये प्रत्येक चीज।" यह कैप्शन सरकार के समावेशी मॉडल का परिचायक है, क्योंकि सत्तारुढ़ द्रमुक तमिलनाडु सरकार के समावेशी होने का दावा करती है।

तमिलनाडु सरकार पर प्रहार करते हुये, राज्य के भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि "रुपये के प्रतीक को तमिलवासी उदय कुमार ने ही डिज़ायन किया था। वे द्रमुक विधायक के पुत्र हैं। उन्होंने लिखा, स्टालिन, आप किस हद तक मूर्ख हो सकते हैं?" उन्होंने 2024-25 के तमिलनाडु बजट का लोगो ने भी शेयर किया, जिसमें भारतीय रुपये का प्रतीक था। गौरतलब है कि तमिलनाडु के राज्यपाल ने अभी कोई अधिकृत बयान नहीं दिया है।

तमिलनाडु सरकार का यह कदम भाजपा के लिये एक ऐसा हथियार बन गया है, जिसके जरिये वह सभी मंचों पर द्रमुक को पछाड़ सकती है।

तमिलनाडु और केन्द्र के बीच यह रस्साकसी उस समय शुरु हुई, जब राज्य सरकार ने नैशनल एजुकेशन पॉलिसी, जिसमें राज्यों को त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने के लिये बाध्य किया गया है, को लागू करने से इनकार कर दिया था।

पुलिसकर्मियों ने नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होली का बहिष्कार करने पर मजबूर होना बहुत ही कष्टदायक है। बजट विनियोग विधेयक पर बोलते हुए मैंने पुलिस कर्मियों का मैस भत्ता बढ़ाने और डीपीसी से प्रमोशन की मांग को मुख्यमंत्री के सामने उठाया था। मेरी मुख्यमंत्री से भी अपील है कि पुलिसकर्मियों की मांग पर सकारात्मक फैसला करें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पुलिसकर्मी हर पर्व को सौहार्द्र एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए अपने परिवार से दूर कर्तव्य का निर्वहन करते हैं। कल प्रदेशवासियों ने आनंदमय माहौल में होली मनाई, लेकिन भाजपा सरकार की हठधर्मिता की वजह से आज पुलिसकर्मी होली का बहिष्कार करने को मजबूर हैं।

कर्मचारी संगठनों ने भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से पुलिस कर्मियों की लंबित मांगों का समाधान करने की अपील की है। संयुक्त कर्मचारी महासंघ एकीकृत के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन भेजकर कहा है कि पुलिस कर्मियों की वाजिब मांगों को सरकार तक पहुंचाने का कोई मंच नहीं है। अपनी मांगों को सरकारों से मनवाने के लिए पुलिसकर्मी अन्य कर्मचारियों की तरह हड़ताल, धरना-प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं, इसलिए सरकार के पास उनकी जायज मांगें नहीं पहुंच पाती हैं। सरकार तत्काल उनकी मांगों पर ध्यान देकर समाधान करे।

राहुल गाँधी एक सप्ताह की ''मैडिटेशन यात्रा''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **कांग्रेस में परिवर्तन के बारे में ऐसी घोषणाएं कई बार हो चुकी हैं, पर, क्रियान्विति ज़ीरो रहती है।**
- **कांग्रेस के उसी वरिष्ठ नेता ने इसलिए जोर, देकर कहा कि राहुल को व्यक्तिगत सोच को, व्यवहारिकता का जामा पहनाने की जरूरत है, उनके पास ऐसी सलाह देने वाले नेताओं की टीम बनती नज़र नहीं आती।**

की 12 मार्च को होने वाली मीटिंग स्थगित कर दी गई है। अब यह मीटिंग राहुल के वियतनाम से लौटने के बाद ही होगी। पंजाब में राज्य कांग्रेस के राजनैतिक मामलों की कमेटी की मीटिंग गुरुवार को हुई, जिसमें नेतृत्व जाट और दलित राजनीति के बीच फंसा नजर आया।

अमरिन्दर सिंह राजा वड़िंग पार्टी में बहुत अलोकप्रिय हो गये हैं। चन्नी ने भी यह साफ कह दिया है कि उनकी रुचि राज्य की राजनीति में है।

पिछली बार, राहुल और प्रियंका गांधी ने चेन्नी को पंजाब के मुख्यमंत्री के रुप में थोप दिया था। उन्होंने यह सोचा ही नहीं था कि ताकतवर जाट सिक्ख लॉबी मुख्यमंत्री के रुप में एक दलित को कभी सहयोग प्रदान नहीं करेगी।

क्या नेतृत्व चन्नी को फिर से पार्टी के चेहरे के रुप में प्रस्तुत करेगा, या स्थिति यथावत चलती रहेगी। भूपेश बघेल, जो इस समय पंजाब प्रभारी हैं, ने अनुशासन के मामले में सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा कर दी है कि नेतागण केवल पार्टी मंचों पर ही बोलेंगे, बाहर नहीं तथा सभी लोग बिना किसी दुर्भावना के, सौहार्दपूर्वक मिलकर काम करेंगे।

यह सीख सैकड़ों बार दी जा चुकी है, लेकिन इसका शायद ही कोई असर हुआ हो। अभी-अभी, राहुल गांधी ने गुजरात की अपनी यात्रा के दौरान बड़े जोर-शोर से यह घोषणा की थी कि राज्य में भाजपा की मदद करने वाले कांग्रेसजनों को बर्खास्त कर दिया जायेगा तथा पार्टी से निकाल दिया जायेगा, भले ही उनकी संख्या कितनी भी ज्यादा क्यों न हो। राहुल गांधी इससे पहले भी ऐसी घोषणाएं कई बार कर चुके हैं, लेकिन जहाँ तक कार्यवाही का प्रश्न है, कभी कोई कार्यवाही नहीं की गई है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर अंदरुनी लड़ाई तथा नेताओं के अहं के टकराव से दूर हटकर, पार्टी को विभिन्न राज्यों की सत्ता में वापस आना है तो राहुल गांधी की पसंद और नापसंद को राजनैतिक व्यावहारिकता तथा दूरदर्शिता के अनुसार ढलना होगा।

जेडीसी, जेडीए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को मुहैया कराए। यदि भूखंड नहीं दे पाए तो उसे जमा करवाई गई राशि 6,88,532 रुपए जमा तारीख से 18 फीसदी ब्याज सहित अदा करें। इसके अलावा परिवाद दायर करने की तारीख से एक हजार रुपए हर दिन हर्जाना राशि दी जाएगी। वहीं, क्षतिपूर्ति के लिए उसे 5.21 लाख रुपए हर्जाना भी दिया जाएगा, लेकिन जेडीए ने इस आदेश का पालन नहीं किया है। इसलिए आदेश की पालना करवाई जाए।

गौरतलब है कि परिवादी ने जेडीए की सीकर रोड स्थित आवासीय योजना, रजत विहार में भूखंड के लिए आवेदन किया था। जेडीए ने उसे भूखंड आवंटित भी कर दिया और परिवादी ने भी उसकी पूरी राशि जमा करवा दी, लेकिन परिवादी को ना तो भूखंड का कब्जा दिया गया और ना ही उसकी जमा राशि ही उसे लौटाई गई।

कम परीक्षा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में याचिका दायर कर कहा कि स्कूल का परीक्षा परिणाम सदैव उत्कृष्ट रहा है। ऐसे में केवल एक साल कम परीक्षा परिणाम आने पर उसे दंडित नहीं कर सकते। इसके अलावा, वरिष्ठ अध्यापकों ने पूरे साल विद्यार्थियों को पढ़ ाया, लेकिन परीक्षा परिणाम कम आया। ऐसे में वरिष्ठ शिक्षकों की एवज में उसे दंडित नहीं किया जा सकता।

ऐसे ही दूसरे मामले में, याचिकाकर्ता व्याख्याता नेमी चंद बलाई जयपुर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बधाल में हिंदी के व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं। उनके खिलाफ भी 2018-2019 में कक्षा 12वीं का हिंदी विषय का परीक्षा परिणाम तय मापदंड से कम आने के कारण चार्जशीट दी गई और जुलाई 2021 में दो वार्षिक वेतन वृद्धि रोक लीं। विभाग ने वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने की अवधि दो साल से एक साल कर दी। इसे चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि हर छात्र का पढ़ ने का स्तर एक जैसा नहीं होता है। इसलिए उसे कम परिणाम के लिए दोषी करार देकर दंडित नहीं किया जा सकता। दोनों मामलों में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने दंडात्मक कार्रवाई को रद्द कर दिया है।

चारागाह भूमि से कब्जा नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी पेश करने को कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश नेकीराम व अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग की ओर से आदेश की पालना के लिए दो सप्ताह का समय मांगा गया। इस पर अदालत ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मामले में 23 मई, 2022 के आदेश की पालना नहीं की गई तो अदालत अधिकारियों को वारंट से तलब कर सकती है। अवमानना याचिका में अधिवक्ता वीपी शास्त्री ने बताया कि चिड़ावा की कई बीघा चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए याचिकाकर्ता ने चिड़ावा तहसीलदार को सूचित किया। तहसीलदार ने 149 अतिक्रमण चिन्हित कर अगस्त, 2021 में कब्जाधारियों को बेदखल करने का निर्णय दिया। वहीं जिला कलेक्टर ने भी तहसीलदार के आदेश को यथावत् रखा। इसके बावजूद भी मौके से अतिक्रमण नहीं हटाया गया। मामले को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका पेश की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने 23 मई, 2022 को चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। इसकी पालना नहीं होने पर अवमानना याचिका दायर कर दोषी अफसरों पर कार्रवाई की गुहार की गई।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908